धनबाद, रविवार 16.06.2024
मूल्य- ₹ 3
वर्ष-30 अंक-115 पृष्ठ- 12
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-10
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक
बिहार ऑबजर्वर

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों और सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 8 नक्सली ढेर, एक जवान शहीद, 2 घायल

बस्तर (एर्जेसी): नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में पुलिस और नक्सलियों के बीच बीते दो दिनों से लगातार मुठभेड़ जारी है. इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने ८ नक्सलियों को ढेर कर दिया है. एक जवान शहीद हो गया. दो जवान घायल है.

अबूझमाड़ में बीते दो दिनों से लगातार रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है. १४ जून को सुबह मुठभेड़ शुरू हुई. रुक रुक कर नक्सली गोलीबारी कर रहे हैं जिसका जवाब बस्तर के चार जिलों नारायणपुर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा और कांग्रेस के सुरक्षा बल के जवान दे रहे हैं. मुठभेड़ में कई बड़े नक्सलियों के मारे जाने का दावा पुलिस की तरफ से किया जा रहा है.

चार जिलों के जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़: बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ में कुतुल, फरसबेड़ा व

कोडतामेटा क्षेत्र में संयुक्त नक्सल विरोधी अभियान आयोजित किया गया. इस संयुक्त अभियान में नारायणपुर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा और कांकेर के उठ्रद्द, एसटीएफ व आइटीबीपी ५३ वीं वाहिनी के बल को शामिल किया गया. १४ जून से इलाके में मुठभेड़ चल रही है. सुरक्षाबल के जवान अंदरूनी क्षेत्र और मुठभेड़ स्थलों में सर्चिंग कर रहे हैं.

मुठभेड़ सुबह अबूझमाड़ के जंगलों में हुई. यहां नारायणपुर, कांकेर, दंतेवाड़ा और कोंडागांव से फोर्स की टीम ने संयुक्त ऑपरेशन चलाया. इसमें स्थानीय पुलिस टीम के साथ डीआरजी, एसटीएफ, आईटीबीपी, बीएसएफ और एसटीएफ शामिल रहे. सभी जवान कुतुल, फरसेबेड़ा और कोड़तामेटा के जंगलों में पहुंचे. जब सुरक्षाबल के जवान घेराबंदी कर रहे थे तभी नक्सलियों की ओर से गोलीबारी शुरू हो गई. यह फायरिंग काफी देर तक चलती रही. एनकाउंटर और फायरिंग के बाद इलाके से ८ नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं. इसके साथ ही एक इंसास राइफल, एक .३०३ राइफल, एक बैरल ग्रेनेड लांचर (बीजीएल) और अन्य हथियार भी जब्त किए गए हैं. इस ऑपरेशन में एसटीएफ का एक जवान शहीद हो गया जबकि दो अन्य जवान घायल है. घायल जवानों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है.: छत्तीसगढ़ पुलिस

मुठभेड़ में जवान के शहीद होने पर सीएम ने जताया दुखः सीएम ▶▶ 4

अलकनंदा नदी में समाया टैंपो ट्रैवलर 14 की मौत, 13 घायल

रुद्रप्रयाग (एर्जेसी): देवभूमि उत्तराखंड के रुद्रप्रयागम में शनिवार को हुए एक सड़क हादसे में १४ लोगों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में १३ लोग घायल हो भी हुए हैं। जानकारी के मुताबिक बद्रीनाथ नेशनल हाइवे पर रैतोली गांव के करीब एक टैंपो-ट्रैवलर अनियंत्रित होकर अलकनंदा नदी में जा गिरा।

गढ़वाल के पुलिस महानिरीक्षक के एस नगन्याल ने बताया कि हादसे का शिकार हुए पर्यटक चोपता घूमने जा रहे थे, लेकिन गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही उनका वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वाहन में कुल २६ लोग सवार थे और उनमें से ज्यादातर दिल्ली के रहने वाले थे।

पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि सीएम के निर्देश पर दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल ७ घायलों को हेलिकाप्टर एंबुलेंस के जरिए एम्स, ऋषिकेश में भर्ती करा दिया गया है जबकि ६ अन्य का इलाज रूद्रप्रयाग के जिला अस्पताल में किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी को घटना की जांच के आदेश दिए हैं । रूद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि पूर्वाह्न करीब ११ बजे हुए हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के टीमों ने मौके पर पहुंच कर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया । उन्होंने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन सड़क से लगभग २५० मीटर नीचे ▶▶ 4

ईडी ने हेमंत सोरेन के मामले में जमीन के फर्जी दस्तावेज बनाने वाले सदस्यों के खाते फ्रिज किए

रांची (एर्जेसी): पुर्व सीएम हेमंत सोरेन से जुड़े मामले में ईडी ने जमीन के फर्जी दस्तावेज बनाने वाले सिंडिकेट सदस्यों के खाते को फ्रिज कर दिया गया है. साथ ही प्रियरंजन सहाय व उनकी पत्नी के खाते भी फ्रिज कर दिए गए हैं. वहीं शहर के क्लर्क मनोज कुमार यादव के खाते को भी फ्रिज कर दिया गया है. बता दें इस मामले में रजिस्टार ऑफ एश्योरेंस के हेड असिस्टेंट असीत बरन दास व रांची शहर के सीओ मुंशी राम समेत दो दर्जन बैंक अधिकारी सरकारी गवाह ▶▶ 4

21 को भारत दौरे पर आएंगी बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना

बांग्लादेश (एर्जेसी): बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना २१ जून को भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आएंगी। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करना है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि हसीना २२ जून को पीएम नरेंद्र मोदी के साथ व्यापक बातचीत करेंगी।यूएस हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के अध्यक्ष माइकल मैककॉल और पूर्व हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी समेत अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल अगले सप्ताह तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा से मिलने के लिए धर्मशाला पहुंचेगा। अमेरिकी कांग्रेस ने इस महीने तिब्बत की स्थिति और शासन पर विवाद के शांतिपूर्ण समाधान के लिए एक कानून पारित किया है, जिसमें दलाई लामा के साथ बातचीत फिर से शुरू करने का बीजिंग से आह्वान किया है। प्रतिनिधिमंडल १८ और १९ जून को धर्मशाला में होगा।मैक्सिको की नवनिर्वाचित राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबॉम का काफिला दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे ▶▶ 4

अदालत में पेश नहीं हुए हेमंत सोरेन, कोर्ट में ईडी ने प्रोडक्शन वारंट का आवेदन दिया, जेल से होगी सुनवाई

रांची (एर्जेसी): हेमंत सोरेन जमीन घोटाले मामले में आरोपित पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ ईडी द्वारा समन के आदेश का अनुपालन नहीं करने को लेकर अदालत में दाखिल शिकायतवाद पर एमपी एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई।

कोर्ट की ओर से जारी समन के बाद भी शनिवार को हेमंत सोरेन उपस्थित नहीं हुए। अदालत ने मामले में हेमंत सोरेन की ओर से उपस्थिति की तिथि निर्धारित की थी।

हेमंत सोरेन की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए अब ईडी की ओर से कोर्ट में प्रोडक्शन वारंट जारी करने का आवेदन दिया

गया। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए २८ जून की तिथि निर्धारित की है।

हेमंत सोरेन जमीन घोटाले में जेल में हैं। प्रोडक्शन वारंट जारी होने के बाद हेमंत सोरेन को जेल से ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रस्तुत किया जा सकेगा। पिछले दिनों सीजेएम कोर्ट ने मामले को एमपी एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया गया था। मामले में कोर्ट के संज्ञान लेने के बाद पहली बार तीन मार्च को उपस्थिति के लिए समन जारी किया गया था। इसके बाद हेमंत सोरेन कोर्ट द्वारा छह तिथियों में उपस्थिति दर्ज नहीं कराई गई है। मामले में स्वयं या अपने वकील के माध्यम से उन्हें कोर्ट में उपस्थिति दर्ज करानी है।

बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ वहां के सीजेएम कोर्ट में समन के बावजूद नहीं पहुंचने को लेकर शिकायतवाद दर्ज ▶▶ 4

टेंडर कमीशन घोटाले में आलमगीर आलम समेत 9 आरोपियों की न्यायिक हिरासत बढ़ाई गई

रांची (एर्जेसी): ग्रामीण विकास विभाग में हुए टेंडर कमीशन घोटाले में गिरफ्तार पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दिया गया है। पूर्व मंत्री समेत ९ आरोपियों के न्यायिक हिरासत को २९ जून तक बढ़ा दिया गया है। सभी आरोपियों की वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में पेशी हुई थी।

ने प्रियरंजन और उसकी पत्नी समेत एक दर्जन बैंक खातों को किया फ्रीज, रजिस्ट्रार ऑफ एश्योरेंस के कर्मी बने गवाह

१५ मई को ईडी की टीम ने आलमगीर आलम को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तारी के २५ दिनों के बाद आलमगीर आलम ने मंत्री पद और कांग्रेस विधायक दल के नेता पद से इस्तीफा दे दिया था। इससे पहले ६ मई को टेंडर कमीशन घोटाला में मंत्री के ओएसडी संजीव लाल और उसके सहायक जहांगीर आलम के आवास पर ईडी ने छापेमारी की थी और ३७ करोड़ रूपये कैश के साथ कई जरूरी दस्तावेज भी जब्त कर लिया था। ईडी इस मामले को लेकर लगातार खुलासे कर रही है। ईडी ने अपने नये खुलासे में संजीव लाल द्वारा रांची में घर और ▶▶ 4

केंद्र सरकार करेगी अग्निवीर योजना समाप्त

सैनिक सम्मान योजना के नाम से नई स्कीम की तैयारी

नई दिल्ली (एर्जेसी): विपक्ष द्वारा लगातार मुद्दा उठाए जाने के बाद केंद्र सरकार अग्निवीर योजना को समाप्त कर सकती है। जिसके बाद अग्निवीर योजना को बदलते हुए सैनिक सम्मान योजना के नाम से नई स्कीम लागू की जा सकती है। इस स्कीम के तहत होने वाली भर्ती में कार्य सीमा को बढ़ाकर ७ साल किया जा सकता है। इसके अलावा अन्य मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हुए कई परिवर्तन किए जायेंगे। लोकसभा चुनाव के दौरान अग्निपथ योजना भी एक बड़ा मुद्दा ▶▶ 4

मजदूरों के मसीहा स्वर्गीय सूर्यदेव सिंह 33 वर्ष के बाद भी जन-जन के दिलों में राज करते हैं : रागिनी सिंह

कोयलांचल के समाजसेवी और जनता ने दिया मजदूर नेता सूर्यदेव सिंह को श्रद्धांजलि

झरिया (ससे) : झरिया का कतरास मोड़ शनिवार को वीर सूर्यदेव सिंह अमर रहे के नारे से गूंज रहा था। जगह-जगह से जनसैलाब उमड़ पड़ा था। ढोल नगाड़े के थाप पर नाचते-गाते लोग पहुंचे थे। उमस भरी गर्मी में लोग अपने आप को इस कार्यक्रम में आने से रोक नहीं पाये। सुबह से लेकर शाम तक लोगों का आना- जाना लगा रहा। दूरदराज से लोग अपने लोकप्रिय विधायक स्व. सूर्यदेव सिंह की ३३वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। कोलियरी क्षेत्रों से पैदल एवं मोटरसाइकिल जुलूस के साथ बारी-बारी से लोगों का पहुंचना अपने आप में एक अलग ही नजारा दिख रहा था।

कतरास मोड़ स्थित स्व. सूर्यदेव सिंह चौक से लेकर जमसं कार्यालय और आसपास के क्षेत्र समर्थकों से खचाखच भरा हुआ था। स्व. विधायक की पत्नी कुंती सिंह, बहू भाजपा नेत्री रागिनी सिंह और सिद्धार्थ गौतम श्रद्धांजलि सभा में लोगों की मेजबानी में स्वयं खड़े थे। सबसे पहले सूर्यदेव सिंह की पत्नी व पूर्व विधायक कुंती सिंह ने श्रद्धांजलि दी। उनके साथ विधायक संजीव सिंह की पत्नी रागिनी सिंह, पुत्री राजनंदनी, पुत्र सूर्यांश, किरण देवी ने भी श्रद्धांजलि दी। इनके अलावे धनबाद के पूर्व सांसद पीएन सिंह, मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल सहित अन्य नेताओं ने भी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर कतरास मोड़ कार्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन कर लोगों ने रक्तदान किया। वहीं परिवार के सदस्यों ने पौधारोपण किया। लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई। रागिनी सिंह ने कहा कि ३३ साल के बाद भी विधायक जी को चाहने वालों में कोई कमी नहीं आई है।

पूर्व सांसद पीएन सिंह, मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल, पूर्व विधायक कुंती सिंह, मनीष सिंह, किरण सिंह हुए श्रद्धांजलि सभा में सम्मिलित

भीषण गर्मी में लोग श्रद्धांजलि देने पहुंच रहे हैं। विधायक जी के जमाने में जितना प्रेम और स्नेह आम जनता ने दिया, आज भी वही समय मिल रही है। ▶▶ 4

मलेरिया रोधी माह
(जून 2024)
बचाव ही सुरक्षा है

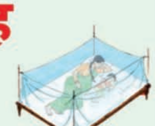

क्या करें
- हमेशा मच्छरदानी के अन्दर सोयें।
- मच्छरों से बचने हेतु आसपास सफाई रखें।
- पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें।
- पानी के बर्तनों को ढक कर रखें।
- बुखार होने पर तुरन्त नजदीक के स्वास्थ्य केन्द्र में जांच करायें।
- मलेरिया की पुष्टि होने पर चिकित्सक की सलाह के अनुसार दवा लें।
- ताजा और सादा भोजन करें। तरल पदार्थो का अधिक सेवन करें।

क्या नहीं करें
- बिना मच्छरदानी के नहीं सोएं।
- मलेरिया के मच्छर ठहरे हुए पानी में पनपते हैं, इसलिए अपने आसपास जल जमाव न होने दें।
- शरीर को पूरी तरह नहीं ढकनेवाले कपड़ों का प्रयोग नहीं करें।
- घर के आसपास या छत पर ऐसी कोई भी बेकार वस्तु नही रखें, जिसमें पानी जमा होता हो। साथ ही छत पर पानी टंकी को खुला नही छोड़े।
- बुखार होने पर अनदेखा नही करें।
- मलेरिया रोधी दवा का सेवन बीच में नहीं छोड़े, अपूर्ण उपचार नहीं करायें ।
- बासी एवं अत्यधिक तेल मसाले वाले भोजन का सेवन नहीं करें।

मलेरिया की जाँच एवं उपचार
सभी सरकारी अस्पतालों, सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों और स्वास्थ्य उप केन्द्रों में मुफ्त उपलब्ध है।

सामूहिक जिम्मेदारी निभाएं, मलेरिया को दूर भगाएं

लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।

आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना की जानकारी के लिए डायल करें- टॉल फ्री नं. 14555/18003456540
स्वास्थ्य सलाह के लिए मेडिकल हेल्पलाईन टॉल फ्री नं. पर 104 डायल करें
आकस्मिक स्थिति में किसी भी मरीज को एम्बूलेंस द्वारा स्वास्थ्य केन्द्र पर पहुंचाने के लिए डायल करें-108

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार
PR 326411 (Health Med Edu and Family Welfare) 24-25

लूट की योजना बनाते पुलिस ने 4 अपराधी को किया गिरफ्तार

जोड़ापोखर (ससे) : जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के बरारी एक नम्बर तालाब के पास शुक्रवार की रात को अपराधियों के दल द्वारा लूट की योजना बनाते एवं चोरी व लूट की सामानों की बंटवारे करने की योजना बनाने के क्रम में थाना प्रभारी राजेश प्रकाश सिन्हा ने पुलिस बल के साथ छापेमारी कर ४ शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर उसके पास से २ लाख रुपया नकद सहित लगभग ६ लाख की सोनेचांदी के जेवरात एवं एक मोटरसाइकिल को जब्त किया है। जबकि छापामारी के दौरान कई अन्य साथी रात के अंधेरे में भागने में सफल हो गए हैं।

बताया जाता हैं कि अपराधियों के गिरोह ने धनबाद, बोकारो, जमशेदपुर एवं पश्चिम बंगाल के क्षेत्रों में लूट, डकैती व छिनतई की कई घटनाओं का अंजाम देने के बाद बीती रात को बरारी तालाब के समीप अपराधियों द्वारा लूट की सामानों की बंटवारे को लेकर योजना बना रहे थे जिसकी सूचना मिलने पर थाना प्रभारी श्री सिन्हा ने अवर निरीक्षक सुधांशु कुमार, अमित कुमार, संतान कुमार यादव, अनूप कुमार, कुंदन सिंह आदि पुलिस अधिकारियों एवं शस्त्र पुलिस बल के साथ टीम बनाकर तालाब के समीप अपराधियों की घेराबंदी कर अपराधियों के सरगना आसनसोल श्रीपुर बाजार निवासी मो. नसीम अंसारी सहित बरारी के सद्दाम अंसारी, मो. आबिद उर्फ धन्नु अंसारी एवं मुर्शीद उर्फ नौशाद अंसारी को धर दबोचा। जबकि अन्य अपराधी अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गए। जोड़ापोखर थाना प्रभारी राजेश प्रकाश सिन्हा ने शनिवार को थाना में पीसी कर बताया है कि उनकी पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी करने पर ४ शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी हुई है जिसका तार कई आपराधिक घटनाओं से जुड़े होने की बात सामने आई है।

पुलिस द्वारा गिरफ्तार सभी अपराधियों की कुंडली खंगाली जा रही है। छापामारी में जोड़ापोखर पुलिस ने घटना स्थल से ५ सौ रुपया का ४ बंडल दो लाख, दो पर्स से १३ हजार, साढ़े छह सौ ग्राम सोने की तथा साढ़े पांच सौ ग्राम चांदी के जेवरात सहित एक चोरी की मोटरसाइकिल, ५ मोबाइल, ५ चांदी के सिक्के, टाइटन की पांच फास्ट्रेक एवं एक फायर बोल्ट स्मार्ट घड़ी, एक कैमरा जब्त किया है। श्री सिन्हा ने कहा है कि अपराधियों के गिरोह का सरगना नसीम है जो अपराध करने के बाद स्थान बदलबदल कर रहता था। अभी वह जमशेदपुर में नाम बदलकर रह रहा था जो छापामारी में पुलिस के हत्थे चढ़ गया, जबकि सद्दाम अंसारी को झरिया, बलियापुर, सुदामडीह, बोकारो थाना की पुलिस लंबे समय से तलाशकर रही थी। छापामारी में फरार अपराधियों की पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है। जोड़ापोखर पुलिस की ओर से अपराधियों के खिलाफ की गयी इतनी बड़ी कार्रवाई से क्षेत्र के अपराधियों में हड़कंप मच गया है।

दुष्कर्म पीड़ितों के दर्द बांटने न्यायाधीश पहुंचे आश्रय गृह

धनबाद (कासं) : दुष्कर्म पीड़ितों का दर्द बांटने के लिए नयाधीश लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम की टीम के साथ आश्रय गृह पहुंचे।

सरायढेला थाना क्षेत्र स्थित होप हाऊस में रह रहे १८ पीड़ित बच्चियों से न्यायाधीश राकेश रोशन ने बात की और उनकी समस्याओं को सुना। उन्हें मिलने वाली तमाम सरकारी सुविधाओं की जानकारी ली। डीसीपीओ साधना कमारी को तत्काल होप हाउस में चिकित्सक की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया। वही होप हाउस में रह रही ४ वर्षीय बच्ची जिसे खंभे में बांधकर बुरी तरीके से गरम रड से दाग दिया गया था। इस संबंध में अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं किए जाने की बात सुनकर न्यायाधीश ने एसएसपी धनबाद से बात की और प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी का निर्देश दिया।

न्यायाधीश ने होप हाउस की अधीक्षक पूजा सिंह को निर्देश दिया कि बच्चों का समुचित देखभाल और उन्हें मिलने वाले समूचे सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाए और उसमें किसी भी तरह की परेशानी होने पर अविलंब डालसा को सूचित करें। न्यायधीश ने होप हाउस की व्यवस्थाओं की सराहना की। इस मौके पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक कांउसिल नीरज गोयल, शैलेन्द्र झा, डालसा सहायक अरूण कुमार, पीएलवी अजीत दास समेत उपस्थित थे।

स्व.सूर्यदेव सिंह मजदूरों के मसीहा थे : कार्तिक हाड़ी

जोड़ापोखर (ससे) : झरिया कतरास मोड़ स्थित सूर्यदेव सिंह चौक एवं जनता मजदूर संघ कार्यालय में शनिवार को झरिया के पूर्व विधायक व जनता मजदूर संघ के संस्थापक सूर्यदेव सिंह की ३३वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर सूर्यदेव सिंह की प्रतिमा एवं कार्यालय में तस्वीर पर हाड़ी जाति समाज सुधार समिति के जिला प्रवक्ता कार्तिक हाड़ी संस्था के पदाधिकारियों के साथ कतरास मोड़ चौक पहुंचकर स्व. सूर्यदेव सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। उनको नमन कर उनके द्वारा मजदूर हित एवं सामाजिक हित में किए कार्यों को याद किया।

मौके पर कार्तिक हाड़ी ने कहा जनता मजदूर संघ उनके सपनों को साकार कर रहा है। संस्था ने जनता मजदूर संघ के कार्यालय में भी पहुंचकर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर कुंती देवी, रागिनी सिंह, सिद्धार्थ गौतम समेत समस्त परिवार उपस्थित थे।

भाजपा नेत्री रागिनी सिंह ने कहा जिस तरह मजदूरों की सेवा हमारा परिवार करता आ रहा है। उसे आगे भी कायम रखेंगे। झरिया वासियों के हर सुख दुख में हमारा परिवार उनके साथ है। कार्तिक हाड़ी ने कहा कि सूर्यदेव सिंह एक महान कर्मयोगी सच्चे जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं मजदूरों की मसीहा थे। अपने जीवन काल में बहुत लोगों को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार दिलवाया।

मजदूरों के मसीहा बने। सूर्यदेव ने ७० के दशक में जनता मजदूर संघ का गठन कर कोयला मजदूरों को उनका हक दिलाया, इसलिए मजदूर इन्हें मसीहा के रूप में भी लोग याद करते हैं। १९७७ से सूर्यदेव लगातार चार बार झरिया विधानसभा से विधायक बने। श्रद्धांजलि सभा में संस्था के प्रकाश हाड़ी, भोला हाड़ी, विजय हाड़ी, सीताराम शर्मा, लुकमान अंसारी, भरत सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

इंटरसिटी एक्सप्रेस में आग की अफवाह से 4 की मौत

धनबाद (कासं) : झारखंड के लातेहार में रांचीसासाराम इंटरसिटी एक्सप्रेस में आग लगने की सूचना पर कई यात्री ट्रेन से कूद गए। इस वजह से कई यात्री एक मालगाड़ी की चपेट में आ गए। इस घटना में ४ लोगों की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने के बाद एबुलेंस भी घटना स्थल पर पहुंची।

जानकारी के मुताबिक सासारामरांची इंटरसिटी एक्सप्रेस जैसे ही कुमंडीह स्टेशन के पास पहुंची तो ट्रेन में सवार किसी यात्री ने आग लगने की अफवाह फैला दी। इसके बाद यात्रियों में अफरातफरी मच गई। कई लोग डर के मारे ट्रेन से उतर भागने लगे। इस दौरान कुछ लोग विपरीत दिशा से आ रही मालगाड़ी की चपेट में आ गए। इस वजह से ४ लोगों की मौत हो गई। कई लोगों के घायल होने की सूचना है।

हालांकि, इस घटना में कितने लोग घायल हुए हैं? इसकी स्पष्ट जानकारी अभी तक नहीं मिल सकी है। इधर जैसे ही प्रशासन को इसकी सूचना मिली सभी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव कार्य में जुट गए। घायलों को आननफानन में अस्पताल ले जाया गया। इस हादसे के बाद स्टेशन में मौजूद यात्रियों में चीख पुकार मच गई। रेलवे अधिकारी इस ट्रेन दुर्घटना के बाद हरकत में आ गए और मौके पर रवाना हो गए। वहीं, रेलवे पुलिस द्वारा स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की गई। धनबाद मंडल के कुमंडीह स्टेशन की घटना से संबंधित जानकारी प्राप्त करने हेतु हेल्पलाइन नम्बर जारी किए गए हैं।

वार्ड सदस्य का प्रतिनिधि मंडल बीडीओ से मिला

बलियापुर (ससे) : धनबाद जिला वार्ड संघ के जिलाध्यक्ष परमेश्वर महतो ने शनिवार को प्रखंड कार्यालय पहुंचकर विभिन्न जन समस्याओं को लेकर ७ सूत्री मांगों का ज्ञापन बीडीओ को सौंपा। जिसमें सभी पंचायत के वार्ड सदस्य शामिल थे। प्रशिक्षण से संबंधित प्रमाणपत्र देने व प्रशिक्षण भत्ता का भुगतान करने के अलावा विभिन्न पंचायतों में बंद पड़े चापानल, सोलर जलमीनार, सोलर लाइट की मरम्मति करने, छाताटाड़ पंचायत के पाथरडीह गांव में नल जल योजना के लिए पाइप लाइन बिछाने की मांग की। मौके पर शेख तालीम, विनोद बिहारी महतो, हारून रशीद, टप्पू महतो, लालचंद महतो, नसीम खान, खैरुन निशा, अख्तर अंसारी, दिलीप मंडल, सुहागी देवी आदि मौजूद थी।

जरूरतमंदों के बीच भोजन का वितरण

धनबाद (कासं) : धनबाद में पड़ रही भीषण गर्मी में भी ९९ फाउंडेशन का जरूरतमंदों के लिए सेवा लगातार जारी है। बताया जाता है कि विगत कई वर्षो से ९९ फाउंडेशन जरूरतमंदों को भोजन कराता आ रहा है। वहीं आज भी ९९ फाउंडेशन की ओर से हर शनिवार की भांति इस बार भी जरूरतमंदों के बीच भोजन

का वितरण किया गया। मेमको मोड़ स्थित ९९ ग्रुप ऑफ कंपनीज के कार्यालय परिसर में सैकड़ों लोगों के बीच भोजन वितरित किया गया। गौरतलब है कि इस भीषण गर्मी में मजदूर, रिक्शा चालक, ऑटो चालक, आस पास मजदूरी करने वाले साथ ही राहगीरों सहित सैंकड़ों लोगों के बीच कंपनी के कर्मियों ने खुद अपने हाथों से भोजन वितरित किया। ९९ फाउंडेशन की इस पहल की लोग सराहना कर रहे हैं। भोजन करने पहुंचे लोगों ने ९९ फाउंडेशन को उनके इस प्रयास के लिए धन्यवाद दिया। खिचड़ी के साथसाथ विशेष पकवान की भी व्यवस्था की गई थी।

मायुमो ने मनाई कॉमरेड ए के राय की जयंती

धनबाद (कासं) : शनिवार को मार्क्सवादी युवा मोर्चा ने मासस केंद्रीय कार्यालय टेंपल रोड, पुराना बाजार एवं सेंट्रल हॉस्पिटल मोड़ नूतन डीह, सरायढेला, धनबाद में पूर्व सांसद कॉमरेड ए के राय की ८९वां जयंती मनाई। इस अवसर पर मायुमो जिला अध्यक्ष पवन महतो ने कहा की कॉमरेड ए के राय एक सच्चे कम्युनिस्ट एवं क्रांतिकारी थे। उन्होंने तमाम शोषण से मुक्ति का रास्ता मार्क्सवाद का भारतीय करण बताया। कॉमरेड ए के राय ने कोयलांचल ही नहीं पूरे झारखंड में संघर्षों का एक मिशाल कायम किया। झारखंड आंदोलन हो या माफिया संस्कृति, रंगदारी, भ्रष्टाचार के खिलाफ यहां के मेहनतकश जनता को गोलबंद कर व्यापक संघर्ष किया। कॉमरेड ए के राय यहां के मेहनतकश, दलित, उत्पीड़ित एवं वंचित लोगों

का आवाज थे। झारखंड आंदोलन को समाजवादी दिशा देने का प्रयास किया। जिसका मिशाल लाल हरा मैत्री रहा। तीन बार विधायक एवं तीन बार सांसद रहे कॉमरेड ए के राय के पास अपनी संपत्ति नाम की कोई चीज नहीं था। वह हमेशा लोगों की सुख-दुख को अपनाया। मजदूर-किसानों की हक की लड़ाई में इतने रम गए थे कि खुद शादी नहीं की। एक जोड़ी कपड़े, टायर का चप्पल पहन कर पूरा जीवन सादगी से व्यतीत किया। झारखंड सरकार से मांग है कि बच्चों की पाठ्यपुस्तक में कॉमरेड ए के राय की जीवनी वर्णित की जाए।

माल्यार्पण कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुभाष सिंह, मायुमो जिला सचिव राणा चटराज, विश्वजित राय, सत्यनारायण सिंह, आर. पी. महतो, भक्तू महतो, समीर गोस्वामी, अशोक पासवान, विमल महतो, बबलू रजक, राजन महतो, संजय महतो, मंटू महतो, शंकर दास, रोहित ठाकुर, धीरन दास आदि शामिल थे।

धनसार थाना में शांति समिति की बैठक

धनसार (ससे) : बकरीद पर्व को सौहार्दपूर्ण तरीकें से मनाने को लेकर शनिवार को धनसार थाना परिसर में शांति समिति व पुलिस जन सहयोग समिति की बैठक हुई। जिसमें शांति माहौल में बकरीद मनाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। अध्यक्षता कर रहे धनसार थाना प्रभारी मनोज कुमार पांडे ने लोगों से विधि-व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। धनसार थाना क्षेत्र में हर समुदाय के लोगों ने आपसी सौहार्द का मिशाल हमेशा पेश की। यहां कभी भी आपसी सौहार्द खराब नहीं हुआ है। इस बार भी बकरीद पर्व सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाए। वहीं शांति समिति व पुलिस जन सहयोग समिति के सदस्यों ने भी शांति माहौल में पर्व मनाने की बात कही। बैठक में कुल्लू चौधरी, मदन महतो, रिंकू सिंह, मनोज चौहान, हीरा साव, मेवालाल खटीक, मोहम्मद तारिक, संतोष कुशवाहा, गजाधर चौहान, जीराखन सिंह, सत्येंद्र मंडल सहित अन्य थे।

जलपूर्ति का पाइप फटने से हजारों लीटर पानी बर्बाद

बलियापुर (ससे) : बलियापुर बाजार स्थित मासस कार्यालय के पास शनिवार को वृहद ग्रामीण जलापूर्ति योजना का सड़क किनारे बिछाएं गए पाइप में लिकेज हो जाने से हजारों लीटर पानी बहकर बर्बाद हो गया। पाइप लाइन का पानी बर्बाद होता देख जल संकट से जूझ रहे बलियापुर के लोगों में इसके प्रति रोष है। करीब एक घंटे तक पानी बहता रहा। लोगों ने इसकी सूचना पीएचईडी विभाग को दी तब जाकर पानी बंद हुआ। पाइप का मरम्मति का कार्य चल रहा है। देर रात तक पाइप मरम्मति का कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

नीट परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर शिक्षा मंत्री का किया पुतला दहन

धनबाद (कासं) : शनिवार को धनबाद जिला युवा कांग्रेस के अध्यक्ष कुमार गौरव के नेतृत्व में धनबाद रणधीर वर्मा चौक पर नीटयूजी२०२४ परीक्षा परिणामों में कथित धांधली के खिलाफ में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन कर प्रदर्शन किया तथा उच्च स्तरीय जांच की मांग किया।

जिला अध्यक्ष कुमार गौरव ने कहा कि युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नीटयूजी परीक्षा में हुई गड़बड़ी और देश के २४ लाख छात्रों के भविष्य के साथ हुए खिलवाड़ के खिलाफ विरोधप्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। साथ ही उन्होंने नीट परीक्षा में हुए इस घोटाले की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि देश के छात्रों और युवाओं के साथ हो रहे किसी भी तरह के अन्याय के खिलाफ हमारा संघर्ष जारी रहेगा। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव नवीन सिंह, युवा प्रदेश महासचिव राजीव रंजन कुमार, पूर्व एनएसयूआई जिला अध्यक्ष कुमार अभीरव, जिला महासचिव विक्की कुमार, कमल शर्मा, सोनू यादव, खुर्शीद अंसारी, अरूण दास, कैलाश दास, विधानसभा अध्यक्ष रवि सिंह, विशाल महतो, टिंकू अंसारी, हेमंत कुमार, युसूफ शेख, जबीर अंसारी, आकिब जावेद, विकाश सिंह, रिंकु श्रीवास्तव, रवींद्र कुमार, बिरेंद्र सोरेन, जाहिर इत्यादि सैकड़ो युवा उपस्थित थे।

पानीबिजली की समस्याओं को ले उपायुक्त को सौंपा मांग पत्र

धनबाद (कासं) : शनिवार को धनबाद जिला २०सूत्री के उपाध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल धनबाद उपायुक्त से मिलकर जिला में व्याप्त बिजली, पानी सहित आमजनों के ज्वलंत समस्याओं के अविलंब निराकरण करने को लेकर मांग पत्र सौपा गया। मौके पर धनबाद जिला २० सूत्री के उपाध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि धनबाद में व्याप्त बिजली, पानी सहित ज्वलंत समस्याओं के अविलंब निराकरण को लेकर धनबाद उपायुक्त से सकारात्मक वार्ता हुई।

आगे उन्होंने कहा कि धनबाद जिला में बिजली की व्यवस्था लचर है उसमें सुधार करने के साथसाथ लोगों को सुचारू रूप से बिजली उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने धनबाद जिला में व्याप्त पानी की समस्या का निराकरण के साथ खासकर झरिया में पानी की समस्या पर उपायुक्त गंभीर दिखे। उन्होंने आश्वस्त किया कि झरिया में अविलंब पानी की व्यवस्था कराई जाएगी ताकि लोगों को सुचारू रूप से पानी उपलब्ध हो सके।

आगे उन्होंने कहा कि जिला में कृषि पाठशाला के लिए फंड होने के बावजूद एक भी कृषि पाठशाला नहीं खुलना गंभीर विषय है। उन्होंने जिला में कृषि पाठशाला खोलने की मांग की। इस पर धनबाद उपायुक्त ने कहा कि कृषि पाठशाला खोलने के लिए किसी एनजीओ को कार्य दिया गया है। इस पर अविलंब जांच होगी और कृषि पाठशाला खोलने संबंधित विषयों पर लापरवाही बरतने वाले वैसे लोगों पर कार्रवाई होगी।

श्री सिंह ने कहा कि धनबाद उपायुक्त ने सभी प्रखंडों में २० सूत्री की मासिक बैठक करने को लेकर सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश देने का आश्वासन दिया।

श्री सिंह ने कहा कि जिला के लगभग सभी प्रखंडों में दाखिलखारिज एवं मोटेशन संबंधित कार्यों में पदाधिकारियों के द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। पदाधिकारियों के द्वारा लापरवाही बरतने के साथसाथ लोगों को इन सभी कार्यों के लिए चक्कर लगाने के लिए मजबूर कर देते हैं ताकि इन कार्यों में घोलमाल हो सके। इस विषय पर धनबाद उपायुक्त गंभीर दिखे और उन्होंने आश्वस्त किया कि इन सभी कार्यों को एक महीना के अंदर निष्पादन करने का निर्देश सभी प्रखंड के पदाधिकारियों को दी जा रही है। आवेदन करने के एक महीना के अंदर नहीं करने की स्थिति में एवं लोगों को परेशान करने वाले ऐसे पदाधिकारियों पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

आगे श्री सिंह ने कहा कि इन सभी मांगों पर धनबाद उपायुक्त गंभीर दिखे और उन्होंने अविलंब निराकरण करने का आश्वासन दिया। मौके पर २० सूत्री सदस्य मदन महतो, शमशेर आलम, राजू प्रमाणिक, पप्पू कुमार तिवारी, डीएन यादव मुख्य रूप से उपस्थित थे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

जिला खेल संचालन समिति की बैठक संपन्न

धनबाद (कासं) : इसमें झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सिद्धोकान्हू युवा खेल क्लबों को सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट १८६० के तहत तीव्रता से रजिस्ट्रेशन कराने हेतु कार्ययोजना तैयार की गई।

जिला खेल पदाधिकारी ने बताया कि रजिस्ट्रेशन के पश्चात सभी क्लबों को अनुदान राशि २५ हजार रुपए प्राप्त होंगी। जिससे अपने ग्राम अंतर्गत खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा सकेगा। रजिस्ट्रेशन के लिए दिए गए पोर्टल पर संबंधित ग्राम के क्लब के पदधारकों द्वारा आवेदन किया जाना है। साथ ही किसी प्रकार की सहायता के लिए संबंधित प्रखंड कार्यालय में संपर्क कर सकते है।

वहीं जिन प्रखंडों में प्रखंड स्तरीय स्टेडियम नहीं है वहां नए प्रखंड स्तरीय स्टेडियम का निर्माण, हर प्रखंड के लिए डे बॉर्डिंग प्रशिक्षण केंद्र का प्रस्ताव खेल निदेशालय को भेजने, मेगा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में सिंथेटिक ट्रैक, फ्लड लाइट लगाने व पेयजल की व्यवस्था करने, कला भवन में सिंथेटिक मैट, लाइट लगाने, जिले का स्पोर्ट्स कैलेंडर बनाने, विभिन्न खेलों के लिए इंटर स्कूल टूर्नामेंट का आयोजन करने, खेलो इंडिया तथा मुख्यमंत्री कप के विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करने सहित अन्य निर्णय बैठक में लिए गए। इसके अलावा जिले के वर्तमान खेल संरचनाओं की मरम्मती एवं जिर्णोद्धार करने का भी निर्णय लिया गया।

बैठक में उपायुक्त माधवी मिश्रा, जिला खेल पदाधिकारी दिलीप कुमार, जिला ओलंपिक संघ के सचिव रंजीत केशरी, जिला शिक्षा पदाधिकारी निशु कुमारी, जिला शिक्षा अधीक्षक भूतनाथ रजवार, निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज़ अहमद, फुटबॉल प्रशिक्षक संजय पारते, तिरंदाजी प्रशिक्षक नमिता कुमारी टुडू के अलावा अन्य लोग उपस्थित थे।

मारवाड़ी युवा मंच ने रक्तदान शिविर लगाया

गोविंदपुर (ससे) : मारवाड़ी युवा मंच गोविन्दपुर शाखा व उन्नति शाखा गोविन्दपुर में शनिवार को एशियन जालान हॉस्पिटल के सहयोग से अभिषेक भवन में रक्तदान शिविर लगाया। इसमें २५ लोगों ने २५ यूनिट रक्त दान किया। इस मौके पर विशेष रूप से उपस्थित प्रांतीय उपाध्यक्ष बजरंग अग्रवाल ने युवा वर्ग को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान कर हम किसी की जिंदगी बचा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति को साल में दो बार रक्तदान करना चाहिए। शाखा अध्यक्ष विवेक लोधा ने सभी का स्वागत किया और रक्तदाताओं का आभार प्रकट किया। मौके पर सचिव शैलेश बंसल, कोषाध्यक्ष आदित्य अग्रवाल, उन्नति शाखा अध्यक्ष ज्योति अग्रवाल, सचिव पायल मित्तल, स्नेहा अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक कुणाल केजरीवाल, पूजा तायल, प्रीति बंसल, खुशबू अग्रवाल, हरीश अग्रवाल, राजीव मित्तल, सीए प्रतीक अग्रवाल, राघव सरिया, राहुल सरिया, आशीष मित्तल, मोनू जैन आदि मौजूद मोजूद थे।

जीतपुर कोलियरी को चालू करने को ले प्रदर्शन

जोड़ापोखर (ससे) : सेल कंपनी के बंद जीतपुर कोलियरी को चालू कराने की मांग को लेकर शनिवार को जनता मजदूर संघ के बैनर तले असंगठित मजदूरों कोलियरी के चानक के समक्ष जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान ठेका मजदूरों ने प्रबंधन पर साजिश के तहत खदान को बंद कराने का आरोप लगाते हुए प्रबंधन विरोधी नारेबाजी किया।

संघ के शाखा सचिव टेकलाल तिवारी ने कहा कि जीतपुर प्रबंधन की लापरवाही के कारण खदान में पानी का रिसाव होने से उत्पादन बंद है। कोयला उत्पादन ठप रहने के कारण खदान में कार्यरत ठेका मजदूर भुखमरी के कगार पर है। बच्चे शिक्षा से वंचित है सेल के द्वारा कोई भी सुविधा नहीं दी जा रही है। तिवारी ने प्रबंधन को चेतावनी दिया कि वे खदान में उत्पादन कार्य चालू कराने सहित उनकी अन्य ८ सूत्री मांगें एक सप्ताह के अंदर पहल करते हुए क्रियान्वयन नहीं किया तो २५ और २६ जून को जीतपुर कोलियरी के मेन गेट पर प्रदर्शन, २७ जून को भूख हरताल एवं २८ को प्रबंधक का घेराव किया जाएगा। संघ के नेता ने आंदोलन की लिखित शिकायत कार्यपालक निदेशक चासनाला को दे दिया है। मौके पर टोकनाथ तिवारी, दिनेश कुमार, दीपक कुमार, शंकर महतो, शैलेंदर यादव, विकाश कुमार, महतो अनिल यादव, इंदरजीत सिंह, भारती लाल साव आदि थे।

संकट मोचन पानशाला ने राहगीरों को पिलाया शरबत

बलियापुर (ससे) : शनिवार को दुधिया मोड़ पातलाबाड़ी रोड स्थित संकट मोचन पनशाला की और से राहगीरों को नींबू पानी, पुदीना शरबत, आम शरबत और कई तरह के शरबत और ठंडा पानी पिलाया गया एवं जल नहीं तो कल नहीं जल ही जीवन है का नारा देते हुए संचालककर्ता उत्तम मंडल, उमेश चौबे, लालटू मिठारी, गयाशुद्दीन अंसारी ने चिलचिलाती धूप में अपने हाथों से राहगीरों को पानी शरबत पिलाने का काम किया। राहगीरों ने काफी प्रशंसा किये। बड़े बुजुर्गों ने ढेर सारी आशीर्वाद दिये। संचालनकर्ता ने कहां कि यह पनशाला पिछले ८ वर्षों से राहगीरों को १२ महीना शुद्ध पानी शरबत पिलाने का काम करता है।

लू लगने से वृद्ध की मौत

धनसार (ससे) : धनसार थाना क्षेत्र जोड़ाफाटक में लगभग ६५ वर्षीय वृद्ध व्यक्ति का शव मिला। सूचना पाकर धनसार पुलिस वहां पहुंच शव को कैंजे में लेकर एसएनएमएमसीएच धनबाद भेज दिया। शव की शिनाख्त अभी तक नहीं हो सका है। स्थानीय लोग उसकी मौत का कारण लू लगने से हुई बता रहे है। बताया जाता है कि जोड़ाफाटक एक राशन के दुकान के पास इस वृद्ध का शव पड़ा हुआ था। इसकी जानकारी स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। धनसार पुलिस शव की शिनाख्त करने में जुटी हुई है।

गोविंदपुर में बकरीद शांतिपूर्ण मनेगी

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर थाना क्षेत्र में बकरीद शांतिपूर्ण मनेगी। बकरीद की नमाज के दौरान सोमवार सुबह सभी ईदगाह और मस्जिद के आसपास पुलिस अधिकारियों की तैनाती रहेगी। क्षेत्र में पुलिस पेट्रोलिंग करती रहेगी।

इस दौरान असामाजिक तत्वों पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी तथा शांति भंग की कोशिश करने वालों पर पुलिस कड़ी कार्रवाई करेगी। उक्त निर्णय शनिवार को पुलिस इंस्पेक्टर रविकांत प्रसाद की अध्यक्षता में हुई शांति समिति की बैठक में लिया गया। बीडीओ जहीर आलम एवं इंस्पेक्टर रविकांत प्रसाद ने शांतिपूर्ण बकरीद में समाज के सभी वर्गों से सहयोग की अपील की। इस दौरान बकरीद वाले इलाके में पर्याप्त जलापूर्ति एवं बिजली आपूर्ति का आश्वासन दिया गया। पूर्व प्रमुख डीएन सिंह, जिप सदस्य सोहराब अंसारी, २० सूत्री अध्यक्ष अख्तर हुसैन अंसारी, बलराम साव, मोबिन अंसारी, मोइन अंसारी, ओमप्रकाश बजाज, मुखिया गोविंद साव, मेराज अंसारी, वीरेंद्र रजक, मोकीम अंसारी, अशोक दत्ता, समीर दे, जयजीत मुखर्जी, पंकज सिंह, विश्वनाथ पाल, राजकिशोर गोप, नितेश गोप, गौतम विश्वकर्मा, राजेश शर्मा, तारिक अनवर अंसारी, कुमार आनंद, नईम अंसारी आदि मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में युवक घायल, इलाजरत

धनबाद (कासं) : धनबाद जिले के धनबादसाहिबगंज मुख्य मार्ग के पथुरिया मोड़ के पास शनिवार की सुबह सड़क दुर्घटना हो गई। जिसमें गोड्डा निवासी ३९ वर्षीय आफताब अंसारी गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनका इलाज धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि शनिवार की सुबह ५ बजे आफताब अंसारी अपने निजी काम से जा रहा था। इसी क्रम में अज्ञात वाहन के चपेट में आने से वह बुरी तरह घायल हो गया। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना १०८ के माध्यम से एम्बुलेंस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने युवक को धनबाद के एसएनएमएमसीएच लाया गया। जहां इमरजेंसी में उनका इलाज चल रहा है। युवक की स्थिति गंभीर बनी हुई है। उनके दोनों पैर पर कोई भारी वाहन चढ़ गया है। जिससे दोनों पैर का निचला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। डॉक्टरों की माने तो युवक का दोनों पर को काटना पड़ सकता है। युवक बेहोशी के हालात में है।

बकरीद को ले पुलिस जन सहयोग समिति की बैठक

जोड़ापोखर (ससे) : अलकडीहा ओपी के प्रांगण में शनिवार को अलकडीहा ओपी प्रभारी अरूनिश रौशन की अध्यक्षता में पुलिस जन सहयोग समिति की बैठक संपन्न हुई जिसमें बकरीद पर्व पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए बातचीत किया गया। प्रभारी ने कहा कि बकरीद के दिन शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की मदद करें तथा यदि क्षेत्र में किसी प्रकार की अशांति की आशंका हो तो पुलिस को सूचित करें। बैठक में प्रभारी अरूनिश रौशन डी पासवान, अनिल कुमार मंडल, साहब राम, अवतार यादव, धर्मेंद्र सिंह, वीरेंद्र निषाद, शरीफ कुरैशी, बबन श्रीवास्तव, सुभाष सिंह, बालकेशवर सिंह, बंटी शर्मा, टिंकु पासवान, पार्वती देवी, पिंकी देव आदि उपस्थित थे।

चौक नामकरण को ले ग्रामीणों की बैठक

बलियापुर (ससे) : प्रधानखंता रेलवे गेट के पास शनिवार को ग्रामीणों की एक बैठक अधिवक्ता रतन चन्द्र महतो की अध्यक्षता में हुई। प्रधानखंता से कर्माटांड़ तक जाने वाली सड़क पर प्रधानखंता चौक को संजय कुमार महतो के नाम से नामकरण पर सहमति बनी। बैठक में पूर्व मुखिया कन्हाई बनर्जी, अधिवक्ता मनोज कुमार महतो, दिलीप कुमार महतो, शंकर प्रसाद महतो, मुमताज अंसारी, सुभाष गोप, मुनी प्रसाद महतो समेत काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

बीडीओ ने पंचायत के मुखिया व सचिव से मांगा स्पष्टीकरण

बलियापुर (ससे) : बलियापुर बीडीओ राजेश कुमार सिन्हा शनिवार को दुधिया पंचायत पहुंचे। विभिन्न योजनाओं का जांच किया। जांच के क्रम में योजनाओं में पाए गए विभिन्न विसंगतियां के लिए पंचायत के मुखिया व पंचायत सचिव को स्पष्टीकरण किया है।

दुधिया पंचायत में १५वीं वित आयोग अंतर्गत पूर्ण हो चुंकि योजनाओं, सालपातरा प्राथमिक विद्यालय में पैवर्स ब्लॉक निर्माण, पंचायत सचिवालय भवन की मरम्मति व रंग रोगन, १२ यूनिट खराब चापाकलों की मरम्मति की जांच बीडीओ श्री सिन्हा द्वारा की गई।

जांच के क्रम में किसी भी योजनाओं में भुगतान के विरुद्ध वाउचर, एमबी व मास्टर रोल नहीं पाया गया। वहीं एक योजना में मापी पुस्तिका नहीं थी। इसके अलावा तीन जल मीनार मरम्मति से संबंधित संचिका की जांच के क्रम में पाया गया कि १० माह पूर्व एक लाख ६५ हजार रुपए की निकासी कर ली गई है। लेकिन सिर्फ एक जलमीनर की मरम्मति अभी तक हो पाई है। इन सभी योजनाओं में पाए गए विसंगतियों के विरुद्ध बीडीओ श्री सिन्हा ने पंचायत के मुखिया व पंचायत सचिव को स्पष्टीकरण किया गया है। इसके अलावा मनरेगा योजना के तहत सालपातरा एवं दुधिया गांव में कूप निर्माण व अबुआ आवास योजनाओं का भी निरीक्षण बीडीओ श्री सिन्हा द्वारा किया गया। निरीक्षण के क्रम में प्रखंड कार्यालय के बीपीओ विशाल कुमार, पंचायत सचिव मो. आलम संबंधित जूनियर इंजीनियर एवं ग्राम रोजगार सेवक शामिल थे।

तस्करी को ले जाए जा रहे 30 मवेशी को कराए मुक्त, 3 गिरफ्तार

गिरिडीह (ससे) : बगोदर थाना की पुलिस ने पशु तस्करी के खिलाफ अभियान चलाकर ३० पशुओं को पशु तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया, वहीं, तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में पटना (बिहार) के खिरीमोर थाना क्षेत्र के फतेहपुर निवासी सुनील कुमार, पालीगंज थाना क्षेत्र के मौली बिगहा निवासी लालबाबू कुमार व रोहतास के दावत थाना क्षेत्र के सैना निवासी मकसूद आलम शामिल है। गिरिडीह एसपी दीपक शर्मा को गुप्त सूचना मिली थी कि पशु तस्कर आरा (बिहार) से पशुओं को ट्रक पर लोड कर बगोदर, धनबाद के रास्ते पश्चिम बंगाल ले जा रहे हैं। उक्त सूचना के आलोक में एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस की टीम गठित कर बगोदर बाइपास में झरी पुल के समीप जांच अभियान शुरू किया गया।

इस दौरान बरही की ओर से आ रहे ट्रक को जवानों ने रुकने का इशारा किया। लेकिन पुलिस को देख ट्रक चालक वाहन को और तेज गति से भगाने लगा। पुलिस ने पीछा कर गोपालडीह में एनएच ओवर टेक कर ट्रक को पकड़ लिया। ट्रक ३० मवेशी लोड थे, जिनमें २० भैंस व १० भैंस के बच्चा थे। टीम ने सभी पशुओं को मुक्त करा ट्रक को जब्त कर लिया। ट्रक पर सवार ३ तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया।

जामताड़ा के बाद हजारीबाग बना साइबर क्राइम सेंटर का हब

हजारीबाग (ससे) : हजारीबाग के विभिन्न इलाकों में साइबर अपराध के ट्रेनिंग सेंटर चल रहे हैं। इन ट्रेनिंग सेंटरों को चलाने वाले लोग अलगअलग राज्यों में जाकर युवाओं को मार्केटिंग क्षेत्र में नौकरी दिलाने का झांसा देकर यहां लाते हैं। इसके एवज में इनसे मोटी रकम भी वसूली जाती है। इनका टारगेट वैसे युवा होते हैं, जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और नौकरी की तालाश में रहते हैं। इन युवाओं को बाद में जब मार्केटिंग की जगह साइबर अपराध की ट्रेनिंग का पता चलता है, तो अधिकांश गरीब होने के कारण पैसे की मजबूरी में साइबर ठगी के इस गोरखधंधे में सक्रिय हो जाते हैं। इस गिरोह को चलानेवाले लोग ट्रेनिंग सेंटर चलाने के लिए शहर से सटे ग्रामीण इलाकों जगहों को चिह्नित करते हैं। हाल के दिनों में साइबर अपराध को लेकर जिले का बरकट्ठा क्षेत्र काफी सुर्खियों में रहा है। इन क्षेत्रों में मोटी रकम देकर किराये पर मकान लिया जाता है। फिर यहां युवाओं को साइबर अपराध का प्रशिक्षण देने का काम शुरू हो जाता है। इन ट्रेनिंग सेंटरों से प्रशिक्षण ले चुके युवाओं को शहर के चौकचौराहों पर नये संस्थान का नाम पर कार्यालय खोल कर दे दिया जाता है। इसके बाद देश से लेकर विदेश तक नौकरी दिलाने, वीजा व पासपोर्ट बनाने के नाम पर ठगी का खेल शुरू होता है जरूरतमंद युवाओं के कागजात रख कर। जैसी नौकरी, वैसी कीमत वसूली जाती है। ये रकम २० हजार से लेकर २ लाख तक होती है। अगर कोई विश्वास न करे, तो उसे चेक देकर भरोसा दिया जाता है कि उनका काम पक्का है। फिर महीने भर के अंदर अचानक कार्यालय में ताला लटका मिलता है। वहीं, भुक्तभोगी जब बैंक में चेक जमा करते हैं तो पता चलता है कि चेक फर्जी है। अंत में पीड़ित थाने पहुंच कर ठगी की शिकायत करते हैं।

हजारीबाग एसपी अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि इस तरह की शिकायतें मिली हैं। कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। लोग इस तरह के लोगों पर विश्वास करने से पहले पूरी तरह जांच कर लें। ठगी के शिकार होने पर पीड़ित संबंधित थाने में आवेदन दें, पुलिस कार्रवाई करेगी।

ट्रेन की चपेट में आईं दो महिलाओं समेत एक बच्ची की मौत

कोल्हापुर,(ईएमएस) : महाराष्ट्र में कोल्हापुर के उपनगर विक्रम नगर इलाके में शनिवार को ट्रेन की चपेट में आने से दो महिलाओं और एक बच्ची की मौत हो गई। रेल की पटरी पार करते हुए तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आने से यह हादसा हो गया। पुलिस सूत्रों की मानें तो तीनों पीड़ित रेल पटरी पार करते हुए बीच में चल रहीं थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही कोयना एक्सप्रेस की चपेट में वे आ गईं, जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। इस टक्कर में मृतकाओं के शव इतने क्षतविक्षत हो गए थे कि उनकी पहचान भी नहीं हो पाई है। पुलिस इस मामले की जांच अलगअलग एंगल से कर रही है। अभी कहा नहीं जा सकता कि यह आत्महत्या का मामला है या दुर्घटना हुई है।

बकरीद मनाने को लेकर पुटकी थाना में शांति समिति की बैठक

पुटकी (ससे) : आपसी भाईचारे के साथ बकरीद मनाने को लेकर पुटकी थाना परिसर में शनिवार को शांति समिति की बैठक थाना प्रभारी बाबुधन सोरेन की अध्यक्षता में हुई।

बैठक में श्री सोरेन ने कहा कि बकरीद में सोशल मीडिया पर पुलिस की नजर रहेगी। किसी की धार्मिक भावनाओं को आहत करने जैसे पोस्ट हरगिज नहीं करना है।

मौके पर मुखिया चमेली देवी, सुंदरी देवी, मनोज चौहान, निरंजन शर्मा अक्षयवर प्रसाद, दीपक सिंह चौधरी, महेंद्र वर्णवाल, सदानंद वर्णवाल, हीरालाल रजक, शाहरुख खान, चाँद परवेज, समीम खान, सलीम अंसारी, राजु मियाँ व अन्य थे।

इधर मुनीडीह ओपी परिसर में संतोष कुमार महतो की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में सौहार्दपूर्ण वातावरण में बकरीद मानाने की अपील की।

मौके पर मुखिया चक्रधर महतो एवं रमेश सिंह, रमेश चंद्र मंडल, सुधीर सिंह, दीपक महतो, बिरेन गोप, हैदर अली, पंकज सिंह, दिनेश सिंह, राजकुमार व अन्य मौजूद थे।

गांजा के साथ गुमटी संचालक गिरफ्तार

गिरिडीह (ससे) : बगोदर बस स्टैंड के समीप एक गुमटी से पुलिस ने करीब २५० ग्राम गांजा के साथ गुमटी संचालक को गिरफ्तार किया है। बगोदर थाना पुलिस ने गुमटी संचालक अमरजीत कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर शनिवार को उसे गिरिडीह जेल भेज दिया। एसडीपीओ धनंजय राम ने बताया कि एसपी दीपक कुमार शर्मा के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि बगोदर बस पड़ाव के समीप गुमटी में गांजा की अवैध बिक्री की जा रही है। इसके बाद एसडीपीओ के नेतृत्व में टीम गठित कर छापेमारी कर गुमटी से ७० पुड़िया गांजा जब्त किया गया। छापेमारी दल में थाना प्रभारी सुखसागर सिंह चौधरी सहित कई पुलिस जवान शामिल थे।

नवनिर्वाचित सांसद का किया गया अभिनंदन

डुमरी (ससे): गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र से दुबारा जीत दर्ज करने वाले सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी का आभार सह स्वागत का कार्यक्रम शनिवार को डुमरी में किया गया,संचालन भाजपा डुमरी मंडल अध्यक्ष हराधन पंडित ने किया। उपस्थित एनडीए कार्यकर्ताओं ने नवनिर्वाचित सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी का फुल माला पहनाकर एवं बुके देकर किया।

तत्पश्चात कार्यकर्ताओं ने जीत के कम अंतर के कारणों पर अपने विचार दिया साथ ही हरेक महीना में एक बार प्रखंड स्तर पर जनता दरबार लगाने का सुझाव दिया ताकि जनता की समस्याओं का समाधान किया जा सके।वहीं कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में सांसद को केन्द्रीय मंत्रिमंडल में जगह देने की मांग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से की।सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि हमारा जो लक्ष्य था कि नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है उसमें हम सफल रहे हालांकि हमारी सीटें अपेक्षाकृत अवश्य कम आई जिसकी समीक्षा और मंथन किया जा रहा है। कहा कि पिछले चुनाव के अपेक्षा इस चुनाव में जीत का अंतर अवश्य कम रहा है जिसके कारणों की समीक्षा आप सभी को पंचायत स्तर पर करनी है। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ता सांसद मद एवं सांसद के अनुशंसित विकास योजनाओं का आंकड़ा आमजन तक पहुंचाने में विफल रहे जिसपर मंथन करने की आवश्यकता है ताकि भविष्य में ऐसी भूल नहीं हो।इस दौरान भाजपा नेता प्रशांत जायसवाल ने जीत का अंतर कम रहने के कारणों पर चिंतन करने एवं संगठन मजबूत करने का सुझाव दिया।

कार्यक्रम में भाजपा नेता कामाख्या गिरि, कृष्णकांत शर्मा आजसू विधानसभा प्रभारी यशोदा देवी, छक्कन महतो जिप सदस्य प्रदीप मंडल व अनुप पांडेय भाजपा नेता सुरेन्द्र कुमार, निर्मल जायसवाल, मौजीलाल महतो, विवेक कुमार, बजल हेम्ब्रम, रामदेव पंडित, युगल यादव, संतोष सोमानी, मनोज पासवान, केदार महतो, राजेन्द्र सिंह, उपेन्द्र महतो, नवलकिशोर पांडेय, फुलचंद पंडित घटवार महासभा के महाबीर सिंह आजसू नेता दुलारचंद महतो, सतीश महतो भाजपा नेता दीपक श्रीवास्तव, दीपक ठाकुर, बीरबल पंडित, निर्मल पंडित, सुरेश साव आदि दर्जनों लोग उपस्थित थे।

पटना पहुंचे गिरिराज सिंह का जोरदार स्वागत

पटना (एजेंसी): केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय से भाजपा के नव निर्वाचित सांसद गिरिराज सिंह ने शनिवार को यहां राजद नेता तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि जनता ने जिसे व्हील चेयर पर बैठाकर झुनझुना पकड़ा दिया, वही आज बोल रहे हैं. नरेंद्र मोदी की तीसरी सरकार में केंद्रीय मंत्री बनने के बाद सिंह शनिवार को पहली बार पटना पहुंचे. पटना पहुंचने पर हवाई अड्डे पर एनडीए के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया. इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रदेश और केंद्र की सरकार मिलकर बिहार का विकास करेंगे.

पटना पहुंचने पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए सिंह ने विरोधियों पर निशाना साधा और कहा कि उन लोगों को जनता ने झुनझुना दिखा दिया है. केंद्रीय मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार को आठ मंत्रियों के सहारे विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जायेंगे। प्रदेश और केंद्र की सरकार मिलकर किसान, मजदूर, बुनकरों के विकास के काम करेंगे.

सीएमईजीपी के तहत 15 जुलाई तक 3500 लाभुकों को करें आच्छादितः उपायुक्त

बोकारो (ससे): शनिवार को वीडियो संवाद के माध्यम से उपायुक्त विजया जाधव ने अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति कार्य की समीक्षा की। वीसी के माध्यम से वरीय पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता मुमताज अंसारी, जिला कल्याण पदाधिकारी एन एस कुजूर, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ)/अंचलाधिकारी (सीओ), प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, डीपीएम जेएसएलपीएस समेत अन्य शामिल हुए।

उपायुक्त ने क्रमवार विभाग द्वारा संचालित महत्वपूर्ण योजनाओं मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (सीएमईजीपी), साइकिल वितरण योजना एवं अबुआ वीर दिशोम अभियान के संबंध में प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (सीएमईजीपी) के तहत एक माह में आगामी १५ जुलाई २०२४ तक ३५०० लाभुकों को योजना से आच्छादित करने का निर्देश जिला कल्याण पदाधिकारी, सभी बीडीओ/सीओ एवं प्रखंड कल्याण पदाधिकारी को दिया।

उपायुक्त ने विभाग द्वारा स्कूली छात्रों को दिए जाने वाले साइकिल योजना की प्रगति की जानकारी ली। जिस पर जिला कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि जिले के १८ हजार छात्रों के बीच साइकिल वितरण किया जाना है। साइकिल का एसेंबल कार्य प्रगति पर है, लगभग छह हजार साइकिल वितरण को तैयार है। इस पर उपायुक्त ने तिथि निर्धारित करते हुए शिविर लगाकर स्थानीय जन प्रतिनिधियों/ उनके प्रतिनिधियों/ पंचायत प्रतिनिधियों आदि के माध्यम से शिविर लगाकर साइकिल का वितरण शुरू करने का निर्देश दिया। कहा कि जैसे - जैसे साइकिल का एसेंबल कार्य पूरा होगा, वैसे - वैसे साइकिल वितरण कार्य को भी पूरा करें। इस कार्य को जल्द पूरा करना है।

उपायुक्त ने ११ जून से शुरू हुए अबुआ वीर दिशोम अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को अभियान के तहत ज्यादा से ज्यादा आहर्ताधारियों से आवेदन प्राप्त कर योजना से लाभांवित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने पूर्व में प्राप्त आवेदनों की भी पुनः जांच कर/त्रुटि सुधार कर योग्य लाभुकों को योजना के तहत वन अधिकार पट्टा देने की कार्रवाई करने को कहा।

उपायुक्त ने सभी योजना की प्रगति की मानीटरिंग अपर समाहर्ता एवं जिला कल्याण पदाधिकारी नियमित करने और प्रगति का प्रतिवेदन प्रतिदिन उन्हें उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

विशेष शिविर में ऑन स्पॉट निष्पादित हुए दर्जनों मामलें

बोकारो (ससे): शनिवार को जिले के सभी प्रखंड कार्यालयों में भी विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जहां संबंधित प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी/अंचलाधिकारियों की अगुवाई में ऑन स्पॉट दर्जनों मामलों का निष्पादन करके सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया गया।

कार्यक्रम का आयोजन चास, चंदनकियारी, गोमिया, बेरमो, जरीडीह , नावाडीह, चंद्रपुरा, कसमार एवं पेटरवार प्रखंड परिसर में किया गया। पदाधिकारियों ने प्रखंड परिसर में लगे विभिन्न योजनाओं के स्टॉल का निरीक्षण किया। शिविर में उपस्थित लोगों के बीच क्रमवार बीडीओ/सीओ एवं प्रखंड स्तरीय अन्य अधिकारियों ने समस्या सुनी। मौके पर विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

शिविर में नये आधार कार्ड बनाने, आधार कार्ड में सुधार, नया बैंक खाता खोलने, आधार कार्ड का बैंक खाता से मैपिंग करने, सुकन्या योजना, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मातृ वंदना योजना, एस.एच.जी बैंक क्रेडिट लिंकेज, मनरेगा जाब कार्ड, मनरेगा के तहत आधार सिडिंग, बिरसा हरित ग्राम योजना, राशन कार्ड में नाम सुधार हेतु, राशन कार्ड में नया नाम जोड़ने, अबुआ आवास योजना, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), बैंक केवाइसी, आयुष्माण कार्ड, मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता योजना, कृषि यंत्र योजना से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए।

कई आवेदनों को ऑन स्पॉट निष्पादित किया गया। जबकि कई आवेदनों को क्रमवार आहर्ता अनुरूप निष्पादित किया जाएगा।

बीएसएल में सुरक्षा विषय पर कार्यशाला

बोकारो (ससे): बीएसएल के आरएमपी विभाग में सीमित स्थान विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस कार्यशाला में महाप्रबंधक (आरएमपी) श्री एस के दास तथा आरएमपी और सेफ्टी विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं ठेका कर्मी उपस्थित थे. वरीय प्रबंधक (यांत्रिक), श्री शिशिर कुमार ने इस विषय पर एक प्रस्तुतीकरण द्वारा विस्तृत जानकारी दी. श्री एस के दास ने सभी से सीमित स्थान से जुड़े सेफ्टी एवं खतरों के प्रति हमेशा सजगता बरतने का सुझाव दिया. कार्यशाला में इस विषय पर गहनतापूर्वक चर्चा की गई. उपस्थित सभी के विचार एवं प्रश्नोत्तरी के साथ कार्यशाला समाप्त हुआ.

मल, कीचड़ और सेप्टेज प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित

बोकारो (ससे): उप विकास आयुक्त (डीडीसी) संदीप कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में मल, कीचड़ और सेप्टेज प्रबंधन (एफएसएसएम) पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में यूनिसेफ के राज्य सलाहकारों द्वारा प्रस्तुत एक तकनीकी सत्र शामिल था, जिन्होंने पावर पॉइंट प्रस्तुतियों के माध्यम से व्यापक जानकारी प्रदान किया। इसके बाद एक इंटरैक्टिव सत्र हुआ, जिसमें मल कीचड़ के प्रबंधन में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच जिम्मेदारियों के चित्रण पर ध्यान केंद्रित किया गया। मौके पर कार्यशाला में कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल विभाग चास रामप्रवेश राम, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल विभाग तेनुघाट शशि शेखर सिंह, जिला पंचायत राज पदाधिकारी (डीपीआरओ), नगर निगम चास और नगर परिषद फुसरो के प्रबंधक, प्रखंड समन्वयक सहित प्रमुख हितधारकों की भागीदारी रही।

कार्यशाला में यूनिसेफ के राज्य सलाहकार ने बताया कि मल कीचड़ प्रबंधन (एफएसएम) के लिए सुरक्षित और स्वच्छ सेप्टिक टैंक और गड्ढे वाले शौचालय को खाली करने की सेवाओं के साथ-साथ ठोस और तरल पदार्थों के प्रभावी उपचार जहां संभव हो, उपचारित उत्पादों के पुनः उपयोग की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम में समन्वित प्रयासों के महत्व पर जोर दिया और पूरे क्षेत्र में एफएसएसएम प्रथाओं में सुधार के लिए समझ और सहयोग को बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया।

मादक पदार्थों के दुरूपयोग को समाप्त करने को लेकर जागरूकता कार्यक्रम को सफल बनाएं : निदेशक

बोकारो (ससे): पूरे राज्य में आगामी १९ जून से २६ जून तक मादक पदार्थों के दुरूपयोग को समाप्त करने को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जाना है। इसी क्रम में जिले में भी जागरूकता अभियान का आयोजन किया जाएगा। शनिवार को समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग के निदेशक शशि प्रकाश झा ने बोकारो परिसदन में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी एवं सभी सीडीपीओ के साथ बैठक कर अभियान को सफल बनाने को लेकर जरूरी दिशा - निर्देश दिया।

बैठक के क्रम में समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग के निदेशक ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी पूर्णिमा से जागरूकता अभियान की तैयारियों की जानकारी ली। कहा कि सभी संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर जागरूकता अभियान को सफल बनाना है।

मुख्य सचिव के नये आदेश से शिक्षकों में हड़कंप

पटना (ईएमएस): केके पाठक का शिक्षा विभाग से तबदला हुआ तो शिक्षकों ने राहत की सांस लेनी शुरू की थी। लेकिन यह खुशी अधिक दिनों की नहीं है क्योंकि केके पाठक की जगह कार्यभार लेने वाले शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ की भी बड़ी कार्रवाई शुरू हो गई है। अब स्कूल इंस्पेक्शन की सीधी जवाबदेही अब जिलाधिकारियों को दे दी गई है। शिक्षा विभाग के आदेश के अनुसार अब डीएम गैर शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों से विद्यालयों का निरीक्षण करवाएंगे। ऐसे में माना जा रहा है कि डीईओ, डीपीओ और बीईओ की शक्ति कम हो गई है। शिक्षा विभाग के नये आदेश के अनुसार जिलों में जिलापदाधिकारी अन्य विभागों के पदाधिकारियों और पर्यवेक्षकों से विद्यालयों का निरीक्षण करवाएंगे। स्कूलों के इंस्पेक्शन के लिए अब डीएम ही टीम तैयार करेंगे और सभी जिलों में इसको लेकर नोडल पदाधिकारी की तैनाती होगी। एसीएस एस सिद्धार्थ के आदेश से शिक्षा विभाग ने सभी जिलापदाधिकारियों से नोडल पदाधिकारी के लिए एक अपर समाहर्ता का नाम मंगवाया है.

आगरा में चौंकाने वाला मामला हुआ उजागर 24 घंटे में 55 पुलिस वाले निलंबित

आगरा(ईएमएस): लोकसभा चुनाव के चलते आचार संहिता लगाई गई थी। पुलिस और तमाम अफसर चुनाव में बहुत ज्यादा व्यस्त थे। ऐसे में कुछ पुलिस कर्मियों को लगा कि सभी व्यस्त हैं कोई देखने वाला नहीं है। फिर क्या था पासपोर्ट के नाम पर पुलिसकर्मियों ने लूट मचा दी। जब यह मामला वरिष्ठ अधिकारियों की जानकारी में आया तो एक साथ ५५ पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया। साथ ही चेतावनी दे दी की आगरा में नौकरी करना है तो ईमानदारी से करें अन्यथा अपना ट्रांसफर भी करवा सकते हैं। तीन पुलिसकर्मी डीसीपी सिटी सूरज कुमार राय के समक्ष पेश हुए। दरोगा ने डीसीपी सिटी के समक्ष अपना पक्ष रखा। कहा कि उसकी चौकी पर प्रतिदिन दो-चार पासपोर्ट रिपोर्ट के मामले आते थे।

वह रुपये लेता तो सभी आवेदक शिकायत करते। पासपोर्ट रिपोर्ट के लिए बीट सिपाही जाते हैं। पता नहीं उसका नाम किसने थाने से बता दिया। जिस आवेदक की शिकायत पर निलंबन हुआ है उससे पूछा जाए कि रुपये किसके हाथ में दिए थे। वहीं एक सिपाही ने कहा कि वह सीसीटीएनएस में तैनात है। पासपोर्ट से उसका कोई लेना-देना नहीं है। उसका नाम थाने से गलत नोट कराया गया है।एक अन्य सिपाही ने भी अपनी सफाई पेश।

डीसीपी सिटी सूरज कुमार राय ने पुलिस कर्मियों को भरोसा दिलाया कि इस मामले की जांच कराएंगे। उनके खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं होगा तो उनकी बहाली हो जाएगी। उनके पास सभी नाम फीड बैक सेल से आए थे। आगरा कमिश्नरेट में २४ घंटे में ५५ पुलिसकर्मियों के निलंबन से खलबली मच गई है। सबसे ज्यादा प्रशिक्षु दरोगा दहशत में हैं।

बीएसएल में स्टील उत्पादन में स्लज ब्रिक्स का उपयोग

बोकारो (ससे): सेल-बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) ने सेल के रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर फॉर आयरन एंड स्टील (आरडीसीआईएस) के सहयोग से सस्टेनेबल स्टील उत्पादन की दिशा में एक बड़ी पहल करने में सफलता हासिल की है. बीएसएल के निदेशक प्रभारी श्री बी के तिवारी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन एवं अतिरिक्त प्रभार संकार्य) राजन प्रसाद तथा अधिशासी निदेशक (आरडीसीआईएस), रांची संदीप कर के नेतृत्व में आरडीसीआईएस और बीएसएल की संयुक्त टीम ने इस्पात उत्पादन प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न होने वाले मिल स्केल और स्लज जैसे उच्च लौह युक्त अपशिष्टों को रिसाइकिल कर स्लज ब्रिक्स सफलतापूर्वक विकसित और निर्मित किया है. सेल में पहली बार और संभवतः इस्पात उद्योग में पहली बार १५ जून २०२४ को स्लज ब्रिक्स को बीएसएल के स्टील मेल्टिंग शॉप (एसएमएस)- II के कन्वर्टर्स में चार्ज किया गया. मिल स्केल और स्लज का पुनर्चक्रण सस्टेनेबल इस्पात उत्पादन के लिए काफी अहम माना जा रहा है.

उल्लेखनीय है कि इस्पात उत्पादन प्रक्रिया में स्क्रैप का इस्तेमाल आमतौर पर कूलेंट के रूप में किया जाता है. अधिकांश एकीकृत इस्पात संयंत्रों में नई तकनीकों को अपनाने और प्रक्रियाओं के अनुकूलन से इन-हाउस स्क्रैप की उपलब्धता में कमी आई है. एक तरफ आंतरिक स्क्रैप की कमी और दूसरी ओर बाहरी स्रोत से उपलब्ध स्क्रैप की उच्च लागत एक बड़ी चुनौती थी. इस पृष्ठभूमि में स्लज ब्रिक्स के निर्माण और एसएमएस-खख में स्क्रैप के बदले इसके इस्तेमाल की पहल की गई. इन ग्रीन ब्रिक्स ने परीक्षणों में बहुत उत्साहजनक परिणाम दिए हैं और उम्मीद जताई जा रही है कि स्लज ब्रिक्स जल्द ही बीएसएल में इस्पात उत्पादन प्रक्रिया का एक नियमित हिस्सा बन सकता है. इस अवसर पर बीएसएल के निदेशक प्रभारी बी के तिवारी ने कहा कि यह सफलता न केवल इस्पात उत्पादन की लागत को कम करने में मदद करेगी, बल्कि बीएसएल और अन्य सेल संयंत्रों के डी-कार्बोनाइजेशन और सर्कुलर इकोनॉमी के उद्देश्यों में भी मदद करेगी.

अरविंद कुमार सीजीएम (एसएमएस II), पीके बैसाखिया सीजीएम (मेंटेनेंस) मनोहर लाल, सीजीएम (गुणवत्ता), ए के मिस्त्री, सीजीएम (आरडीसीआईएस बोकारो केंद्र) , दीप कुमार सक्सेना, जीएम (बीएसएल), पी मरांडी, जीएम (बीएसएल), पीएस मीना जीएम (बीएसएल), एनपी श्रीवास्तव जीएम (ईसीएस), संतोष कुमार, डीजीएम आरडीसी आईएस बोकारो, स्मिता टोप्प-ो, प्रबंधक (आरडीसीआईएस बोकारो), अभिजीत दास, प्रबंधक, (आरडीसीआईएस बोकारो), चंदन कुमार, प्रबंधक (आरडीसीआईएस बोकारो) तथा आरडीसीआईएस और बीएसएल के अन्य टीम के सदस्य इस सफल परीक्षण में सक्रिय रूप से शामिल थे.

पृष्ठ एक का शेषांश

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों और---

साय ने नारायणपुर मुठभेड़ पर एक्स पर पोस्ट कर जवान के शहीद होने पर दुख जताया है. उन्होंने लिखा-ओरछा थाना के अंतर्गत फरसबेड़ा-धुरबेड़ा के बीच सुरक्षाबलों की नक्सलियों संग हुई मुठभेड़ में ८ नक्सलियों के मारे जाने की खबर है. मुठभेड़ में एसटीएफ के एक जवान के शहीद होने और २ जवानों के घायल होने की भी दु:खद खबर आ रही है. घायल जवानों को तत्काल एयरलिफ्ट कर इलाज के लिए राजधानी रायपुर लाया जा रहा है. ईश्वर से शहीद जवान की आत्मा की शांति और घायल जवानों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं. नक्सलियों के खिलाफ हो रही कड़ी कार्रवाई से नक्सली विचलित हैं. उनके खात्मे के लिए हमारी सरकार पूरी तरह तत्पर है और जब तक लक्ष्य पूरा नहीं हो जाता हम चुप नहीं बैठेंगे.

अलकनंदा नदी में---

अलकनंदा नदी के किनारे पर जा गिरा। हादसे पर दुख जताते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट कर हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। अमित शाह ने पोस्ट में लिखा है कि उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में हुई सड़क दुर्घटना का दु:खद समाचार प्राप्त हुआ। मेरी संवेदनाएँ इस हादसे में जान गँवाने वालों के परिजनों के साथ हैं। स्थानीय प्रशासन और एसडीआरएफ की टीमें राहत व बचाव कार्य में जुटी हैं और घायलों को सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। मुख्यमंत्री धामी ने हादसे पर गहरा दु:ख व्यक्त किया तथा अधिकारियों को घायलों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर अपने शोक संदेश में दुर्घटना को 'पीड़ादायक' बताते हुए दिवंगतों की आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवारों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की । एक अन्य पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा, 'हम घायलों की हर संभव सहायता के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध हैं।

ईडी ने हेमंत सोरेन के---

बने थे. फिलहाल ईडी ईडी के द्वारा रजिस्टार आफ एश्योरेंस के दो कर्मियों संजीत कुमार दास व तापस घोष को गिरफ्तार कर लिया गया था. बता देन कि रजिस्टार ऑफ एश्योरेंस के द्वारा हेयर स्ट्रीट थाने में भी एक केस दर्ज कराया गया था, इसमें रांची की जमीन से जुड़े फर्जीवाड़े की जांच की जा रही है.

21 को भारत दौरे पर---

में एक की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। बता दें कि वाहन में क्लाउडिया शीनबॉम मौजूद नहीं थी।

अदालत में पेश नहीं हुए---

कराई थी। उसी का हवाला देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ भी रांची की निचली अदालत में शिकायतवाद दर्ज कराई है। ईडी के आठ समन पर हेमंत सोरेन ईडी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए थे। हेमंत सोरेन एक फरवरी से जेल में हैं।

टेंडर कमीशन घोटाले में---

जहांगीर आलम द्वारा फ्लैट कमीशन के पैसे से खरीदे जाने का दावा किया है।

केंद्र सरकार करेगी अग्निवीर---

बना, और यही वजह रही कि अब केंद्र की छऊ सरकार इसमें सुधारों के प्रस्ताव पर विचार कर रही है. इसी कड़ी में तीनों सेनाओं की ओर से अग्निवीरों की भर्ती प्रक्रिया के लिए दिए गए सुझावों के विकल्पों पर जरूरी बदलाव किए जाने की तैयारी चल रही है। बदलाव के इन प्रस्तावों में अग्निवीरों की भर्ती की मौजूदा चार साल की अवधि को लगभग दो गुनी कर सात से आठ साल करने, सैन्य जवानों के स्थाई कैडर में अग्निवीरों को वर्तमान के २५ फीसद से बढ़ाकर ६०-७० प्रतिशत तक करने के सुझावों पर भी गौर किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि केंद्र सरकार ने १० अलग-अलग मंत्रालयों के सचिवों को अग्निपथ योजना की समीक्षा का कार्य सौंपा है,शीघ्र ही सचिवों का समूह अपनी रिपोर्ट सरकार को देगा। प्रधानमंत्री के शनिवार को वापस स्वदेश लौटने पर उनके समक्ष सचिवों के पैनल की रिपोर्ट प्रस्तुत की जा सकती है।

माना जा रहा है सचिवों का समूह अग्निपथ योजना के अंतर्गत वेतन भत्तों में बढ़ोतरी व कुछ अन्य लाभ बढ़ाने का प्रस्ताव दे सकता है. हालांकि अभी इस संबंध में कोई भी औपचारिक या अनौपचारिक विचार सामने नहीं आया है. यह महत्वपूर्ण समीक्षा सरकार के प्रथम १०० दिवसीय एजेंडे में शामिल है. माना जा रहा है कि अगले सप्ताह तक सचिवों का यह समूह अपना विवरण प्रधानमंत्री कार्यालय के समक्ष पेश कर सकता है, जिसके बाद ही कोई अंतिम निर्णय किया जायेगा। अभी तक ये प्रस्ताव दिए जाने की चर्चा है।

मजदूरों के मसीहा स्वर्गीय---

उनके चाहने वालों को हम पूरे परिवार छाया की तरह उनके साथ हैं। जीते जी ऐसे लोगों के लिए हर वक्त खड़े रहेंगे। युवाओं को खास कर के रागिनी सिंह की ओर झुकाव देखा गया। युवा सेल्फी लेते रहे। रागिनी सिंह ने सभी का स्वागत किया। जमसं के संयुक्त महामंत्री व विधायक संजीव सिंह के छोटे भाई सिद्धार्थ गौतम उर्फ मनीष सिंह ने कहा कि उनका एवं उनका परिवार का हमेशा पिता की तरह जनता की सेवा में तत्पर है।

कोयलांचल में जब भी कुछ होता है सूर्यदेव सिंह की चर्चा करने से लोग पीछे नहीं हटते। झरिया की जनता की हर सुख-दुख में हमेशा साथ रहूंगा। भाजपा प्रदेश का समिति के सदस्य रागिनी सिंह ने कहा कि अपने ससुर के आदर्शों पर मैं चल रही हूं। जनता की सेवा करना हमारा लक्ष्य है। झरिया के जनता हमारे परिवार के समान है। हर सुख-दुख में साथ खड़ा रहने का काम करूंगी। चंद्रशेखर अग्रवाल, राज सिन्हा, रविंद्र राय, अरुण साहू, शैलेश सिंह, श्रीराम यादव, दिलीप अडवानी, स्वरूप भट्टाचार्य, अखिलेश सिंह, विनय सिंह, संतोष सिंह आदि हजारों समर्थक उपस्थित थे।

आसनसोल स्टेशन पर चेहरा पहचान प्रणाली, श्रावणी मेला में होगा ट्रायल

आसनसोल (एजेंसी): आसनसोल समेत रेल मंडल के स्टेशनों से कुख्यात अपराधियों का बच निकलना होगा मुश्किल, कैमरे की जद में आते ही अपराधियों की होगी पहचान इसके लिए आसनसोल समेत रेलमंडल के स्टेशनों पर लगाया जा रहा है चेहरा पहचान प्रणाली। आरपीएफ के वरिष्ठ सुरक्षा आयुक्त राहुल राज ने बंगाल मिरर को बताया कि आसनसोल मंडल में अमृत भारत योजना के तहत बहुत सारे स्टेशनों का विकसित किया जा रहा है इसी को देखते हुए अब सुरक्षा विभाग की ओर पूरे मंडल में यात्री की सुरक्षा को लेकर असनसोल रेल मंडल की और से ५३ रेलवे स्टेशन में फेश रिकग्निशन सिस्टम सीसीटीवी कैमरा लगाना जय रहा है आसनसोल रेल मंडल के कुछ महत्वपूर्ण स्टेशन पर लगाया जा रहा है

फेश रिकग्निशन एक एल्गोरिथम-आधारित तकनीक है जो किसी व्यक्ति के चेहरे की विशेषताओं की पहचान और मानचित्रण करके चेहरे का एक डिजिटल नक्शा बनाता है, जो तब उस डेटाबेस से मिलान करती है जिस तक उसकी पहुँच होती है।फेस रिकग्निशन सिस्टम के चेहरा मिलान यह सुनिश्चित करता है कि व्यक्ति अपनी पहचान से मेल खाता है, प्रतिरूपण को रोकता है। लाइवनेस डिटेक्शन एक जीवित व्यक्ति की उपस्थिति की पुष्टि करता है, जो नकली छवियों या वीडियो से बचाता है। साथ में, वे सटीकता और उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाते हैं, और नियमों का अनुपालन प्रदान करते हैं।

श्री राज ने यह भी बताया इस सॉफ्टवेयर में २०० कुख्यात अपराधियों का फोटो अपलोड किया जाएगा फेशियल रिकॉग्निक का कंट्रोल रूम एक अलग बनाया जाएगा बारा अपराधियों का नकेल कसने में अब इस तकनीक का इस्तेमाल करेंगे रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स किसी प्रकार की अपराधी अगर स्टेशन पर प्रवेश करते हैं और सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से उनकी तस्वीर अगर कैमरा में कैद होती है तो कंट्रोल रूम को वह बताएगा इस प्रकार का कोई अपराधी स्टेशन में प्रवेश किया है तुरंत ही उसे अपराधी तक जाने के लिए लोग हो जाएंगे तैनात श्री राज ने बताया कि हमारे यहां का कोई बड़ा अपराधी दूसरे मंडल में भी जाकर अगर ऐसा कोई अपराध की घटना को अंजाम देता है तो दूसरे मंडल के साथ भी हम लोग संपर्क में रहेंगे

प्रथम चरण में जसीडीह देवघर बासुकीनाथ में इसका ट्रायल किया जाएगा क्योंकि जसीडीह मेला के दौरान स्टेशनों पर काफी भीड़ होने के कारण इस फेशियल का प्रयोग करेंगे कि फेशियल रिकग्निशन सिस्टम एक उन्नत तकनीक है जो भगोडे हिस्ट्रीशीटर ट्रेन में सामान चोरी करने वाले अपराधी नशा पुरानी खिलाकर यात्री को लूटने वाले अपराधी पाकिट मार और मोबाइल चोरी करने वाले अपराधी ट्रेन में डकैती करने वाले अपराधी चोर ड्रग्स पेडल्स अपराधी की गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों की पहचान करने और उन पर नजर रखने के लिए डिजाइन की गई है एवं अपराधियों की धार पकड़ करने के लिए आसनसोल रेल मंडल के सुरक्षा विभाग की ओर से अपराधी गतिविधि वीडियो में शामिल व्यक्तियों की पहचान करने और उन पर नजर रखने के लिए डिजाइन की गई है इस सिस्टम की तैनाती सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और अपराध से प्रभावित ढंग से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाई है अपराधिक रिकॉर्ड वाले व्यक्ति का तेजी से पता लगाने और उन्हें पकड़ना में आधारित चेहरे की पहचान करने वाली यह प्रणाली बहुत खास है बड़े खूंखार अपराधी से लेकर स्थानीय अपराध तक विभिन्न प्रकार की खतरे की पहचान करने और समाज में कानून और व्यवस्था बनाए रखने पर महत्वपूर्ण भूमिका निभैगी

जसीडीह जामताड़ा देवघर चितरंजन मधुपुर आण्डल आसनसोल रानीगंज दुर्गापुर पनगढ़ और भी कई ऐसे महत्वपूर्ण स्टेशन है जिस पर लगाया जाएगा जिसकी तैयारी चल रही है.

नोएडा की कंपनी में लगी भीषण आग, सेक्टर 67 में धुएं और लपट से भरा आसमान पर

नोएडा (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर-६७ में एक स्थान पर मौजूद एक कंपनी में आग लगी। दमकल की कई गाड़ियां आग बुझाने की मशक्कत कर रही हैं। आग की लपटें इतनी भयंकर हो गईं कि वे दूर से भी साफ दिखाई दे रही थीं। आग की सूचना मिलते ही फायर विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। कुल ८ फायर टेंडर आग बुझाने में जुटे हैं।

फायर विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, सुबह सूचना मिली थी कि सेक्टर-६७ स्थित एक कंपनी में अचानक आग लग गई है। स्थानीय लोगों ने धुआं उठता देखा गया, जिसके बाद आग की लपटें दिखने लगीं। कुछ ही देर में आग बेकाबू होकर भीषण रूप ले लिया। लेकिन अब तक आग पर पूरी तरह से काबू नहीं पाया जा सका है। फायरफाइटर्स लगातार पानी की बौछारें कर रहे हैं और आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं।

अभी आग लगने का असली कारण पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के समय कंपनी में कितने लोग मौजूद थे, इस बारे में अभी जानकारी नहीं मिल पाई है। हालांकि अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस बल भी मौके पर मौजूद हैं। वे घटनास्थल पर हर पल की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। आग पर पूरी तरह से काबू पाने के बाद ही इस घटना की जांच की जाएगी और इसके पीछे के कारणों की पड़ताल होगी।

खनन माफिया पर ईडी का शिकंजा 4440 करोड़ की संपत्ति जब्त

सहारनपुर (एजेंसी): उत्तर प्रदेश सरकार बीते कुछ साल में माफियाओं को धूल में मिला चुकी है. अब उत्तर प्रदेश के खनन माफिया और पूर्व बसपा विधायक हाजी इकबाल पर ईडी ने शिकंजा कसा है. हाजी इकबाल लंबे समय से फरार चल रहा है. इसके बाद ईडी ने हाजी इकबाल की ४४४० करोड़ रुपयों की संपत्ति जब्त की है. हाजी इकबाल पर अवैध खनन से लेकर कई मामले दर्ज हैं. बताया जाता है कि हाजी इकबाल दुबई में छिपा है. ईडी ने हाजी इकबाल की यूनिवर्सिटी की इमारत कुर्क की है.

हाजी इकबाल के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर अवैध खनन और जमीन के पट्टों को लेकर अपराध के आरोप लगे हैं. हाजी इकबाल पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ये कार्रवाई की गई है. ईडी ने बीते रोज हाजी इकबाल की ग्लोकल यूनिवर्सिटी की बिल्डिंग को कुर्क कर लिया है. इस बिल्डिंग और बिल्डिंग के साथ ही जुड़ी जमीन की कीमत ४४४० करोड़ रुपये की बताई जा रही है. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बयान में कहा कि ये संपत्तियां अब्दुल वहीद एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के नाम पर दर्ज हैं, इन पर मोहम्मद इकबाल और उनके परिवार के सदस्यों का आधिपत्य था.

हाजी इकबाल मायावति की पर्टी बहुजन समाजवादी पार्टी से विधायक भी रह चुके हैं. हाजी इकबाल ने अपने दम और अपराध के सहारे संपत्ति का इतना बड़ा एंपायर खड़ा किया है. हाजी इकबाल के बारे में बताया जाता है कि कभी वे परचून की दुकान लगाया करता था. इसके बाद यहां व्यापार किया और करोड़ों का एंपायर खड़ा किया.

किसी दौर में हाजी इकबाल को मायावति का करीबी माना जाता था. उसी दौर में हाजी इकबाल ने सहारनपुर में चीनी मिलें भी खड़ी की थीं. हाजी इकबाल बसपा से विधायक भी रह चुके हैं. अब ईडी उनके खिलाफ शिकंजा कस रही है. बीते कई दिनों से फरार चल रहे हाजी इकबाल की संपत्ति जब्त की जा रही हैं. बताया जा रहा है कि हाजी इकबाल दुबई में छिपा है.

दुर्गापुर-रघुनाथपुर आर्थिक कॉरिडोर जल्द फॉस्बेक्की ने मांगी बंद कारखानों की जमीन

आसनसोल (एजेंसी): आसनसोल व इसके आसपास बंद पड़े कारखानों की जमीन पर औद्योगिक क्षेत्र बसाने के लिए व्यवसायिक संगठनों ने पहल की है। राज्य में व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अध्यक्षता में गुरुवार को राज्य सचिवालय नवान्न में विभिन्न व्यवसायिक संगठन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। इसमें राज्य के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और मंत्री भी शामिल हुए। बैठक में शामिल फास्बेक्की अध्यक्ष आरपी खेतान, महासचिव सचिन राय और क्रेडाई महासचिव बिनोद गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दुर्गापुर से रघुनाथपुर के आर्थिक गलियारा बसाने का काम जल्द शुरू कियि जाए। राज्य में तीन आर्थिक गलियारे बनाने की योजना है। उनलोगों ने प्रस्ताव दिया कि शिल्पांचल में जो भी बंद कारखाने हैं उसकी जमीन का आवंटन फास्बेक्की को नियमों के अनुसार किया जाए ताकि वहां पर विभिन्न लघु और मध्यम उद्योग विकसित किए जा सकें।

संगठनों ने बैठक में यह भी कहा है कि यहां ग्लास फैक्ट्री, सेनरेले साइकिल फैक्ट्री समेत और भी कई कारखाने बंद पड़े हैं। इन कारखानों की जमीन वर्षों से खाली है।

इसका कोई उपयोग नहीं हो रहा है। इन खाली जमीनों पर कानूनी अड़चनें भी हैं। इसमें जो भी कानून अड़चनें हैं, सरकार उसे दूर कर इसका आवंटन करे। मुख्यमंत्री ने भी इस मामले को लेकर सकारात्मक कदम उठाने का आश्वासन दिया। कहा है कि इस पर विचार किया जाएगा। अच्छा प्रस्ताव है। इस दौरान फास्बेक्की चेयरमैन सुभाष अग्रवाल, स्वप्न चौधरी, राजेश दारूका आदि उपस्थित थे।

बिहार में अपराधियों पर मेहरबान पुलिस

मुजफ्फरपुर (ईएमएस): बिहार पुलिस अपराधियों पर काफी मेहरबान दिखाई दे रही है। मुजफ्फरपुर में पुलिस समय से गवाहों और जमानत पर निकले आरोपितों को न्यायालय में प्रस्तुत नहीं करा पा रही है। इसके कारण जिले में ३८ हजार केस लंबित चल रहे हैं। सही से साक्ष्य पेश नहीं होने और गवाहों के नहीं आने या मुकर जाने के कारण ८० फीसदी मामलों में साक्ष्य की कमी से आरोपित बरी हो जा रहे हैं। कोर्ट से गवाहों को हाजिर कराने के लिए आईजी, डीएम, एसएसपी और थानेदार तक को नोटिस भेजी जा रही है। हत्या, दुष्कर्म, लूट समेत कई गंभीर अपराधों में भी गवाह नहीं लाए जा रहे हैं। जिले में अभी ७२ हजार से अधिक केसों का कोर्ट में संचालन हो रहा है। गवाहों और साक्ष्यों को पेश करने की मुख्य जिम्मेवारी डीएम और थानेदार की बताई गई है।

पूर्व मेयर समीर कुमार और उनके कार चालक रोहित की एके-४७ से हत्या को छह साल हो गए। अब तक पुलिस ने आठ आरोपितों पर चार्जशीट दाखिल किया है। केस अभियोजन साक्ष्य के बिंदू पर सुनवाई में चल रहा है। गवाहों को प्रस्तुत किया जाना है, लेकिन एक भी गवाह को पुलिस प्रस्तुत नहीं कर पाई है। इस केस के वादी तत्कालीन नगर थानेदार मो. सुजाउद्दीन हैं। उनकी गवाही भी न्यायालय में नहीं हुई है।

नदी के पानी का रंग देखकर लोग लगा लेते हैं बाढ़ का अंदाजा

सुपौल(ईएमएस): बिहार के मधेपुरा, सहरसा और सुपौल जिलों में कोसी क्षेत्र में लोग पानी का रंग देखकर बाढ़ आने का अंदाजा लगा लेते हैं। कोसी में जैसे ही 'लाल पानी' उतरता है लोग सचेत हो जाते हैं। जानकारों की राय में यह पानी इस बात का संकेत होता है कि इस मौसम का यह पहला पानी है जो हिमालय से उतर गया। कोसी क्षेत्र में रह रहे लोग जैसे ही नदी में 'लाल पानी' देखते हैं कि उसे अंदाजा हो जाता है कि अब नदी के पानी का उतार-चढ़ाव चलता रहेगा। पानी का रंग बदलते ही लोगों के जीने का ढंग भी बदल जाता है। 'लाल पानी' के आते ही कोसी का जलस्तर बढ़ने लगता है। लोग बाढ़ से सुरक्षा की तैयारी शुरू कर देते हैं। लाल पानी का उतरना तटबंध के अंदर के गांवों में एक अजीब सी परिस्थिति पैदा कर देता है। फिलहाल कोसी में लाल पानी उतर चुका है। अब पानी पर पल-पल नजर रखकर उसके रंग और वेग को परखेंगे। मानसून की आवक कुछ ही दिनों बाद होने वाली है, जिसके बाद बाढ़ का खतरा मंडराने लगेगा।

यहां के लोगों का मानना है जब हम लोग 'लाल पानी' देख लेते हैं तो मान बैठते हैं कि अब कोसी ने आंख दिखाना शुरू कर दिया है। कोसी में 'लाल पानी' मई के अंतिम और जून के प्रथम सप्ताह के बीच अमूमन उतर जाता है। 'लाल पानी' के उतरते ही लोगों में बाढ़ का भय समाने लगता है ओर इसी बीच सरकार की तैयारी भी शुरू हो जाती है। जून से बाढ अवधि शुरु होते ही नाव की व्यवस्था से लेकर कोसी के डिस्चार्ज की प्रशासन द्वारा प्रति घंटे जानाकरी ली जाती है। जब पानी बिल्कुल साफ दिखाई देता है तो लोग निश्चिंत होते हैं कि कोसी अभी स्थिर है। पानी का रंग जब बिल्कुल ही मटमैला होता है और उसकी गति सामान्य से कुछ तेज रहती है तो लोगों को आभास हो जाता है कि पीछे कहीं किसी गांव को कोसी काट रही है या फिर इसके लक्षण ठीक नहीं लगते। तटबंध के अंदर रहनेवाले कहते हैं कि हमें तो पानी के साथ ही जीना है और पानी के साथ ही मरना है। इसलिए नदी के सभी लक्षणों को हम अपने अनुभव से भांप लेते हैं। कोसी में जैसे 'लाल पानी' उतरता है तो हम मान लेते हैं कि यह नया पानी है जो हिमालय से उतर रहा है। साफ पानी नदी की स्थिरता को दर्शाता है, लेकिन जब पानी मटमैला दिखने लगता है तो हम सतर्क हो जाते हैं कि नदी पीछे किसी गांव को काट रही है। लोग बताते हैं कि पानी में बहकर जब लकड़ियां आने लगती हैं और पानी गंदा और मटमैला दिखता रहता है।

अंबाला में आतंकियों का लेटर 'बम' कई रेलवे स्टेशन को उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी): जम्मू कश्मीर में हालिया तीन आतंकी वारदातों के बाद एक बार फिर आतंकियों ने देश में कई हमलों को अंजाम देने की धमकी दी है. अंबाला रेलवे स्टेशन पर आतंकी हमले की धमकी भरा खत मिला है. आतंकी हमले की धमकी के खत में जम्मू कश्मीर पंजाब हिमाचल प्रदेश में बड़ी आतंकी वारदातों को अंजाम देने का जिक्र किया गया है.

धमकी के खत के मुताबिक पंजाब का गोल्डन टेम्पल, वैष्णो देवी मंदिर और अमरनाथ यात्रा आतंकियों के निशाने पर है. खत के मुताबिक जम्मू कश्मीर के कई रेलवे स्टेशन भी आतंकियों के निशाने पर है. खत में लिखा गया है कि 'हे खुदा मुझे माफ़ कर जम्मू कश्मीर में अपने जिहादियों की मौत का बदला जरूर लेंगे.

आतंकियों ने लेटर में आगे लिखा कि 'हम ठीक २१ जून को जम्मू के रेलवे स्टेशन कठुआ, पठानकोट ब्यास, भटिंडा रेलवे स्टेशन को बम से उड़ा देंगे. हम ठीक २३ जून को कटरा वैष्णो देवी, शिव मंदिर अमरनाथ मंदिर, श्रीनगर के लाल चौक,अमृतसर के स्वर्ण मंदिर, हिमाचल के कई मन्दिरो को बम से उड़ा देंगे. इस बार जम्मू कश्मीर पंजाब को खून से रंग देंगे. तभी खुदा मुझे माफ़ करेगा. खुदा हाजिफ'

इस लेटर में आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा का नाम लिखा हुआ है. इस लेटर को लश्कर ए तैयबा के एरिया कमांडर कुला नूर अहमद ने लिखा है. लेटर मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां इस खत की तफ्तीश कर रही है. बता दें कि कल अंबाला रेलव स्टेशन पर रेलवे पुलिस को यह धमकी का खत मिला है जिसकी तफ्तीश जारी है.

सिपाही के बेटे ने छत से चलाईं गोलियां

झांसी (ईएमएस): यहां एक रिटायर्ड दरोगा के सिपाही के बेटे व उसके भाई के दुस्साहस ने करीब ४ साल पहले कानपुर देहात में हुए बिकरू कांड की याद ताजा करा दी। जिस तरह गैंगस्टर विकास दुबे ने बेखौफ होकर घर की छत से पुलिस टीम पर गोलियां बरसाई थीं ठीक उसी अंदाज में छत पर चढ़कर सिपाही के बेटे ने पुलिस टीम पर गोलियां चलाई। घटना स्थल पर मौजूद पुलिसकर्मियों का कहना है योगेंद्र के सिर पर खून सवार था। राइफल लेकर योगेंद्र सीधे छत पर चढ़ गया।

दिल्ली में कांग्रेस बनाम केजरीवाल, पानी की किल्लत पर आप के खिलाफ मटका फोड़ प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी): दिल्ली इस वक्त जल संकट से गुजर रही है. राजधानी के कई इलाकों में पानी की भीषण कमी हो गई है, जिसकी वजह से अब विपक्ष लगातार आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार को घेर रहा है. इंडिया गठबंधन में रहने वाली पार्टी कांग्रेस ने भी अब आप के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. दिल्ली कांग्रेस प्रमुख देवेंद्र यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर राजधानी के यूसुफ सराय इलाके में 'मटका फोड़' प्रदर्शन किया. बीजेपी ने अब इस प्रदर्शन पर तंज कसते हुए बयान दिया है.

बीजेपी ने कहा है कि चुनाव से पहले ही पानी की समस्या थी, लेकिन तब आवाज इसलिए नहीं उठाई गई, क्योंकि दोनों ही पार्टियां इंडिया गठबंधन में थीं.

उस समय सीटों के बंटवारे की बात हो रही थी, इसलिए कांग्रेस ने तब पानी की समस्या का मुद्दा नहीं उठाया. उधर कांग्रेस ने कहा है कि अगर हरियाणा और उत्तर प्रदेश दिल्ली को पानी नहीं दे रहे हैं तो केंद्र सरकार को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए और समस्या का समाधान ढूंढना चाहिए. गूंगी-बहरी सरकार को जगाने के लिए मटका फोड़ प्रदर्शन किया जा रहा है.

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने मटका फोड़ प्रदर्शन की अगुवाई की. उनके साथ कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली राज्य और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की. उन्होंने कहा, पिछले कुछ दिनों से, दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार आरोप-प्रत्यारोप का खेल खेल रही हैं.

दिल्ली के जल संकट का कोई समाधान नहीं दिया गया है. अगर हरियाणा या यूपी पानी नहीं दे रहे हैं तो केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए और समाधान पेश करना चाहिए. उन्होंने कहा, जनता पानी की एक-एक बूंद के लिए संघर्ष कर रही है. कांग्रेस पार्टी गूंगी-बहरी सरकार को जगाने के लिए दिल्ली में मटका फोड़ प्रदर्शन कर रही है. टैंकर माफिया और पानी की उचित जांच होनी चाहिए. बोतलों में पानी की आपूर्ति की जा रही है.कांग्रेस के मटका फोड़ प्रदर्शन पर बीजेपी ने तंज कसा है. बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने कहा, ये जल संकट कल से शुरू नहीं हुआ.

यह पूरे चुनाव के दौरान चलता रहा क्योंकि गर्मियां शुरू हो चुकी थीं. वे (कांग्रेस) दिल्ली में आप के साथ गठबंधन में थी और सीटें साझा की थीं, इसलिए उन्होंने तब यह मुद्दा नहीं उठाया.

उन्होंने आगे कहा, दिल्ली आज पानी की कमी से जूझ रही है क्योंकि पिछले १० वर्षों में आम आदमी पार्टी ने भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं किया है. दिल्ली को सप्लाई होने वाला ५०% पानी बर्बाद हो जाता है. आप ने पानी टैंकर माफियाओं को संरक्षण दिया है. सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी पानी टैंकर माफियाओं के खिलाफ कोई जांच नहीं की जाती है. यह आप के जल माफियाओं के साथ संबंध और कांग्रेस एवं आप के बीच संबंध के बारे में बहुत कुछ बताता है.

अरुंधति और पूर्व प्रोफेसर के खिलाफ केस चलाने पर एनसी और पीडीपी ने जताई अस्वीकृति

नई दिल्ली (एजेंसी): नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने लेखिका अरुंधति रॉय और कश्मीर में एक पूर्व प्रोफेसर के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी पर अपनी अस्वीकृति व्यक्त की है। २०१० में दिल्ली में एक कार्यक्रम में कथित रूप से भड़काऊ भाषण देने के लिए कड़े यूएपीए के तहत मुकदमा दोनों के खिलाफ मुकदमा चलने की बात कही गई थी।

अधिकारियों के अनुसार, रॉय और कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर शेख शौकत हुसैन के खिलाफ एफआईआर मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट, नई दिल्ली की अदालत के आदेश के बाद दर्ज की गई थी। इस कदम पर अस्वीकृति व्यक्त करते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) ने संविधान के अनुच्छेद १९ द्वारा गारंटीकृत प्रत्येक नागरिक के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एनसी यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम) के तहत लेखिका अरुंधति रॉय और डॉ. शेख शौकत हुसैन के खिलाफ मुकदमा चलाने पर अपनी कड़ी अस्वीकृति व्यक्त करती है। असहमति को दबाने और भाषण को आपराधिक बनाने के लिए आतंकवाद विरोधी कानूनों का इस्तेमाल बेहद चिंताजनक है।

इसमें कहा गया, यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि कथित भाषण के १४ साल बाद यह अनुमति दी गई है। बीच के वर्षों में भाषण को लगभग भुला दिया गया और इससे जम्मू-कश्मीर में माहौल खराब नहीं हुआ। एनसी ने कहा कि 'यह अभियोजन शायद यह दिखाने के अलावा कोई उद्देश्य पूरा नहीं करेगा कि भाजपा सरकार का कट्टरपंथी रुख हाल ही में चुनावी झटके के बावजूद नहीं बदलेगा।'२०१० में एक कार्यक्रम में कथित तौर पर भड़काऊ भाषण देने के लिए लेखिका अरुंधति रॉय और कश्मीर के एक पूर्व प्रोफेसर पर कड़े गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत मुकदमा चलाने की दिल्ली के उपराज्यपाल ने शुक्रवार को मंजूरी दे दी थी।

वहीं, पीडीपी प्रमुख और पूर्ववर्ती राज्य जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मंजूरी को चौंकाने वाला बताया।

नीट परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर पटना में सड़कों पर उतरे छात्र

पटना (एजेंसी): एनईईटी (नीट) परीक्षा में हुई कथित गड़बड़ी को लेकर छात्रों में आक्रोश देखा जा रहा है. बिहार की राजधानी पटना में शनिवार को सैकड़ों छात्र परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे और जमकर प्रदर्शन किया. प्रदर्शनकारी छात्रों को हटाने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा. पुलिस ने लाठियां भांजी तब जाकर विरोध प्रदर्शन शांत हुआ. पटना में दिनकर गोलंबर के पास शनिवार को नीट के परीक्षार्थियों ने हंगामा किया. इस बीच उन्हें ओपेन बोर्ड के १२वीं के परीक्षार्थियों का साथ मिला.

प्रदर्शनकारी छात्रों ने केंद्र सरकार का पुतला फूंका और सड़क पर टायर जलाकर मार्ग को अवरूद्ध कर दिया. इस दौरान दिनकर गोलंबर पर आवागमन पूरी तरीके ठप हो गया. मौके पर पहुंची पुलिस ने छात्रों को खदेड़ कर हटाया, तब जाकर हालात सामान्य हो सके. छात्र नीट परीक्षा को कैंसिल करने की मांग कर रहे थे. प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि नीट परीक्षा में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की गई है. इसलिए परीक्षा रद्द की जाए, और फिर से ली जाय.

उन्होंने कहा कि प्रश्न पत्र लीक करने के मामले में गिरफ्तारी हुई है, फिर भी सरकार मानने को तैयार नहीं है.छात्रों ने कहा कि एनटीए ने जो ग्रेस मार्क्स दिया, वह कहीं से भी उचित नहीं था. इसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचा. पेपर लीक का सबूत आर्थिक अपराध इकाई पटना पुलिस के पास है.

इससे यह साबित होता है कि एक दिन पहले ही अभ्यर्थियों के पास प्रश्न पत्र आ गए थे. प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह आंदोलन मांग पूरी होने तक जारी रहेगा.

छात्रों ने कहा कि उनको सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है लेकिन सरकार पर और केंद्रीय शिक्षा मंत्री पर नहीं, अगर मांग को नहीं सुना जाता है तो आने वाले समय में छात्र सड़कों पर उतरेंगे और जोरदार प्रदर्शन होगा.

लू से 26 लोगों की मौत

लखनऊ (ईएमएस): यूपी में आसमान से आग बरसाती धूप व झुलसा देने वाली लू से प्रदेश को फिलहाल राहत के आसार नहीं हैं। शुक्रवार को भी भीषण गर्मी के चलते बहराइच, बांदा, चित्रकूट और महोबा का एक-एक व्यक्ति समेत वहीं, पूर्वांचल के वाराणसी, मिर्जापुर, बलिया, गाजीपुर और कुशीनगर में २६ लोगों की मौत हो गई।

मौसम विभाग ने कहा है कि लोगों को अभी ऐसी ही गर्मी झेलनी होगी। शुक्रवार को प्रयागराज ४६.९ डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ प्रदेश में सर्वाधिक गर्म रहा। कानपुर में मामूली सा बदलाव रहा, यहां पर तापमान ४६.७ और हमीरपुर ४६.२ डिग्री सेल्सियस रहा। प्रदेश के ज्यादातर शहर लू की चपेट में रहे। मौसम विभाग के मुताबिक १७ जून तक प्रदेश का मौसम शुष्क रहने के आसार व २५ से ३५ किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के आसार हैं।

एक्सिस बैंक से 17 लाख की लूट

पटना (एजेंसी): बिहार की राजधानी पटना में अपराधियों का बेखौफ अंदाज लगातार जारी है. आपराधियों ने इस बार पटना के बिहटा देवकुली मोड़ स्थित एक्सिस बैंक को अपना निशाना बनाया है. दिनदहाड़े नकाबपोश हथियारबंद अपराधियों ने बैंक कर्मी और ग्राहकों को बंधक बनाकर लगभग १७ लाख रुपए लूटकर फरार हो गए. घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

घटना के बारे में बताया जा रहा है कि हर दिन की तरह आज भी सामान्य तरीके से बैंक में कार्य चल रहा था. इसी दौरान चार की संख्या में नकाबपोश अपराधियों ने बैंक में घुसकर बैंक कर्मी सहित ग्राहकों को हथियार के बल पर बंधक बना लिया और बैंक के लॉकर में रखे लगभग १७ लाख रुपए लेकर फरार हो गए.

वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद सिटी एसपी पटना सहित दानापुर डीएसपी टू पंकज मिश्रा मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गए हैं. इसके अलावा घटनास्थल पर कई थानों की पुलिस और आला अधिकारी भी पहुंचे हैं. फिलहाल पूरे मामले की छानबीन की जा रही है. घटना की पुष्टि करते हुए सिटी एसपी पटना अभिनव धीमान ने बताया की बिहटा स्थित एक्सिस बैंक से लगभग १७ लाख की लूट हुई है.

चार की संख्या में अपराधी थे. जो गमछा और मास्क लगाए हुए थे. बैंक के अंदर जो ग्राहक भी थे उनको भी बंधक बना दिया गया था और घटना को अंजाम दिया गया था. सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची है.

पुलिस फिलहाल मामले से जुड़े सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है. पुलिस अपराधियों की पहचान करने में जुटी है जल्द ही अपराधियों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी. दिनदहाड़े हुई लूट की इस घटना के बाद इलाके के लोगों में हड़कंप मच गया है. फिलहाल बैंक के अधिकारी लूटे गए रुपयों का मिलान कर रहे हैं. रुपयों के मिलान के बाद ही ये स्पष्ट हो सकेगा कि टोटल कितने की लूट हुई है.

रुपौली उपचुनाव के लिए महागठबंधन में फंसा पेंच, सरगर्मी हुई तेज

पटना (एजेंसी): बिहार के पूर्णिया जिले के रुपौली विधानसभा में होने वाले उपचुनाव के लिए सरगर्मी बढ़ गई है. दोनों गठबंधन इस सीट पर चुनाव जीत कर विधानसभा में अपनी संख्या बढ़ाना चाहता है. इस बीच, इस सीट को लेकर महागठबंधन के घटक दलों में उम्मीदवारी को लेकर पेंच फंसता दिखाई दे रहा है. हालांकि, राजद मजबूती से चुनाव मैदान में उतरने की बात कर रही है.

एनडीए की ओर से जदयू ने इस सीट से कलाधर मंडल को उम्मीदवार बनाने की घोषणा कर दी है लेकिन, महागठबंधन की ओर से कौन घटक दल चुनाव लड़ेगा, इसकी घोषणा नहीं की गई है.

इस सीट पर राजद और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने अपनी-अपनी दावेदारी पेश की है. भाकपा ने अपनी दावेदारी पेश करते हुए कहा कि रूपौली विधानसभा में होने वाले उपचुनाव में पार्टी अपना उम्मीदवार उतारेगी. भाकपा के राज्य सचिव रामनरेश पांडेय ने कहा कि यह फैसला पार्टी की ११ जून को संपन्न राज्य परिषद की बैठक में लिया गया.

बताया गया कि २०२० के बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन से छह सीट भाकपा को मिली थी. जिसमें रूपौली विधानसभा क्षेत्र भी था. रूपौली विधानसभा उपचुनाव के लिए १० जुलाई को मतदान होगा. इधर, राजद ने रूपौली से अपनी दावेदारी पेश कर दी है. राजद प्रवक्ता एजाज अहमद की मानें तो उपचुनाव में राजद अपना प्रत्याशी उतारेगा.

उन्होंने हालांकि यह भी कहा कि यहां मजबूत लड़ाई लड़ी जाएगी. एक-दो दिन में प्रत्याशी के नाम की घोषणा हो जाएगी. कहीं कोई तनातनी नहीं है. रुपौली की सीट जदयू से विधायक रही बीमा भारती के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी. राजद के टिकट पर बीमा पूर्णिया लोकसभा से चुनाव लड़ीं और हार गईं.

इस बीच, बीमा भारती ने भले ही रूपौली से अपनी दावेदारी नहीं पेश की है, लेकिन उनके पति अवधेश मंडल चुनाव लड़ने की बात कर रहे हैं. बताया जाता है कि वे राजद से चुनाव लड़ सकते हैं. पिछले चुनाव में जदयू की बीमा भारती ने भाकपा के विकासचंद्र मंडल को करीब १९ हजार मतों से पराजित किया था. बतौर निर्दलीय कलाधर मंडल भी चुनावी मैदान में उतरे थे और उन्हें छह हजार से अधिक मत प्राप्त हुए थे.

कार बनी आग का गोला, पति के सामने जिंदा जली पत्नी

पटना (एजेंसी): : बिहार के छपरा से एक दिल दहलाने वाली खबर सामने आई है. यहां तरैया के पोखड़ेरा बगही मिस्त्री टोला प्राथमिक विद्यालय के पास एसएच १०४ पर चलती कार में आग लगने से एक महिला जिंदा जल गई.

जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई. यह घटना शनिवार (१५ जून) की सुबह-सुबह हुई. मृतका की पहचान अवतार नगर थाना के पकौलिया गोराई पुर के दीपक कुमार राय की २८ वर्षीय पत्नी सोनी कुमारी के रूप में है. इस घटना में मृतका के पति भी बचाने के दौरान आंशिक रूप से जलकर जख्मी हो गए. जिनका प्राथमिक उपचार रेफरल अस्पताल तरैया में किया गया.

पीड़ित पति ने बताया कि

वह १३ जून की सुबह अपने ससुराल गड़खा थाना के मोरा बसंत गांव से अपनी पत्नी के साथ कार में सवार होकर अयोध्या दर्शन करने गए हुए थे. वहां से लौटते समय गोरखपुर रुक कर वहां गोरखधाम का दर्शन किए.

फिर वहां से कार में सवार होकर अपनी पत्नी के साथ अपने ससुराल लौट रहे थे. तभी बगही में कार से धुंआ निकलने लगा. जैसे-तैसे कार से निकल कर उन्होंने अपनी पत्नी को भी निकालने की कोशिश की. तभी कार में भीषण आग लग गई और उनकी पत्नी सोनी उसमें जिंदा जल गईं.

इससे पहले मुजफ्फरपुर में चक्कर चौक पर एक लग्जरी कार में अचानक आग लग गई थी और कार धू-धूकर जलने लगी थी. कार में सवार ४ लोगों ने कूदकर अपनी जान बचाई थी. जानकारी के मुताबिक, होमगार्ड के प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार ठाकुर सदर थाना क्षेत्र के बीबीगंज स्थित घर से बाजार जा रहे थे. उसी दौरान कार में अचानक धुआं उठा और देखते ही देखते कार धू-धूकर जलने लगी थी. इसके बाद अफरा-तफरी की स्थिति बन गई थी. यह घटना जिले के काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र के चक्कर मैदान रोड पर हुई थी.

सहायक श्रमायुक्त का कार्यालय, धनबाद
संयुक्त श्रम भवन, बरटॉड़, धनबाद

Email-id:-alcdhanbad204@gmail.com

सूचना

झारखण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड, असंगठित सामाजिक सुरक्षा अधिनियम 2008 एवं प्रवासी श्रमिक अधिनियम 1979 के अंतर्गत निर्माण मजदूरों/असंगठित मजदूरों/मनरेगा मजदूरों इत्यादि का निबंधन करने एवं लाभ से संबंधित आवेदन की जानकारी देने हेतु झरिया अंचल के सभी वार्डो में श्रम विभाग, धनबाद के द्वारा शिविर लगाया जाना है, जो निम्नवत है:–

DATE	BLOCK NAME/DMC	WARD NAME	VENUE
			10 बजे से 4 बजे तक
18.06.2024	JHARIA	WARD 34	सामुदायिक भवन, चाँदमारी (मांझी बस्ती), धनबाद।
19.06.2024		WARD 35	वार्ड विकास केन्द्र, इण्डस्ट्री, झरिया, धनबाद।
20.06.2024		WARD 36	रोटरी क्लब, लिलोरीपथरा, झरिया
21.06.2024		WARD 37	हाजी हाउस, (सरकारी उर्दू स्कूल के पास) शिमलाबहाल
22.06.2024		WARD 38	आँगनबाड़ी केन्द्र, नुनिकडीह बस्ती, जीतपुर
24.06.2024		WARD 39	सामुदायिक भवन (न्यूक्वाटर) हाई स्कूल के बगल में, भौरा
25.06.2024		WARD 40	सामुदायिक भवन, घटवार बस्ती, डिगवाडीह
26.06.2024		WARD 41	सामुदायिक भवन, घटवार बस्ती, डिगवाडीह
27.06.2024		WARD 42	सामुदायिक भवन, जेलगोरा (7 नं0 चानक के पास) झरिया
28.06.2024		WARD 43	उर्दू बोर्ड स्कूल, शाहनगर, झरिया
29.06.2024		WARD 44	BRC भवन, झरिया
01.07.2024		WARD 45	सामुदायिक भवन, इन्द्रा नगर, झरिया
02.07.2024		WARD 46	साहाना पहाड़ी दुर्गा स्थान के पास, सामुदायिक भवन
03.07.2024		WARD 47	आगनबाड़ी केन्द्र, तिसरा।
04.07.2024		WARD 48	पंचायत भवन, बागडिगि बस्ती, झरिया
05.07.2024		WARD 49	विवाह भवन, नूनूडीह, पाथरडीह।
06.07.2024		WARD 50	सामुदायिक भवन, (दुर्गा मंदिर के निकट), गौरखुंटी, भौरा
08.07.2024		WARD 51	रिक्रियेशन क्लब, सुदामडीह
09.07.2024		WARD 52	सामुदायिक भवन (account office) चासनाला

PR.NO.326611 Labour Employment and Traning(24-25):D

सहायक श्रमायुक्त, धनबाद।

झारखण्ड सरकार
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल चास

ई–प्रोक्योरमेंट सूचना

(प्रथम आमंत्रण)

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या–(चास) 02/2024–25 दिनांक 14.06.2024

1. Name of Work – Re-location of Defunct Tube well of 125/115 mm dia with 60.0 meters deep drilled tube well with installation India Mark II (IS 15500 Part- 2/2004) Hand pump with 32 mm dia. GI Medium class riser pipe by DTH (F.D.D/K,P.O/copco) RIG machine with 125 mm dia blue casing UPVC pipe with drain, platform under D.W. & S. Division Chas on Turn Key Basis for the year 2024-25

ग्रुप संख्या	ड्रिल्ड न0 की संख्या	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मुल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
CHAS/SR-03	30 अदद्	25.16646	51000.00	5000.00	60 दिन

2	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	दिनांक 21.06.2024 को 04.00 बजे अपराहन
3	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय	दिनांक 29.06.2024 को 04.00 बजे अपराहन तक
4	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई– गवर्नेस, झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि Online जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	दिनांक 29.06.2024 को 04.00 बजे अपराहन तक
5	तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 01.07.2024 को 04.00 बजे अपराहन
6	तकनीकी बिड खोलने का स्थान	अधीक्षण अभियंता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता अंचल धनबाद।
7	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल चास।
8	निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का टेलीफोन नम्बर – 06542–265810	
9	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन नं0 – 0651–2480345	

नोट :–(1) केवल ई निविदा ही स्वीकार किये जायेंगे।
(2) प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार परिमाण विपत्र में अंकित प्राक्कलित राशि के आधार पर अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य मान्य होगा।
(3) अधिक जानकारी के लिए वेवसाइट http://jharkhandtender.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल चास

PR 326628 Drinking Water and Sanitation(24-25).D

नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड
बड़की सरैया नगर पंचायत, गिरिडीह

अति–अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 01 / 2024-25
दिनांक–15.06.2024

क्रमांक	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू0)	अग्रधन की राशि (रू0)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0)	कार्यपूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
I	सरिया राजधनवार मेन रोड से हनुमान मंदिर कोवड़िया टोला तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	8432202.00	168650.00	10000.00	120 दिन
ii	बलिडीह में बलिका उच्च विधालय सरिया से सरिया पश्चिमी पंचायत संचिवालय तक रोड गार्डवाल एवं पुलिया निर्माण।	4953842.00	99080.00	10000.00	90 दिन
iii	दर्जी मोहल्ला कलाली रोड में पी०सी०सी० पथ निर्माण।	4206761.00	84140.00	10000.00	90 दिन
Iv	ठाकुरबाड़ी टोला के दुर्गा मंदिर से दक्षिण छोर में राजेष मंडल सोसाइटी के गेट तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	1627499.00	32550.00	5000.00	90 दिन
V	काली मंडा चौक से लेकर गणेश मंदिर चौक गली नं0–01 में ढक्कन सहित नाली निर्माण।	1820195.00	36410.00	5000.00	90 दिन
Vi	काली मंडा चौक से लेकर गणेश मंदिर चौक गली नं0–01 में पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	753063.00	15070.00	5000.00	90 दिन
Vii	S R ज्वेलर्स से बिनोद साव के घर से सुजीत कुमार के घर तक पी.सी.सी. पथ निर्माण।	1366686.00	27340.00	5000.00	90 दिन
Viii	मंधनियां में योगेन्द्र सिंह घर से प्रसादी यादव के घर होते हुए कच्चा सड़क तक पी0सी0सी पथ निर्माण।	878598.00	17580.00	5000.00	90 दिन
IX	राधेश्याम पाण्डेय घर से HP गैस गोदाम रोड तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	2197178.00	43950.00	5000.00	90 दिन
X	चन्द्रमारणी डाक बंगला रोड में राधे मास्टर/अजनबी स्टोर से मुर्गीफार्म तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	592095.00	11850.00	5000.00	90 दिन
Xi	अजनबी स्टोर से हनुमान मंदिर तक खुला नाली निर्माण।	1058865.00	21180.00	5000.00	90 दिन
Xii	सरिया राजधनवार मेन रोड से राजेश वर्मा के बोंउड्री तक पी.सी.सी पथ निर्माण।	998895.00	19980.00	5000.00	90 दिन
Xiii	विवेकानन्द चौक से सरिया PHC OPD तक पी.सी.सी. पथ निर्माण।	1313396.00	26270.00	5000.00	90 दिन
Xiv	अजय सोनार के घर से कलाली रोड तक पी.सी.सी पथ निर्माण।	1627482.00	32550.00	5000.00	90 दिन
XV	कलाली रोड से Private Inter College तक पी.सी.सी पथ निर्माण।	751499.00	15030.00	5000.00	90 दिन
XVI	पंडुइयाटांड में गार्ड़वाल निर्माण।	1303934.00	26080.00	5000.00	90 दिन
XVII	विवेकानन्द चौक से नगर पंचायत कार्यालय तक रोड के दोनों ओर पेवर्स ब्लॉक का कार्य तथा नगर पंचायत कार्यालय के परिसर में पेवर्स ब्लॉक का कार्य।	1973925.00	39480.00	5000.00	90 दिन
XVIII	सरिया काला रोड से सिद्धि विनायक नर्सिंग होम तक पी.सी.सी. पथ निर्माण।	528972.00	10580.00	5000.00	90 दिन
XIX	बड़की सरैया नगर पंचायत कार्यालय परिसर में शेड का निर्माण।	1110942.00	22220.00	5000.00	90 दिन
XX	पुनीत मंडल के घर से Arena गली के पीछे वाली गली तक नाली निर्माण।	1516731.00	30340.00	5000.00	90 दिन
XXI	चांद बंगाली के घर से किषुन प्रसाद कुषवाहा के घर तक पी.सी.सी पथ निर्माण।	2481991.00	49640.00	5000.00	90 दिन
XXII	सरिया राजधनवार के मुख्य सड़क से AD फार्मा होते हुए लक्ष्मण मंडल के घर तक ढक्कन सहित नाली निर्माण।	1077979.00	21560.00	5000.00	90 दिन
XXIII	बाघा चौक के पास शौचालय निर्माण।	1077376.00	21550.00	5000.00	90 दिन

1.	वेबसाईट पर निविदा अपलोड करने की तिथि	दिनांक–19.06.2024(पूर्वाहन 11:00 बजे से)
2.	वेबसाईट पर निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि	दिनांक–03.07.2024 (अपराह्न 3:00 बजे तक)
3.	निविदा खोलने की तिथि	दिनांक–04.07.2024 (अपराह्न 4:00 बजे)
4.	निविदा आमंत्रण करने वाले पदाधिकारी का नाम	कार्यपालक पदाधिकारी, बड़की सरैया नगर पंचायत
5.	निविदा से संबंधित जानकारी हेतु मोबाईल नंम्बर	8789049342, 8051544223
6.	ई–प्रोक्यूरमेंटसेल का हेल्प लाइन नंम्बर	0651-2491232

नोटः–1. केवल ई–निविदा स्वीकृत होगा। प्राक्कलित राशि घट/बढ सकती है। निविदाओं को बिना कारण बताये रद्द करने का अधिकार कार्यपालक पदाधिकारी, बड़की सरैया नगर पंचायत के पास सुरक्षित होगा। अन्य सूचनाऐ एवं निविदा की आवश्यक शर्ते से संबंधित जानकारी वेबसाईट http:www.Jharkhandtenders.gov.in/ बड़की सरैया नगर पंचायत के सूचनापट् पर देखा जा सकता है।

2. According to Secretary, Information Technology & e-Governance Department Order memorandum no.-120, dt-03.10.2023, the entire process of receiving the tender fee and EMD amount is done through online method.

ह0/–
कार्यपालक पदाधिकारी,
बड़की सरैया, नगर पंचायत।

PR.NO.326572 Urban Development(24-25):D

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, धनबाद

प्रेस विज्ञप्ति
(गुमशुदा का सूचना)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि बलियापुर थाना सनहा सं0–18/2024, दि0–31.05.2024 में गुमशुदा लड़का धनेश्याम कुमार महतो, उम्र–22 वर्ष, पिता–भरत चन्द्र महतो, सा0–पहाड़पुर, थाना– बलियापुर, जिला–धनबाद जो दिनांक–29.05.2024 को समय करीब–09:30 बजे बलियापुर जाने बोलकर घर से निकला था जो अभी तक घर वापस नहीं आया है। हुलिया– रंग–सांवला, ऊँचाई–05फीट 04इंच, पहनावा–काला जिंस एवं काला कमीज एवं भाषा–खोरठा एवं हिन्दी बोलता है।

इस संबंध में बलियापुर थाना सनहा सं0–18/2024, दि0–31.05.2024 अंकित कर खोजबीन की जा रही है। अतः आप सभी से अनुरोध है कि उक्त गुमशुदा के बारे में कोई जानकारी प्राप्त हो, तो कृपया निम्नांकित नंबर पर सूचित करने की कृपा की जाय।

0326–2220802 (वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय, धनबाद)
094317–06375 (अनु0पु0पदा0 सिन्दरी, धनबाद)
94317–06414 (थाना प्रभारी, बलियापुर, धनबाद)

वरीय पुलिस अधीक्षक,
धनबाद

PR 326623 Police(24-25).D

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, बोकारो।
(जिला सामान्य शाखा)

:–सूचना:–

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के ज्ञापांक–373/सा0, दिनांक–16/03/2024 एवं ज्ञापांक–392/सा0, दिनांक–27/03/2024 द्वारा आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 को देखते हुए बोकारो जिला अन्तर्गत बैंको, संस्थाओं, सरकारी, अर्द्धसरकारी एवं कम्पनी अनुज्ञप्तियों पर धारित शस्त्रों को छोड़कर सभी व्यक्तिगत शस्त्र अनुज्ञप्तियों पर धारित शस्त्रों को अविलम्ब संबंधित थाना/मालखाना/वैध शस्त्र विक्रेता को जमा करने संबंधी सूचना निर्गत की गई थी। वर्तमान में लोकसभा (आम) निर्वाचन 2024 समाप्त हो गया है एवं आदर्श आचार संहिता प्रभावी नहीं है।

अतएव सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों जिनके द्वारा अपने शस्त्रों को संबंधित थाना/मालखाना/वैध शस्त्र विक्रेता को जमा किया गया था, उन्हें मुक्त करने का आदेश दिया जाता है। संबंधित शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी अपने–अपने शस्त्रों को अपने संबंधित थाना/मालखाना/वैध शस्त्र विक्रेता से प्राप्त करते हुए इस कार्यालय को भी सूचित करेंगें।

जिला शस्त्र दण्डाधिकारी,
–सह–
उपायुक्त, बोकारो।

PR 326583 (District) 24-25 (D)

झारखंड में मॉनसून हुआ लेट, 19 तक देगा दस्तक

रांची (एजेंसी): भीषण गर्मी और मॉनसून में देरी के कारण झारखंड में बारिश में कमी बढ़कर ५४ फीसदी हो गयी है. यह कमी और बढ़ सकती है, क्योंकि राज्य में मॉनसून १९ जून के आसपास आने की संभावना है, झारखंड में अधिकांश भागों में तापनान ४० डिग्री सेल्सियस से अधिक है और शुक्रवार को डाल्टनगंज में राज्य का सबसे अधिकतम तापमान ४२.५ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. रांची मौसम विज्ञान केंद्र के प्रभारी अभिषेक आनंद ने बताया कि मॉनसून की मौजूदा प्रगति धीमी है. १६ जून के बाद इसमें तेजी आने की संभावना है. झारखंड में मॉनसून १९ जून के आसपास आने की संभावना है. झारखंड में मॉनसून की सामान्य तिथि १० जून है. हालांकि मौसम विभाग के मॉनसून आगमन रिकॉर्ड के अनुसार, २०१० से यह १२ से २५ जून के बीच झारखंड पहुंचता रहा है. आनंद ने कहा कि मौजूदा स्थिति से पता चलता है कि जून में बारिश कम और जुलाई में ज्यादा हो सकती है. झारखंड में १ जून से १३ जून तक ४३.४ मिमी की सामान्य वर्षा के मुकाबले मात्र २०.२ मिमी ही हुई है, जो ५४ प्रतिशत कम है, चार महीने में बरसात के मौसम के लिए बारिश की गिनती १ जून से शुरू होती है.

मोदी सरकार का लक्ष्य तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का : शिवराज

पीएम फसल बीमा योजना से किसानों को आर्थिक सुरक्षा मिली

नई दिल्ली (ईएमएस): लोकसभा चुनाव में मप्र के विदिशा से बड़ी जीत हासिल कर मोदी सरकार में केंद्रीय कृषि मंत्री बने शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पीएम मोदी का एक और संकल्प है, लखपति दीदी। हमारा लक्ष्य तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का है, इसका एक आयाम कृषि सखी है। इसके लिए महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया है ताकि वे किसानों की खेती में मदद कर सकें।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि एक और महत्वपूर्ण योजना पीएम फसल बीमा योजना है।

इस योजना से चार करोड़ से ज्यादा किसानों को आर्थिक सुरक्षा मिली है। वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद किसानों को सस्ती दरों पर खाद मिल रही है।

उन्होंने इससे पहले वरिष्ठ अधिकारियों के साथ १०० दिवसीय कार्ययोजना पर चर्चा की। इसका उद्देश्य कृषि क्षेत्र को मजबूत करना और किसानों के संकट को कम करना है।

बैठक में कृषि राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर और भागीरथ चौधरी, कृषि सचिव मनोज आहूजा और अन्य शीर्ष अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में चौहान ने देशभर में कृषि उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए किसानों तक गुणवत्तापूर्ण आदानों की आपूर्ति सुनिश्चित करने की जरूरत पर बल दिया। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि कार्ययोजना का उद्देश्य न केवल कृषि उत्पादों में आत्मनिर्भरता हासिल करना है, बल्कि इस क्षेत्र से निर्यात की गुणवत्ता को भी बढ़ाना है।

केंद्र की १००-दिन की कार्ययोजना को कृषक समुदाय के भविष्य को पुनर्जीवित करने के लिए एक बहुत जरूरी उपाय के रूप में देखा जा रहा है। इस कार्ययोजना को विभिन्न राज्यों और फसल चक्रों में कार्यान्वयन के लिए विशिष्ट लक्ष्यों और समयसीमा के साथ लागू किए जाने की उम्मीद है।

पंजाब में महंगी हुई बिजली

चंडीगढ़ (ईएमएस): पंजाब में घरेलू और औद्योगिक बिजली के दाम बढ़ाने की घोषणा की गई। नए दाम १६ जून से लागू हो जाएंगे, लेकिन सरकार ने जनता को बड़ी राहत दी है। सरकार ने सिर्फ उन ३०० यूनिट को १०-१२ पैसे प्रति यूनिट महंगा किया है जो सरकार जनता को मुफ्त दे रही है। यानी जनता पर इसका बोझ नहीं पड़ेगा। इस बोझ को राज्य सरकार खुद वहन करेगी।

३०० से ऊपर की यूनिट के रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं औद्योगिक क्षेत्र की बिजली १५ पैसे प्रति यूनिट महंगी की गई है।

पंजाब स्टेट इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन ने इस संबंध में शुक्रवार को घोषणा की। कहा गया कि १५ जून तक पुराने रेट पर ही बिजली बिल आएंगे। प्रदेश में ७७.४६ लाख घरेलू उपभोक्ता है। खेतीबाड़ी क्षेत्र के लिए भी बिजली मुफ्त है। गैर आवासीय आपूर्ति उपभोक्ताओं के लिए दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। एग्रीकल्चर पंप सेट के लिए बिजली रेट ६.५५ रुपये से बढ़ाकर ६.७० रुपये कर दिए हैं।

मोदीजी के पास जनादेश नहीं, यह अल्पमत की सरकार कभी भी गिर सकती है

-कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री पर साधा निशाना

नई दिल्ली (ईएमएस): देश में बीजेपी नीत एनडीए गठबंधन की सरकार सत्ता पर काबित हो गई है जो विपक्ष को रास नहीं आ रही है। अब इसको लेकर विपक्ष तरह तरह की बातें कर रहा है। वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र में गठबंधन सरकार गलती से बनी गई है और वह कभी भी गिर सकती है। लोकसभा चुनावों में बीजेपी को २४० सीटें मिलीं थी और वह बहुमत हासिल नहीं कर सकी थी। बीजेपी नीत घटक दलों यानी एनडीए को पूर्ण बहुमत मिला है।

खड़गे ने कहा है कि एनडीए सरकार गलती से बन गई है। मोदीजी के पास जनादेश नहीं है। यह अल्पमत की सरकार है। यह सरकार कभी भी गिर सकती है। हम चाहते हैं कि यह सरकार चलती रहे। देश के लिए यह अच्छा हो। हमें सरकार के साथ मिलकर देश को मजबूत बनाने के लिए काम करेंगे लेकिन हमारे पीएम मोदी की आदत है कि वे किसी चीज को चलने नहीं देते।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे के कटाक्ष पर जेडीयू ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन के प्रधानमंत्रियों के स्कोरकार्ड की याद दिलाई। बिहार के पूर्व आईपीआरडी मंत्री और जेडीयू एमएलसी नीरज कुमार ने खड़गे की जानकारी पर सवाल उठाया। उन्होंने उनसे पीवी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह की कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों के स्कोरकार्ड के बारे में पूछा। १९९१ के आम चुनाव में कांग्रेस ने २०२४ में बीजेपी के बराबर सीटें जीती थीं। जब कोई पार्टी बहुमत हासिल नहीं कर पाई, तो कांग्रेस ने रिटायर हो चुके नरसिम्हा राव के नेतृत्व में अल्पमत की सरकार बनाई। कांग्रेस पार्टी किसी तरह सरकार बनाने में कामयाब रही। नरसिम्हा राव ने गुपचुप छोटी पार्टियों में फूट डाली और दो साल में अल्पमत वाली कांग्रेस को बहुमत वाली पार्टी में बदल दिया।

नीरज कुमार ने पूछा कि क्या खड़गे कांग्रेस की विरासत से अनभिज्ञ हैं। कांग्रेस अब ९९ के चक्कर में फंस गई है। वहीं राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि खड़गेजी सही कह रहे हैं। जनादेश मोदी सरकार के खिलाफ था। मतदाताओं ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। फिर भी वे सत्ता में आए।

भारतीय सिनेमा को 110 पूरे होने पर डाक विभाग ने जारी किया टिकट

अमिताभ बच्चन बोले-फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन के लिए यह सम्मान की बात

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत में फिल्म इंस्ट्रीज को ११० साल हो गए हैं। इस अवसर पर भारतीय डाक विभाग ने २०१४-२०२४ को भारतीय सिनेमा की विरासत का संरक्षण करने का दशक घोषित किया है और स्पेशल डाक टिकट जारी किया।

इस घोषणा पर इस सदी के महानायक और फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन ने खुशी जताई है। साल २०१४ में भारतीय सिनेमा ने अपने १०० साल पूरे किए थे। इसी साल फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन की स्थापना की गई थी। इस संस्था ने भारत की क्लासिक और ऐतिहासिक फिल्मों के संरक्षण पर काम शुरू हुआ।

फिल्म हेरीटेज फाउडेशन के इस मुहीम के ब्रांड एम्बेसडर बने हैं। वह हाल में हुए इवेंट में शामिल हुए और इस मुहीम की तारीफ की। अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया अकाउंट पर कई तस्वीरों के साथ एक पोस्ट शेयर की। पहली दो तस्वीरों में डाक टिकट और और फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन पर बेस्ड पोस्टेज है।

अमिताभ बच्चन ने लिखा कि भारतीय डाक विभाग की ओर से फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन के लिए यह सम्मान की बात है। भारतीय डाक विभाग ने फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन के अथक प्रयासों के सम्मान में एक विशेष कवर जारी किया है। अमिताभ बच्चन मुझे एक ऐसे संगठन का एम्बेसडर होने पर बहुत गर्व है जो फ्यूचर जनरेशन के लिए हमारी फिल्म विरासत को संरक्षित करने के लिए एक अटूट जुनून और कमिट से इंस्पायर है, जिसने पिछले दस सालों में हमारी लुप्त हो रही फिल्म विरासत को बचाए रखा, पुनर्स्थापित किया और प्रदर्शित भी किया है।

बिभव कुमार की न्यायिक हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस): आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट करने के आरोपी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार की न्यायिक हिरासत २२ जून तक बढ़ा दी गई है। उन पर आरोप है कि उन्होंने १३ मई को केजरीवाल के आवास पर स्वाति मालीवाल के साथ बेरहमी से मारपीट की थी। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने उनको गिरफ्तार कर लिया था। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ड्यूटी मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के सामने बिभव कुमार को पेश किया गया।

अमीर देशों के समूह जी7 में भारत को आमंत्रित करना एक उपलब्धि

जीडीपी ढाई ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा इसलिए जी7 देश चाहता है भारत का साथ

नई दिल्ली (ईएमएस): इटली में जी७ शिखर सम्मेलन का समापन हो गया, जिसमें भारत के पीएम नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए थे। वैसे भारत जी७ देशों का सदस्य नहीं, लेकिन उसके बावजूद जी७ में को बुलाया जाता रहा है। ये भारत के लिए बहुत बड़ी बात है, लेकिन कई कारण से भारत दुनिया के सबसे अमीर इन सात देशों के क्लब शामिल नहीं है।

२०२३ में जापान के हिरोशिया में जी७ सम्मेलन हुआ, जिसमें भारत को आमंत्रित किया गया। इससे पहले २०१९ में फ्रांस ने भी जी७ में भारत को बुलाया था और अमेरिका भी आमंत्रित कर चुका लेकिन इन सब के बावजूद भारत जी७ गुट में शामिल नहीं हो सका है। जी७ सात देशों का सबसे समृद्ध लोकतांत्रिक देशों का समूह है, जिसमें अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान शामिल हैं। इन देशों की पहला बैठक ७० के दशक में हुई थी, जब दो विश्व युद्ध के बाद दुनिया महंगाई और डर से जूझ रही थी। पहली बैठक में कई बातों को लेकर सातों देश समान ग्राउंड पर आए, जिसका फायदा भी हुआ। इसके बाद से जी७ बैठकें होने लगी। तब इसमें रूस भी शामिल था, लेकिन २०१४ में विस्तारवादी नीतियों के चलते उसे बाहर कर दिया गया था।

जी७ की मेजबानी करने वाले देश को ये हक होता है कि वह ग्रुप के सदस्यों के अलावा कुछ और देशों को भी बुला सकता है। इटली ने भारत के साथ यूक्रेन, ब्राजील, अर्जेंटिना, तुर्की, यूएई, केन्या, अल्जीरिया और ट्यूनिशिया को भी गेस्ट के रुप में आमंत्रित किया था। उनके अलावा वर्ल्ड बैंक, आईएमएफ और यूएन के चीफ भी बुलाया गया था। जी७ भले ही दुनिया की सबसे उन्नत इकनॉमीज का ग्रुप है लेकिन यह पुराने समय की बात है।

आज भारत की जीडीपी ढाई ट्रिलियन डॉलर से भी ज्यादा के साथ तीन जी७ देशों- कनाडा, फ्रांस और इटली की संयुक्त जीडीपी से ज्यादा है।

कर्नाटक में पेट्रोल डीजल 3 रुपए महंगे हुए

बेंगलुरु (ईएमएस): कर्नाटक राज्य सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दाम में बढ़ा दिए है। सरकार ने पेट्रोल ३ रुपए प्रति लीटर बढ़ा दिया है, जबकि डीजल के दाम में ३.०२ रुपए का इजाफा किया है। यह बढ़ोतरी कर्नाटक सेल्स टैक्स में संशोधन के बाद हुई है। राज्य सरकार की अधिसूचना के अनुसार, पेट्रोल पर कर्नाटक सेल्स टैक्स २५.९२ प्रतिशत से बढ़ाकर २९.८४ प्रतिशत और डीजल पर १४.३ प्रतिशत से बढ़ाकर १८.४ प्रतिशत कर दिया है।

आतंकी हमले के अंदेशे के चलते सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

अमरनाथ यात्रा को लेकर केंद्र गंभीर

जम्मू (ईएमएस): २९ जून से शुरू होने वाली वार्षिक अमरनाथ यात्रा पर केंद्र सरकार गंभीर है क्योंकि यात्रा पर आतंकवादी किसी बड़े हमले को अंजाम दे सकते हैं। इसी को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। इस बार अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा के लिए अर्ध सैनिक बल की ५०० कंपनियां तैनात की जाएंगी। अमरनाथ यात्रा पर सुरक्षा और जांच एजैंसियों के साथ गृह मंत्रालय ने अहम बैठक की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी यात्रा को लेकर काफी संवेदनशील हैं।

जानकारी के अनुसार अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा के लिए जम्मू-कश्मीर प्रशासन कोई भी कोर-कसर छोड़ना नहीं चाहता है। सुरक्षा एजैंसियों ने अमरनाथ यात्रा के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की है जिसमें नाइट विजन डिवाइस, स्नाइपर्स, ड्रोन सिस्टम और यात्रा के दोनों मार्गों पहलगाम और बालटाल पर बम निरोधक दस्तों के जरिए रात में भी निगरानी होगी। अमरनाथ यात्रियों के लिए सेना, पुलिस, बीएसएफ, एसएसबी और सीआरपीएफ सभी एक साथ मिलकर सुरक्षा करेंगे। जम्मू से लेकर पवित्र गुफा तक दोनों रास्तों पर कड़े सुरक्षा प्रबंध हैं। बालटाल और पहलगाम दोनों रास्तों पर चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाकर्मी तैनात होंगे। वहीं सूत्रों के अनुसार सुरक्षा का अधिकतर जिम्मा सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस को सौंपा गया है। वहीं यात्रा को सुरक्षित और सरल करने के लिए नवीनतम तकनीकों और उपकरणों का उपयोग करते हुए रेडियो फ्रीक्वेंसी का भी उपयोग किया जाएगा। यात्रा करने वाले सभी यात्रियों की टैगिंग होगी जिससे यात्रियों की पोजीशन पता रहेगी और अधिकारियों को तीर्थयात्रियों के स्थान की निगरानी करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा हाई-टैक कमांड कंट्रोल सैंटर में लगभग २० सरकारी विभागों के लोग दिन-रात उपस्थित रहेंगे। कंट्रोल सैंटर में काम करने वाले विभागों में जम्मू-कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, स्वास्थ्य, पीएचई, पीडीडी व दूरसंचार और कई अन्य विभागों के कर्मचारी शामिल होंगे।

सरकार ने क्रूड ऑयल पर विंडफॉल टैक्स घटाया

5,200 से घटाकर 3,250 प्रति मीट्रिक टन किया

नई दिल्ली (ईएमएस): सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादन किए जाने वाले क्रूड ऑयल के एक्सपोर्ट पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी, यानी विंडफॉल टैक्स को घटा दिया है।

अपनी रेगुलर रिव्यू में सरकार ने विंडफॉल टैक्स को ५,२०० रुपए प्रति मीट्रिक टन से घटाकर ३,२५० रुपए प्रति मीट्रिक टन कर दिया है। यह बदलाव १५ जून से लागू हो गया है। सरकार हर १५ दिन पर विंडफॉल टैक्स रिव्यू करती है।

इससे सरकार ने १६ मई और १ मई को विंडफॉल टैक्स घटाया था। १६ मई को सरकार ने विंडफॉल टैक्स को ८,४०० रुपए प्रति मीट्रिक टन से घटाकर ५,७०० रुपए प्रति मीट्रिक टन किया था। वहीं, १ मई को विंडफॉल टैक्स ९,६०० रुपए प्रति मीट्रिक टन से घटाकर ८,४०० रुपए प्रति मीट्रिक टन कर दिया था। उससे पहले विंडफॉल टैक्स को लगातार बढ़ाया जा रहा था। १६ अप्रैल की समीक्षा में विंडफॉल टैक्स को ६,८०० रुपए प्रति टन से बढ़ाकर ९,६०० रुपए प्रति टन कर दिया गया था।

वहीं दूसरी ओर सरकार ने डीजल, पेट्रोल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) यानी एयरक्राफ्ट में इस्तेमाल होने ईंधन पर एक्सपोर्ट ड्यूटी को शून्य पर बनाए रखने का फैसला लिया है। यानी घरेलू रिफाइनरों को डीजल, पेट्रोल और ज्जस्न के निर्यात पर मिल रही छूट आगे भी बरकरार रहने वाली है। इससे उन घरेलू कंपनियों को फायदा होता रहेगा, जो रिफाइनरी चलाती हैं और डीजल, पेट्रोल और एटीएफ जैसे रिफाइंड प्रोडक्ट को देश के बाहर के बाजारों में बेचती हैं।

टीएमसी सांसद यूसुफ पठान के खिलाफ लैंड ग्रैबिंग एक्ट के तहत केस दर्ज करने की मांग

वडोदरा (ईएमएस): पश्चिम बंगाल के बहेरामपुर से नवनिर्वाचित सांसद और क्रिकेट यूसुफ पठान की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। वडोदरा के तांदलजा में सरकारी जमीन पर गैरकानूनी कब्जे को लेकर भाजपा के नगर पार्षद नीतीन दोंगा ने यूसुफ पठान के खिलाफ लैंड ग्रैबिंग के तहत केस दर्ज करने की मांग की है। इस संदर्भ में भाजपा पार्षद नीतीन दोंगा ने वडोदरा महानगर पालिका (वीएमसी) आयुक्त से पेशकश कर यूसुफ पठान के खिलाफ लैंड ग्रैबिंग एक्ट के तहत केस दर्ज करने की मांग की है। नीतीन दोंगा का आरोप है कि यूसुफ पठान ने वीएमसी १०५२३ वर्ग फूट के भूखंड पर गैरकानूनी रूप से कब्जा कर लिया है। जबकि राज्य सरकार ने वर्ष २०१४ में यूसुफ पठान को आवंटित भूखंड की मांग को नामंजूर कर दिया था।

मेरी स्पष्ट मांग है कि सांसदों को पहले देश के कानून का पालन करना होगा क्योंकि वही नए कानून बनाते हैं। लेकिन सांसद ही उल्लंघन कर रहे हैं। नीतीन दोंगा ने कहा कि यूसुफ पठान ने अपने चुनावी हलफनामे में प्लॉट पर अपना मालिकाना हक भी दिखाया है। इसलिए यह कृत्य १०० प्रतिशत गलत है तो एक नजीर बने ऐसी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

मेरी मांग है कि पूरे मामले में लैंड ग्रैबिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर कार्यवाही की जाए। इस मामले में वीएमसी के आयुक्त दिलीप राणा ने कहा कि यूसुफ पठान को महानगर पालिका ने १० दिन के भीतर भूखंड खाली करने का नोटिस जारी किया है। अगर यूसुफ पठान भूखंड खाली नहीं करते हैं तो महानगर पालिका गैरकानूनी अतिक्रमण हटाकर उसका कब्जा लेगी। गौर करनेवाली बात यह है कि यूसुफ पठान ने चुनावी हलफनामे में इस भूखंड को अपनी मालिकी का बताया है।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

जी.ई.एम निविदा सं : GEM/2024/B/5043380 दिनांक 12.06.2024, वरीय मण्डल यांत्रिक अभियंता (कोचिंग), पूर्व मध्य रेल धनबाद के द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–निविदा (e-tender) Two Packet System में आमंत्रित की जाती है। 1. कार्य का नाम तथा स्थान : तीन वर्षों के लिए धनबाद डिवीज़न की ट्रेनों के कोचों में टीएलएसी संयंत्रो और प्रणालियों के मार्ग संचालन और समस्या निवारण के लिए अनुबंधित कुशल एसी कोच मैकेनिक दवारा टीएल, पैंट्री और एसी कोचों की एस्कॉर्टिंग। 2. कार्य का अनुमानित लागत : ₹3,92,63,576.95 (तीन करोड़ बेरान्वे लाख तिरसठ हजार पाँच सौ छिहतर रूपये और पंचानवे पैसे मात्र)। 3. बयाना राशि : ₹3,46,400.00 (रूपये तीन लाख छियालिश हजार चार सौ मात्र)। 4. ई–निविदा बंद होने की तारीख और समय : 04.07.2024 को 12:00 बजे तक। 5. ई–निविदा खुलने का तारीख तथा समय : 04.07.2024 को 12:30 बजे। 6. वेबसाईट विवरण : https://gem.gov.in. ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।

वरीय मंडल यांत्रिक अभियंता (कोचिंग)/पूमरे/धनबाद

पीआर/00488/डीएचएन/यां./टी/24–25/32

बीसीसीएल BCCL भारत कोकिंग कोल लिमिटेड

(एक मिनीरत्न कम्पनी)

(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक अंग)

सूचना

गुड्स, वर्क्स तथा सर्विसेज के प्रोक्यारमेण्ट के लिए भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) द्वारा जारी सभी निविदायें* बीसीसीएल के वेबसाईट www.bcclweb.in, कोल इण्डिया लिमिटेड (सीआईएल) ई-प्रोक्योरमेण्ट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in तथा सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेण्ट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त प्रोक्योरमेण्ट GeM पोर्टल https://gem.gov.in द्वारा भी की जायेगी।

* सीआईएल के ई-प्राक्योरमेण्ट पोर्टल के द्वारा जारी सभी ओपन (डोमेस्टिक/ग्लोबल) निविदाओं पर यह लागू है।

बाल संरक्षण आयोग की टीम ने सेहतगंज में सोम डिस्टलरी शराब फैक्ट्री में मारा छापा

59 बच्चों को किया रेस्क्यू, इनमें 20 लड़कियां भी, स्कूल बस से ले जाकर करवाते थे मजदूरी ✪ केमिकल से गल गए मासूमों के हाथ

भोपाल (ईएमएस): मप्र के रायसेन जिले में सोम डिस्टलरी शराब फैक्ट्री का शनिवार को राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टीम छापा मारा। यहां पर शराब फैक्ट्री में ५९ बच्चे काम करते पाए गए। इनमें २० लड़कियां भी शामिल हैं। काम करते-करते बच्चों के हाथों की चमड़ी तक गल गई थी। इन्हें स्कूल बस से फैक्ट्री में लाया जाता था।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने बताया कि बचपन बचाओ आंदोलन एनजीओ की तरफ से शिकायत मिली थी। इसमें शराब फैक्ट्री में बच्चों से काम करने का मामला सामने आया। इसके बाद शनिवार को रायसेन जिले की सोम डिस्टलरी नामक शराब बनाने वाली फैक्ट्री में निरीक्षण किया गया। यहां ५९ बच्चे शराब बनाने का काम करते हुए पाए गए हैं। इनमें २० लड़कियां भी हैं। उन्होंने बताया कि शराब में बनाने में उपयोग होने वाले रसायनों के संपर्क में रहने से कई बच्चों के हाथ की चमड़ी भी जल चुकी है। बच्चों को रेस्क्यू करने एवं एफआईआर दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है।

आबकारी अधिकारी की मिलीभगत

कानूनगो ने आरोप लगाया कि ये आबकारी अधिकारी की मिलीभगत और उनकी आंखों के सामने हो रहा था। वह आंखें बंद कर बैठे थे। आबकारी अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए हम शासन को पत्र लिखेंगे। प्रियंका कानूनगो ने बताया कि बचपन बचाओ आंदोलन से शिकायत मिली थी कि इस फैक्ट्री में १५-१६ घंटे बच्चों से शराब बनवाने का काम कराया जाता है। इन्हें लंबे समय से इस काम में लगाया गया था। फैक्ट्री के बाहर स्कूल बस खड़ी मिली।

एसडीओपी प्रतिभा शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के पत्र के अनुसार कार्रवाई की जा रही है। बच्चों का सीडब्ल्यूसी के सामने वेरीफिकेशन किया गया है। अभी जांच में समय लगेगा। उस आधार पर सोम फैक्ट्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले शुक्रवार को बाल संरक्षण आयोग की टीम ने रायसेन जिले के मंडीदीप में छापा मारा था। यहां बिस्किट बनाने वाली फैक्ट्री एलएम बेकर्स में २१ बाल श्रमिक मजदूरी करते मिले। यहां पारले जी बिस्किट बनाए जा रहे थे। कुल ३ संस्थानों से ३६ बच्चों का रेस्क्यू किया गया। इनमें छिंदवाड़ा व अन्य राज्यों के आदिवासी बच्चे होने की जानकारी मिली है।

आबकारी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने नोटिस

आयोग की तरफ से सरकार को आबकारी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने नोटिस जारी किया गया है। इस पूरे मामले में आबकारी अधिकारी की गंभीर लापरवाही सामने आई है। यह फैक्ट्री आबकारी विभाग की देखरेख में संचालित हो रही है। इसके परिसर में ही आबकारी अधिकारी का कार्यालय भी है। आयोग ने आबकारी अधिकारी के विरुद्ध कार्यवाही करने के लिए सरकार को नोटिस जारी किया जा रहा है।

संपादकीय

लालच की आग से आई कुवैत में त्रासदी...

कुवैत के मंगफ क्षेत्र में अग्निकांड के बाद खाड़ी देशों में काम कर रहे भारतीय मजदूरों की बदहाली को लेकर सवाल उठने लगे हैं। मध्य पूर्व के इस देश में रोजगार की तलाश में गए 40 से अधिक भारतीय मजदूरों की मौत की घटना स्तब्ध करने वाली है। अग्निकांड के बाद भारत एवं कुवैत सरकार की तमाम एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं, लेकिन यह कतई नहीं भूलना चाहिए कि वहां मजदूरों की जीवन दशा बेहद खराब है और इस बारे में अक्सर सवाल उठते रहे हैं, जिन्हें अनसुना किया जाता रहा है।

विदेश मंत्रालय के आंकड़े हैं कि खाड़ी देशों में स्थित भारतीय दूतावासों में मजदूरों की 48095 शिकायतें मिलीं, जिनमें सबसे ज्यादा कुवैत में ही 23020 शिकायतें प्राप्त हुई। इन शिकायतों पर क्या कदम उठाए गए, इस बारे में तथ्य उपलब्ध नहीं हैं। यह साफ है कि कुवैत में मजदूरों के लिए हालात अच्छे नहीं हैं। वहां पर खराब स्थिति और कम संसाधनों के बीच उन्हें रहने को मजबूर किया जाता है। जबकि, कुवैत की अर्थव्यवस्था जो इस समय आगे बढ़ रही है, उसमें भारतीयों की भूमिका सबसे ज्यादा है।

आरोप तो यहां तक लगते हैं कि कुवैत के स्थानीय लोग भारतीय मजदूरों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते। नियोक्ता तय वेतन से कम भुगतान करते हैं। सुविधाएं ना के बराबर हैं। एक-एक कमरे में 15 से 20 मजदूरों को ठूंस कर रखा जाता है। मंगफ क्षेत्र की जिस इमारत में आग लगी, उसकी सुरक्षा और सरकारी प्राधिकारों की अनुमति को लेकर भी सवाल उठे हैं। वहां जांच बिठा दी गई है। लेकिन अहम सवाल यह है कि व्यवस्था में सुधार को लेकर कोई पहल पहले क्यों नहीं दिखी। सवाल यह भी उठता है कि बदहाली के बावजूद कुवैत समेत खाड़ी देशों में मजदूरों की संख्या क्यों बढ़ रही है।

एक रपट के मुताबिक, एक भारतीय मजदूर वहां चालीस से पचास हजार रुपए हर महीने कमा लेता है। जाहिर है, कुवैत में ज्यादा कमाई का लालच तो है ही। विदेश मंत्रालय के मुताबिक वर्ष 1990-91 के खाड़ी युद्ध में कुवैत में भारतीय समुदाय पर बड़ा प्रभाव पड़ा। भारतीयों का बड़े पैमाने पर पलायन हुआ। 1.7 लाख से ज्यादा भारतीयों ने देश छोड़ा। लेकिन इसके बाद ज्यादा कमाई के लालच में वहां संख्या बढ़ी। साथ ही, वहां की कंपनियों का सस्ते श्रम का लालच भी बढ़ा।

कुवैत में कई बार दुर्व्यवहार और धोखाधड़ी के मामले आए हैं। शोषण की शिकायतें इतनी ज्यादा मिलने लगी हैं कि भारतीय दूतावास में एक शिकायत निपटान केंद्र खोलना पड़ा। वहां अधिकतर मजदूर केरल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार से जाते हैं और उनके अनुभव आमतौर पर ठीक नहीं होते।

मंगफ हादसे में मरे मजदूरों के बारे में ऐसी भी जानकारियां सामने आई हैं कि उनमें से कई को पर्यटक वीजा पर ले जाया गया। अब कुवैत सरकार ऐसे मजदूरों को अवैध मजदूर के तौर पर चिह्नित करने में जुटी है। पर्यटक वीजा पर भेजे गए मजदूरों का कोई रेकार्ड न तो दूतावास में होता है और न ही भारत सरकार के पास। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि भारत सरकार उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मंडल का गठन करके अपनी ओर से भी जांच बिठाए।

दुनिया में महिलाओं की हिस्सेदारी पर सवाल

पूरी दुनिया में लंबे समय से महिलाओं को पुरुषों के बराबर हक और हिस्सेदारी की जरूरत की बात उठती रही है। सरकारों ने अनेक नीतियां बनाईं, कई नियम-कायदों में बदलाव किए गए। लेकिन शिक्षा, आय, सामाजिक और राजनीतिक भागीदारी के स्तर पर सवाल उठते रहते हैं। विश्व आर्थिक मंच की इस साल की लैंगिक अंतर सूचकांक रपट में भारत का प्रदर्शन निराशाजनक आंका गया है। भारत दो पायदान नीचे खिसककर 129वें स्थान पर आ गया, जबकि आइसलैंड जैसे छोटे से देश ने सूची में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। दक्षिण एशिया में भारत वैश्विक लैंगिक अंतर सूचकांक में बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और भूटान के बाद पांचवें स्थान पर है। रपट में यह भी कहा गया है कि भारत ने 2024 में अंतर का 64.1 फीसद कम कर लिया है। भारत के आर्थिक समानता स्कोर में सुधार हो रहा है, लेकिन 2012 के 46 फीसद के स्तर पर लौटने के लिए इसे 6.2 फीसद अंक बढ़ाने की जरूरत है। लैंगिक समानता के लिए विश्व भर की सरकारों ने अनेक नीतियां बनाई हैं, पर उनसे अपेक्षित परिणाम नहीं निकल पाए हैं। विश्व आर्थिक मंच की रपट से स्पष्ट है कि भारत में नीतियां फाइलों और घोषणाओं तक सीमित रह गई हैं। भारत पिछले वर्ष 127वें स्थान पर था और सूची में दो पायदान नीचे जाने की मुख्य वजहों में शिक्षा प्राप्ति और राजनीतिक सशक्तीकरण मापदंडों में आई मामूली गिरावट है। यह स्थिति तब है, जब भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के लिए विधेयक पारित किया जा चुका है। माध्यमिक शिक्षा में नामांकन के मामले में भारत ने बसे अच्छी समानता दिखाई है जबकि महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण में अपना देश 65वें स्थान पर है। बीते 50 वर्षों में महिला/पुरुष राष्ट्राध्यक्षों के साथ समानता के मामले में भारत 10वें स्थान पर है। स्पष्ट है कि लोगों के दृष्टिकोण में बदलाव तो आ रहा है, लेकिन पुरुषवादी मानसिकता पूरी तरह खत्म नहीं हो रही है। इस स्थिति को बदलने के लिए समाज की मानसिकता को बदलना होगा।

आज का कार्टून

शासन की निरंतरता और गठबंधन की मजबूरी

> यह सही है कि सरकार को संख्या के लिहाज से खतरा नहीं है लेकिन वह सहयोगी पार्टियों को एक सीमा से ज्यादा पीछे धकेलने की जोखिम नहीं ले सकती है। अगर सहयोगी पार्टियां जोर देकर कोई बात कहती है तो प्रधानमंत्री को उस पर ध्यान देना होगा। जैसे कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने अपने मंत्रालय का कामकाज संभालते हुए कहा कि समान नागरिक संहिता का कानून सरकार के एजेंडे का हिस्सा है वैसे ही जनता दल यू के महासचिव केसी त्यागी ने कहा कि एजेंडा है लेकिन इस पर सबकी सहमति से ही आगे बढ़ना है। सो, इस तरह के नीतिगत मसलों पर भाजपा की सहयोगी पार्टियों की बारीक नजर रहेगी। वैसे भारत की राजनीति में यह कोई नई बात नहीं है। 1989 से लेकर 2014 तक यानी ढाई दशक देश में गठबंधन की सरकार चली और उन सरकारों में जो भी प्रधानमंत्री बना उसने अपने कामकाज की शैली राजनीतिक स्थितियों के अनुरूप ही रखी।

अजीत द्विवेदी

नरेंद्र मोदी ने बतौर प्रधानमंत्री अपने तीसरे कार्यकाल में शासन की निरंतरता जारी रखी है। केंद्र सरकार के सभी अहम मंत्रालयों में पुराने मंत्रियों की वापसी हुई है। राजनाथ सिंह प्रतिरक्षा संभालते रहेंगे तो देश की आंतरिक सुरक्षा का जिम्मा अमित शाह के पास ही रहेगा। अगर वे अपना दूसरा कार्यकाल पूरा करते हैं तो यह एक रिकॉर्ड होगा क्योंकि देश में आज तक कोई भी नेता 10 साल तक गृह मंत्री नहीं रहा है। अर्थ नीति और विदेश नीति का जिम्मा क्रमशः निर्मला सीतारमण और एस जयशंकर के पास ही है और सड़क परिवहन व राजमार्ग का जिम्मा नितिन गडकरी के पास है। शिक्षा के क्षेत्र में जो कुछ हो रहा है उसे चलाए रखने की जिम्मेदारी फिर से धर्मेंद्र प्रधान के ऊपर डाली गई है। कुल मिला कर देश की आर्थिक, सामरिक, सामाजिक नीतियों में कम से कम मंत्रियों के जरिए निरंतरता का संदेश दिया गया है।

पहले ऐसा लग रहा था कि लोकसभा के आंकड़े बदलने और नई राजनीतिक स्थितियां पैदा होने से सरकारी की संरचना में बदलाव आएगा। प्रधानमंत्री मोदी के लिए निरंतरता बनाए रखने में मुश्किल होगी। लेकिन उन्होंने नई स्थितियों में भी शासन का पुराना ढांचा बनाए रखा है। अपने अपने विभागों में पुराने मंत्रियों की वापसी से यह संदेश गया है कि भाजपा ने अपने चुनाव घोषणापत्र में नीतियों की जिस निरंतरता का वादा किया था उसमें कोई बदलाव नहीं आने वाला है।

ध्यान रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार कहते रहे हैं कि उन्होंने अपने कार्यकाल के पहले 10 साल में जो काम किया है वह 'ट्रेलर' है पूरी फिल्म बाकी है। चुनाव प्रचार में उन्होंने एक रूपक का इस्तेमाल किया और कहा कि उनका अब तक का कामकाज 'स्टार्टर है, मेनकोर्स अभी बाकी है'। अगर त्रिशंकु लोकसभा की वजह से सरकार की संरचना में बदलाव होता तो निश्चित रूप से उसका असर सरकार के कामकाज पर होता। उसकी नीतिगत और प्रशासनिक निरंतरता प्रभावित होती। कह सकते हैं कि नई राजनीतिक स्थितियां उभरने के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी ने पहली बाधा पार कर ली है।

परंतु सवाल है कि क्या यह स्थिति स्थायी रहने वाली है या गठबंधन की मजबूरियां सरकार के कामकाज पर असर डालेंगी? यह सवाल इसलिए है क्योंकि सहयोगी पार्टियों को उनकी संसदीय ताकत के हिसाब से कम मंत्री पद देने और अपेक्षाकृत कम महत्व के मंत्रालय देने का विरोध हुआ है। यह विरोध बहुत उग्र नहीं है फिर भी कई पार्टियों ने आपत्ति की है और दबी जुबान में ही सही विरोध प्रकट किया है। तभी उनके समर्थन और उनकी चुप्पी को सरकार फॉर गारंटेड नहीं ले सकती है। भले वे सरकार की स्थिरता के लिए खतरा पैदा नहीं करें लेकिन नीतिगत मसले पर सरकार को कठघरे में खड़ा कर सकते हैं और अगर विपक्षी पार्टियां किसी मसले पर मजबूत विरोध दर्ज कराती हैं तो सहयोगी भी इस मौके का इस्तेमाल सरकार पर दबाव बनाने के लिए कर सकते हैं। यह स्थिति स्थायी रहने वाली है। विपक्षी पार्टियां भी सत्तारूढ़ गठबंधन की इस फॉल्टलाइन का इस्तेमाल करने का प्रयास करेंगी।

यह सही है कि सरकार को संख्या के लिहाज से खतरा नहीं है लेकिन वह सहयोगी पार्टियों को एक सीमा से ज्यादा पीछे धकेलने की जोखिम नहीं ले सकती है। अगर सहयोगी पार्टियां जोर देकर कोई बात कहती हैं तो प्रधानमंत्री को उस पर ध्यान देना होगा। जैसे कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने अपने मंत्रालय का कामकाज संभालते हुए कहा कि समान नागरिक संहिता का कानून सरकार के एजेंडे का हिस्सा है वैसे ही जनता दल यू के महासचिव केसी त्यागी ने कहा कि एजेंडा है लेकिन इस पर सबकी सहमति से ही आगे बढ़ना है। सो, इस तरह के नीतिगत मसलों पर भाजपा की सहयोगी पार्टियों की बारीक नजर रहेगी।

वैसे भारत की राजनीति में यह कोई नई बात नहीं है। 1989 से लेकर 2014 तक यानी ढाई दशक देश में गठबंधन की सरकार चली और उन सरकारों में जो भी प्रधानमंत्री बना उसने अपने कामकाज की शैली राजनीतिक स्थितियों के अनुरूप ही रखी। प्रधानमंत्री देश हित, क्षेत्रीय आकांक्षा और राजनीतिक मजबूरियों के बीच बारीक संतुलन साध कर चलते रहे। यह अलग बात है कि महज 145 सांसद होने के बावजूद तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने जुलाई 2008 में अमेरिका के साथ परमाणु संधि जैसे विवादित नीतिगत मसले को मंजूरी दिलाई।

लेकिन उस दौर के प्रधानमंत्रियों और नरेंद्र मोदी में एक फर्क यह है कि मोदी ने कभी गठबंधन की सरकार नहीं चलाई है, जबकि वीपी सिंह से लेकर चंद्रशेखर, पीवी नरसिंह राव, एचडी देवगौड़ा, आईके गुजराल, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह गठबंधन से ही प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने अपनी पार्टियों का पूर्ण बहुमत नहीं देखा। सो, वे पहले दिन से गठबंधन की मजबूरियों के साथ चले, जबकि मोदी को पहली बार गठबंधन की मजबूरियों का सामना करना पड़ रहा है। सो, वे किस तरह से परिस्थितियों के साथ सामंजस्य बैठाते हैं यह देखने वाली बात होगी। यह सही है कि पहले की गठबंधन सरकारों के मुकाबले उनकी सरकार में गठबंधन का नेतृत्व कर ही उनकी पार्टी के पास कुल 82 फीसदी सीटें हैं। इस लिहाज से वे पहले गठबंधन में बने प्रधानमंत्रियों के मुकाबले बेहतर स्थिति में हैं फिर भी दबाव तो उन पर भी आएंगे और मजबूरियां उनके सामने भी आएंगी।

अभी यह पता नहीं है कि कम मंत्री पद देने और कम महत्व के मंत्रालय देने के बावजूद उन्होंने सहयोगी पार्टियों को कैसे समझाया कि वे सरकार का हिस्सा बनें। आने वाले दिनों में इसकी परतें खुलेंगी। सरकार के दोनों बड़े सहयोगी यानी नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू केंद्र में अपने सांसदों को मंत्री बनवाने या उन्हें बड़ा मंत्रालय दिलाने से ज्यादा राज्य में अपनी सरकार की स्थिरता और कामकाज से मैसेज देने की कोशिश करने वाले हैं। इसलिए दोनों की प्राथमिकता राज्य की राजनीति है। दोनों विशेष राज्य के दर्जे की मांग कर रहे हैं और अगर विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलता है तो विशेष आर्थिक पैकेज पर उनका फोकस रहेगा।

क्या प्रधानमंत्री मोदी ने इसका कोई वादा दोनों मुख्यमंत्रियों से किया है? बिहार में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं लेकिन जनता दल यू के नेता समय से पहले चुनाव चाहते हैं। वे बिहार विधानसभा में बड़ी पार्टी बनने की इच्छा रखते हैं। तो क्या केंद्र में कम मंत्री पद देने की भरपाई विधानसभा चुनाव में सीटों की साझेदारी में की जाएगी? क्या भाजपा नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद पर बनाए रखते हुए उन्हें ज्यादा सीटें देकर चुनाव में जाएगी? इसी तरह एक समझौता राज्यसभा की सीटों पर भी होता है। अभी 10 राज्यसभा सांसदों के लोकसभा चुनाव जीत जाने से 10 सीटें खाली हो रही हैं। क्या उसमें सहयोगी पार्टियों को हिस्सेदारी मिलेगी? इसके अलावा राज्यपाल, बोर्ड और निगम, संसदीय नियुक्तियों आदि में भी सहयोगी पार्टियों को ज्यादा हिस्सेदारी मिल सकती है। सरकार वहां सौदेबाजी कर सकती है ताकि प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल में शासन की निरंतरता बनी रहे और अपने घोषित एजेंडे से ज्यादा समझौता नहीं करना पड़े।

...और 'कर्ज का मर्ज' बढ़ता ही चला गया

> आजीविका चलाने अथवा मूलभूत सुविधाएं जुटाने हेतु कर्ज लेना जहां निर्धन की मजबूरी है, वहीं ऐश्वर्यशाली जीवन जीने की आकांक्षा पालने वाले सामान्य लोगों के लिए ऋण साधन सम्पन्न बनने का पर्याय भी बन चुका है। दूसरे शब्दों में, उधारी का घी पीने के लोभ ने हमारी 'सादा जीवन, उच्च विचार' वाली पारम्परिक जीवनशैली को काफी हद तक बदलकर रख दिया है। एस.बी.आई. की सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान परिवारों पर कर्ज का बोझ दोगुना से भी अधिक होकर 15.6 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया।

दीपिका अरोड़ा

पुरातन काल से ही सामाजिक व्यवस्थाओं का अभिन्न अंग रहा लेन-देन अपने बदले हुए प्रारूप सहित आज भी विद्यमान है। आवास, शिक्षा, व्यावसायिक, कृषि आदि सर्च का एक बटन दबाते ही लोन लेने के ढेरों विकल्प हमारे सम्मुख उपस्थित हो जाएंगे। समस्त औपचारिकताएं पूर्ण होने के पश्चात ऋण प्राप्ति संभव होने से भी कहीं कठिन है अपनी विश्वसनीयता कायम रखते हुए अविलंब कर्ज चुकता कर पाना। उधारी का बोझ जी का जंजाल बन जाए तो इसे जानलेवा बनते भी देर नहीं लगती। विगत 23 मई को तमिलनाडु स्थित शिवाकाशी के निकट थिरुथांगल में घटित प्रकरण पर ही दृष्टि डालें, कथित रूप से कर्ज का बोझ एक परिवार के 5 सदस्यों द्वारा सामूहिक आत्महत्या करने का सबब बन बैठा।

ऐसा ही समाचार 24 मई को फरीदाबाद के सैक्टर-37 से प्राप्त हुआ, जहां करोड़ों के कर्ज में डूबे एक व्यापारी ने सपरिवार आत्मघात का प्रयास किया। घटना में परिवार के 70 वर्षीय मुखिया की जान चली गई जबकि 5 सदस्यों की हालत गंभीर है। कथित तौर पर 40 करोड़ की कर्ज वसूली हेतु सूदखोर, रिकवरी एजैंट तथा बदमाशों का परिवार को धमकाना ही घटना को अंजाम देने का कारण बना। सूदखोरों के लिए अक्सर मुनाफे का धंधा साबित होने वाले कर्ज की फितरत ही कुछ ऐसी है कि कब ब्याज राशि जुड़कर भारी-भरकम देय रकम में तबदील हो जाए, पता ही नहीं चलता। दिग्गज कारोबारियों की लुटिया डुबोने से लेकर नामचीन हस्तियों तक को दीवालिया बनाने के अनेकों उदाहरण देश-विदेश में आए दिन देखने में आते ही रहते हैं। अच्छा-खासा ऋण लेकर उडन् छू होने के किस्से भी जग जाहिर हैं तो ब्याज वसूली के नाम पर बोटी-बोटी नोच डालने वाले खलनायक भी समाज में बहुतेरे मिल जाएंगे। आर्थिक विपन्नता में अपशब्दों की भरमार सहित जब सामाजिक उत्पीडन् भी शुमार होने लगे तो निःसंदेह, कर्जदार की मानसिक स्थिति उस स्तर तक पहुंचते देर नहीं लगती, जहां सर्वपक्षीय मुक्ति के रूप में केवल प्राणान्त ही विकल्प सूझे। एन.सी.आर.बी. की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2022 के दौरान देश में हुई 1,70,924 आत्महत्याओं के कुल मामलों में 4.1 प्रतिशत आत्महत्याएं आर्थिक तंगी व कर्ज के चलते हुईं।

कृषि क्षेत्र पर ही दृष्टिपात करें तो देश भर में 15.5 करोड़ किसानों पर 21 लाख करोड़ का कर्ज है। पिछले 2 दशकों के दौरान हजारों की संख्या में तनावग्रस्त किसानों ने आत्महत्याएं कीं। एक अध्ययन के मुताबिक, 2017 से 2021 के मध्य घटित 1000 किसान-आत्महत्याओं में 88% मामलों के पीछे भारी कृषि ऋण जिम्मेदार रहा। प्रति व्यक्ति औसत मासिक आय में दूसरे स्थान पर होने के बावजूद पंजाब के अधिकतर किसान भारी कर्ज के बोझ तले दबे हैं। कर्ज का यह मकडज़ाल पीढ़ी-दर-पीढ़ी पैठ बनाता जा रहा है।

आजीविका चलाने अथवा मूलभूत सुविधाएं जुटाने हेतु कर्ज लेना जहां निर्धन की मजबूरी है, वहीं ऐश्वर्यशाली जीवन जीने की आकांक्षा पालने वाले सामान्य लोगों के लिए ऋण साधन सम्पन्न बनने का पर्याय भी बन चुका है। दूसरे शब्दों में, उधारी का घी पीने के लोभ ने हमारी 'सादा जीवन, उच्च विचार' वाली पारम्परिक जीवनशैली को काफी हद तक बदलकर रख दिया है। एस.बी.आई. की सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान परिवारों पर कर्ज का बोझ दोगुना से भी अधिक होकर 15.6 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया।

रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू बचत से निकासी का एक बड़ा हिस्सा भौतिक संपत्तियों में चला गया तथा 2022-23 में इन पर कर्ज भी 8.2 लाख करोड़ रुपए बढ़ गया। परिवारों की घरेलू बचत करीब 55 प्रतिशत गिरकर सकल घरेलू उत्पाद के 5.1 प्रतिशत पर सिमट गई, जोकि पिछले पांच दशक में सबसे कम है। ऋणभार के संदर्भ में देश की स्थिति आंकें तो भारत के 33 फीसदी से अधिक राज्यों तथा विधायिका वाले केंद्र शासित प्रदेशों ने वर्ष 2023-24 के अंत तक, अपने कर्जों को उनके जी.एस.डी.पी. के 35 फीसदी को पार करने का अनुमान लगाया है। विगत वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में भारत को बढ़ते संप्रभु कर्ज (केंद्र व राज्य सरकारों का कुल कर्ज भार) के प्रति सचेत करते हुए, इससे दीर्घकालिक जोखिम बढने् की आशंका भी व्यक्त की थी, हालांकि भारत सरकार द्वारा आई.एम.एफ. के विश्लेषणात्मक अनुमानों पर तथ्यात्मक रूप से असहमति प्रकट करना एक अलग मुद्दा है। बड़े-बुजुर्गों की समझाइश के अनुरूप यदि 'चादर देखकर ही पैर पसारने' की आदत हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन जाए तो कर्ज लेने की आवश्यकता ही नहीं पड़ती। अपरिहार्य कारणों के चलते ऋण लेना निहायत जरूरी हो तो जांच-परखकर विश्वसनीय स्रोतों के माध्यम से ही लिया जाए। कर्ज चुकता होने की संभावनाएं वहीं पनपती हैं, जहां अपनी देनदारियों के प्रति संजीदगी-ईमानदारी हो। कर्ज लेने की सार्थकता उसके प्रत्येक अंश के सदुपयोग में निहित है। सरकारी योजनाओं हेतु आबंटित राशि में भी यही बात लागू हो तो मानवीय पूंजी एवं प्राकृतिक संसाधनों के संवर्द्धन का एक भी मौका बेकार न जाए। कर्ज दिया है तो वापस मिलने की आस रखना भी स्वाभाविक है किंतु कर्जदार की आर्थिक स्थिति जानते-बूझते हुए भी उसे आत्मघात की ओर धकेला जाए तो यह व्यवहार मानवीयता-कानून के आधार पर कहीं भी खरा नहीं उतरता।

टी20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड ने युगांडा को 40 रन पर निपटाया

फिर किया धांसू रनचेज... बने कई अनचाहे रिकार्ड

त्रिदिनाद, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने युगांडा को टी20 वर्ल्ड कप 2024 के मुकाबले में मसलकर रख दिया. सुपर 8 की होड़ से बाहर हो चुकी न्यूजीलैंड की टीम ने युगांडा को पहले 18.4 ओवर में 40 रन पर आउट कर दिया, फिर पावरप्ले के अंदर ही टारगेट को चेज कर लिया. युगांडा का 40 रन का स्कोर उसका दूसरा सबसे कम स्कोर है, इससे पहले उसने इसी वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ महज 39 रन बनाए थे, जो नीदरलैंड्स के साथ टी20 वर्ल्ड कप का संयुक्त रूप से सबसे कम स्कोर है. एक समय लग रहा था कि युगांडा की टीम टी20 वर्ल्ड कप में सबसे कम स्कोर के शर्मनाक रिकॉर्ड को बना देगी. शनिवार (15 जून) को त्रिनिदाद के तारोबा में ब्रायन लारा स्टेडियम में इस मैच में कीवी कप्तान केन ने टॉस जीता और पहले पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया.

यूएसए की टीम ने रच दिया इतिहास

टी-20 वर्ल्डकप 2024

अमेरिका की टीम ने क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया है। उसने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर-8 राउंड के किए क्वालीफाई कर लिया है। अमेरिका की टीम ने पाकिस्तान, आयरलैंड और कनाडा की टीमों को पछाड़ते हुए दूसरे दौर में अपनी जगह बनाई है। बता दें, ये पहला मौका है जब अमेरिका की टीम टी20 वर्ल्ड कप में खेल रही है। उसने अपने डेब्यू सीजन में ही अपने खेल से सभी को हैरान कर दिया है।

अमेरिका की टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अपना पहला मैच आयरलैंड के खिलाफ खेला था। इस मैच में अमेरिका ने 195 रन के टारगेट को चेज करके जीत हासिल की थी। वहीं, अपने दूसरे मैच में उसने पाकिस्तान को हराया था। इस मैच में उसने सुपर ओवर में बाजी मारी थी। हालांकि उसे अपने तीसरे मैच में टीम इंडिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

डेब्यू सीजन में रच दिया इतिहास- टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में सिर्फ दूसरा ही मौका है जब कोई टीम ने अपने डेब्यू सीजन में ही दूसरे दौर के लिए क्वालीफाई किया है। इससे पहले ये कारनामा आयरलैंड की टीम ने ही किया था।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेंट बोल्ट की टी20 इंटरनेशनल को बाय-बाय

बोले- हम अच्छा नहीं खेल पाए

तारोबा (त्रिनिदाद), एजेंसी। न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप खेल के सबसे छोटे प्रारूप में उनका आखिरी वैश्विक टूर्नामेंट होगा। बोल्ट 2011 में पदार्पण करने के बाद से न्यूजीलैंड टीम के अहम सदस्य रहे है। उन्हें टी20 विश्व कप, एकदिवसीय विश्व कप और टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल खेलने का अनुभव है। उन्होंने ने 2014 से 4 टी20 विश्व कप में भाग लिया है।

बोल्ट ने युगांडा पर न्यूजीलैंड की 9 विकेट की जीत के बाद कहा कि मैं अपनी बात करूं तो यह मेरा आखिरी टी20 विश्व कप होगा। मुझे बस इतना ही कहना है। युगांडा के खिलाफ मैच से पहले ही न्यूजीलैंड की टीम विश्व कप के सुपर 8 दौर से बाहर हो गई थी। टीम अब ग्रुप सी में अपने आखिरी मैच में पापुआ न्यू गिनी का सामना करेगी जो टी20 विश्व कप में 34 साल के इस बाएं हाथ के गेंदबाज का आखिरी मैच होगा। उन्होंने सुपर 8 से बाहर होने पर कहा कि निश्चित रूप से हम टूर्नामेंट में ऐसी शुरुआत नहीं चाहते थे। इसे पचा पाना कठिन है। हम निराश है कि आगे नहीं बढ़ सके लेकिन जब भी आपको देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलता है, तो यह गर्व का क्षण होता है। इस प्रारूप के विश्व कप में न्यूजीलैंड ने शानदार प्रदर्शन किया है। इस सत्र से पहले टीम 2014 के बाद से हर बार सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि देश के लिए खेलने को लेकर ड्रेसिंग रूम में बहुत गर्व का माहौल है। पिछले कई वर्षों में हमारे रिकॉर्ड बेहतरीन रहे हैं। दुर्भाग्य से बीते सप्ताह हम अच्छा नहीं खेल सके और क्वालीफिकेशन से बाहर हो गए।

दीक्षा डागर की शानदार शुरुआत, इटालियन ओपन में संयुक्त चौथे स्थान पर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इटालियन ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दौर में पांच

अंडर 67 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। पहले दौर के बाद दीक्षा ऑस्ट्रेलिया की कर्स्टन रूडगेली, स्पेन की फातिमा फर्नांडीज कैनो और स्विट्जरलैंड की टिफनी अराफी से एक शॉट पीछे हैं।

इस टूर्नामेंट में भाग ले रही भारत की अन्य खिलाड़ियों का प्रदर्शन हालांकि अच्छा नहीं रहा। दीक्षा के बाद वाणी कपूर (72) का नंबर आता है जो संयुक्त 30वें स्थान पर हैं। उनके अलावा प्रणवी उर्स और त्वेसा मलिक 73-73 के स्कोर के साथ संयुक्त 41वें और रिधिमा दिलावरी (75) संयुक्त 76वें स्थान पर हैं।

अदिति अशोक मीजर क्लासिक एलपीजीए में संयुक्त 16वें स्थान पर - भारतीय गोल्फर अदिति अशोक यहां मीजर एलपीजीए क्लासिक के दूसरे दौर में दो अंडर 70 का कार्ड खेलकर संयुक्त 16वें स्थान पर है। बेंगलुरु की यह खिलाड़ी अगस्त में अपना तीसरा ओलंपिक खेल खेलने के लिए तैयार है। ऐसे में उनके लिए कुछ लय हासिल जरूरी होगा। अदिति ने छठे, आठवें और 18वें होल में बर्डी लगाकर 70 का कार्ड खेला। उनका कुल स्कोर छह-अंडर 138 का है।

हॉकी

जूनियर पुरुष राष्ट्रीय शिविर के लिए 40 सदस्यीय संभावित स्क्वाड का ऐलान

बेंगलुरु, एजेंसी। हॉकी इंडिया ने शनिवार को आगामी जूनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 40 खिलाड़ियों के कोर संभावित समूह की घोषणा की, जो 16 जून से बेंगलुरु में एसएआई में शुरू होगा। यह शिविर जूनियर पुरुष टीम के यूरोपीय दौरे के बाद आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले टीम ने 20 से 29 मई तक बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड की क्लब टीम ब्रेडेज़ हॉकी वेरेनिगिंग पुश के खिलाफ पांच मैच खेले। इस दौरे के दौरान भारत ने अपने पहले मैच में बेल्जियम के खिलाफ 2-2 (4-2 शूटऑउट) से जीत हासिल की, लेकिन उसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ दूसरे मैच में 2-3 से हार गया। उन्हें ब्रेडेज हॉकी वेरेनिगिंग के खिलाफ 5-4 से मामूली हार का सामना करना पड़ा। जर्मनी के खिलाफ, वे पहले मैच में 2-3 से हार गए लेकिन वापसी मैच में 1-1 (3-1 शूटऑउट) से जीत गए, जो दौरे का अंतिम मैच भी था।

आगामी शिविर, कोच जनार्दन सीबी के नेतृत्व में और हॉकी इंडिया के हाई परफॉरमेंस डायरेक्टर हरमन क्रुइस की देखरेख में 63 दिनों तक चलेगा और 18 अगस्त को समाप्त होगा। इस समूह में पांच गोलकीपर शामिल हैं- प्रिंस दीप सिंह, बिक्रमजीत सिंह, आदर्श जी, अश्विनी यादव और अली खान।

शिविर में फॉरवर्ड मोहित कर्मा, मोहम्मद जैद खान, मोहम्मद कोनैन दाद, सौरभ आनंद कुशवाह, अरिजीत सिंह हुंदल, गुरजोत सिंह, प्रभदीप सिंह, दिलराज सिंह, अर्शदीप सिंह और गुरसेवक सिंह हैं।

डिफेंडर में शारदा नंद तिवारी, आमिर अली, मनोज यादव, सुखविंदर, रोहित, योगंबर रावत, अनमोल एक्का, प्रशांत बारला, आकाश सोरोंग, सुंदरम राजावत, आनंद वाई और तलेम प्रियो बार्टा शामिल हैं।

शिविर में शामिल होने वाले मिडफील्डर्स में बिपिन बिल्लवारा रवि, वचन एच ए, अंकित पाल, रोसन कुजूर, मुकेश टोप्पो, रितिक कुजूर, थौनाओजम इंगलेम्बा लुवांग, थोकचोम किंगसन सिंह, अंकुश, जीतपाल, चंदन यादव, मनमीत सिंह और गोविंद नाग शामिल हैं। आगामी शिविर के बारे में कोच जनार्दन सीबी ने कहा, यह शिविर भविष्य की अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए हमारी तैयारी के लिए महत्वपूर्ण है। हमारे पास खिलाड़ियों का एक प्रतिभाशाली समूह है और इस प्रशिक्षण सत्र से उन्हें अपनी क्षमता के बारे में जानने में मदद मिलेगी।

स्पोर्ट्स ट्रेनिंग कैंप का समापन समारोह में वित्त सचिव ठकराल के उदगार

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान सरकार के वित्त सचिव नरेश कुमार ठकराल ने कहा कि सीमित साधनों में यूनियन फुटबॉल क्लब ने एक महीने तक स्पोर्ट्स ट्रेनिंग कैंप का सफल आयोजन किया। मैं विभिन्न टूर्नामेंट आयोजनों में यहां आता रहा हूं, जीवन में खुश रखने वाले चार तत्व हार्मोन्स खेल मैदान में खिलाड़ियों को स्वतः मिल जाते हैं। आगामी गुरुवार 20 जून को प्रातः 6 बजे यूनियन ग्राउंड में आयोजित होने वाले योग कार्यक्रम में शामिल होने के लिए श्री ठकराल ने हाथ खड़े करा कर सहमति ली। नरेश कुमार ठकराल ने क्लब सचिव महिपाल स्वामी, क्लब कोऑर्डिनेटर एवं स्पोर्ट्स ट्रेनिंग कैंप अभिनव स्वामी, कबड्डी कोच राजनारायण शर्मा, योग फिटनेस शिक्षक भव्या राजावत, ग्राउंड इंचार्ज विजयदीप, फुटबॉल कोच हर्षवर्धन, यशवर्धन आदि के योगदान को सरहरना की। उपस्थित अभिभावकों और खिलाड़ियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अंत में महिपाल स्वामी ने कहा कि, प्रशासन और शासन का निश्चछल सहयोग मिलता रहा तो आगामी आठ वर्षों में यूनियन फुटबॉल क्लब वर्ल्ड कप में भारतीय फूटबॉल टीम क्वालीफाई करा देगा।

टी-20 वर्ल्डकप

सूरत के इस पारसी क्रिकेटर का था लॉस एंजिल्स में राज, जादुई गेंदबाजी से तोड़ रखी थी अच्छे-अच्छों की कमर

नई दिल्ली, एजेंसी। 19वीं सदी के आखिर में दक्षिणीक्र कैलिफोर्निया में क्रिकेट की शुरुआत हुई, ये अमेरिका में इस खेल के शुरू होने के 200 साल बाद था। लेकिन वहां के लोगों ने इसे बहुत जल्दी अपना लिया। हर साल गर्मियों में मई के महीने में क्रिकेट का सीजन शुरू होता था। लॉस एंजिल्स, सांता मोनिका, सैन डिएगो और सैन फ्रांसिस्को (मध्य कैलिफोर्निया में) जैसे कई इलाकों की अपनी-अपनी लीग थीं। सीजन की शुरुआत लीग की टीमों के बीच अभ्यास मैचों से होती थी और अंत के करीब लॉस एंजिल्स की एक संयुक्त टीम उस इलाके के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों वाली सांता मोनिका 11 के साथ डुडली कप के लिए खेलती थी। साल दर साल क्रिकेट सीजन चलता रहा, कोई खास उलटफेर नहीं हुआ, लेकिन 1907 की गर्मियों में एक भारतीय की फिरकी गेंदबाजी ने सबको चौंका दिया।

इस भारतीय का था अमेरिका में जलवा - यह भारतीय थे मानेकजी जमशेदजी भुमगारा, जो सूरत के रहने वाले पारसी थे। लॉस एंजिल्स की अपनी लीग टीम के लिए उनकी गेंदबाजी धूम मचाने लगी। उन्हें ईस्ट इंडियन कहा जाता था और अखबारों में उनकी गेंद को घुमाने के हुनर की तारीफ की जाती थी। वह अक्सर एक ही पारी में विपक्षी टीम के 5 बल्लेबाजों को आउट कर देते थे और उनकी जीत में अहम भूमिका निभाते थे। कभी-कभी वह बल्लेबाजी में भी कमाल दिखाते थे। भुमगारा 1905 के आसपास लॉस एंजिल्स आए थे। अपने पहले सीजन में वह वहां की तीन लीग टीमों में से एक वांडरर्स के लिए खेले। 8 जुलाई 1907 को लीग के एक महत्वपूर्ण मैच में उनकी टीम मैरीलेबोन क्लब के खिलाफ खेली। भुमगारा ने 16 रन बनाए, उनकी टीम ने सिर्फ 59 रन बनाए - वह केवल तीन खिलाड़ियों में से एक थे जिन्होंने डबल फिगर स्कोर बनाया। उन्होंने 5 विकेट लिए और वांडरर्स ने टेस्ट (जिसमें सिर्फ एक-एक पारी होती थी) 6 रन से जीत लिया. उस पहले सीजन में भुमगारा ने लीग मैचों में

औसतन 5.2 रन देकर 20 विकेट लिए। सांता मोनिका 11 के खिलाफ टेस्ट मैचों में उन्होंने 5.5 की औसत से 11 विकेट लिए। अगले सीजन में वह मैरीलेबोन क्लब के लिए खेलने लगे, गेंदबाजी में उनका जलवा बरकरार रहा।

अपने इशारों पर बल्लेबाजों को नचाते थे - अखबारों में जिंगेरिस के खिलाफ उनके प्रदर्शन की खूब चर्चा हुई, जिंगेरिस लॉस एंजिल्स लीग की तीसरी टीम थी। भले ही उनकी टीम 4 रन से हार गई, लेकिन उन्होंने 5 विकेट लिए। लीग के एक और मैच में भी उन्होंने जिंगेरिस के खिलाफ 5 विकेट लिए, लॉस एंजिल्स टाइम्स ने लिखा कि अगर उनकी टीम के खिलाड़ियों ने इतने कैच नहीं छोड़े होते तो वह और विकेट ले सकते थे। उन दिनों ज्यादातर मैचों में कम रन बनते थे, बल्लेबाज डबर फिगर स्कोर मुश्किल से ही हासिल कर पाते थे। 1909 में भाम्पारा फिर से वांडरर्स के लिए खेले। अक्सर दूसरे इलाकों की टीमें दक्षिणी कैलिफोर्निया का दौरा करती थीं।

दक्षिणी कैलिफोर्निया में काफी लोकप्रिय हो चुका था खेल - दक्षिणी कैलिफोर्निया में अक्सर क्रिकेट टीमें आया करती थीं। 1908 में, एरिजोना के क्लिफ्टन क्रिकेट क्लब - जिसके ज्यादातर खिलाड़ी ब्रिटिश कंपनी एरिजोना कॉपर कंपनी के थे - लॉस एंजिल्स का दौरा करने आए और कई मैच खेले। भुमगारा ने शानदार गेंदबाजी की और 9 विकेट लिए (पहले मैच में ही उन्होंने 6 विकेट लिए) और लॉस एंजिल्स की टीम को मेहमानों को हराने में मदद की। उसी साल, सैन फ्रांसिस्को की एक टीम भी आई थी। उस वक्त तक, दक्षिणी कैलिफोर्निया में क्रिकेट काफी लोकप्रिय हो चुका था। अमेरिका में इससे पहले भी क्रिकेट क्लब हुआ करते थ। शायद सबसे पहला 1854 में बना फिलाडेल्फिया क्रिकेट क्लब था। भुमगारा न्यूयॉर्क से लॉस एंजिल्स के पासाडेना आए थे। 1904 में न्यूयॉर्क पहुंचने के दस्तावेजों से पता चलता है कि उनका जन्म 27 जुलाई 1878 को सूरत में हुआ था। वह इंग्लैंड जाने से पहले बॉम्बे गए थे, जहां वो 10 साल तक रहे (ज्यादातर लंदन और लिवरपूल में)। वह खुद को एक आर्ट मर्चेंट बताते थे।

चोटिल मुजीब उर रहमान टी20 विश्व कप से बाहर, जजई टीम में शामिल

एंटीगुआ, एजेंसी। अफगानिस्तान ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के शेष मैचों के लिए अपनी 15 खिलाड़ियों की टीम में बदलाव किया है। चोट के कारण ऑफ स्पिनर मुजीब उर रहमान टी20 विश्व कप से बाहर हो गए हैं। अफगानिस्तान की टीम हालांकि टी-20 विश्व कप टूर्नामेंट के सुपर आठ में पहुंच गई है। अफगानिस्तान की ऑफ स्पिनर 23 वर्षीय मुजीब हाल के वर्षों में टीम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है, जिसके नाम पर 46 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 59 विकेट हैं और प्रारूप में 6.35 की शानदार करियर इकोनॉमी है, लेकिन मुजीब ने ग्रुप सी में अफगानिस्तान के सिर्फ एक मैच में खेला। उसने युगांडा के खिलाफ तीन ओवरों में 16 रन देकर एक विकेट लिया।

ऑफ स्पिनर की दाहिनी तर्जनी के जोड़ की चोट इतनी गंभीर है कि मुजीब को टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ सकता है। आईसीसी की एक रिपोट में कहा गया है कि आईसीसी इवेंट टेक्निकल कमेटी ने मुजीब की जगह हजरतुल्लाह जजई को खिलाने के अफगानिस्तान के अनुरोध को मंजूरी दे दी है।

अफगानिस्तान की टीम- राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, अजमतुल्लाह उमरजई, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद इशाक, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, करीम जनत, नांग्याल खरोती, नूर अहमद, नवीन-उल-हक, फजलहक फारूकी, फरीद अहमद मलिक, हजरतुल्लाह ज़ज़ाई और रिजर्व में सेदिक अटल, सलीम सफ़ी हैं। टी-20 टूर्नामेंट के मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतिम ग्रुप मैच से पहले ही अफगानिस्तान सुपर आठ चरण के लिए क्वालीफाई कर चुका है। सुपर आठ मुकाबलों में उनका सामना भारत, ऑस्ट्रेलिया और ग्रुप डी में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से होगा।

कंफर्मः पाकिस्तान टी20 विश्वकप 2024 से बाहर

नईदिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम टी20 क्रिकेट विश्व कप 2024 में सुपर 8 में पहुंचने में फेल हो गई है। पाकिस्तान को यूएसए और भारत से मुकाबला गंवाना महंगा पड़ गया। शुक्रवार को फ्लोरिडा के लॉडरहिल में सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम टर्फ ग्राउंड में आयरलैंड और यूएसए का मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने से पाकिस्तान को घाटा पड़ा। पाकिस्तान को सुपर 8 में आगे बढ़ने के लिए यहां यूएसए की हार चाहिए थी लेकिन मुकाबला रद्द होने से यूएसए एक अंक लेकर सुपर 8 के लिए क्वालिफाई कर गया। पाकिस्तान के लिए एक बुरी खबर और भी है। उनका आगामी मुकाबला इसी लॉडरहिल के मैदान पर होना है। जहां आगामी दिनों में बारिश बताई जा रही है। अगर वह मुकाबला न हुआ तो पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में सिर्फ एक जीत के साथ ही बाहर हो जाएगा। पाकिस्तान के लिए यह बड़ा झटका होगा क्योंकि टी20 विश्व कप के पिछले 2022 संस्करण में वह इंग्लैंड के साथ फाइनल खेली थी।

ऐसे रहे पाकिस्तान के मुकाबले

बनाम यूएसएः सुपर ओवर में हारे- पाकिस्तान ने पहले खेलते हुए बाबर आजम ने 44 तो शादाब खान के 40 रनों की बदौलत 159 रन बनाए। जवाब में यूएसए ने मोनाक पटेल के 50, गौंस 35, एरोन जोंस 36 की मदद मैच टाई करवा लिया। सुपर ओवर में अफगानिस्तान ने पहले खेलते हुए 18 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 13 रन ही बना पाई और 5 रन से मुकाबला गंवा दिया।

बनाम भारतः 6 रन से हारे- भारतीय टीम ने पहले खेलते हुए ऋषभ पंत के 42 रनों की बदौलत 119 रन बनाए थे। नसीह और हारिस ने 3-3 विकेट निकाले। जवाब में पाकिस्तान की टीम 113 रन ही बना पाई। जसप्रीत बुमराह 4 ओवर में 14 रन देकर 3 विकेट लेने में सफल रहे।

बनाम कनाडाः 7 विकेट से जीते- कनाडा ने पहले खेलते हुए एरोन जोनसन के 52 रनों की बदौलत 106 रन ही बनाए। पाकिस्तान के लिए मोहम्मद आमिर और हारिस रऊफ ने 2-2 विकेट लिए। पाकिस्तान ने जवाब में खेलते हुए मोहम्मद रिजवान के 53 और बाबर आजम के 33 रनों की बदौलत जीत हासिल कर ली।

निष्कर्ष

पाकिस्तान को यूएसए और भारत से हार के कारण बड़ा घाटा पड़ा। वहीं, यूएसए की टीम कनाडा और पाकिस्तान पर जीत और आयरलैंड के खिलाफ मैच रद्द होने से अंक तालिका में पांच अंक बनाने में सफल रहा।

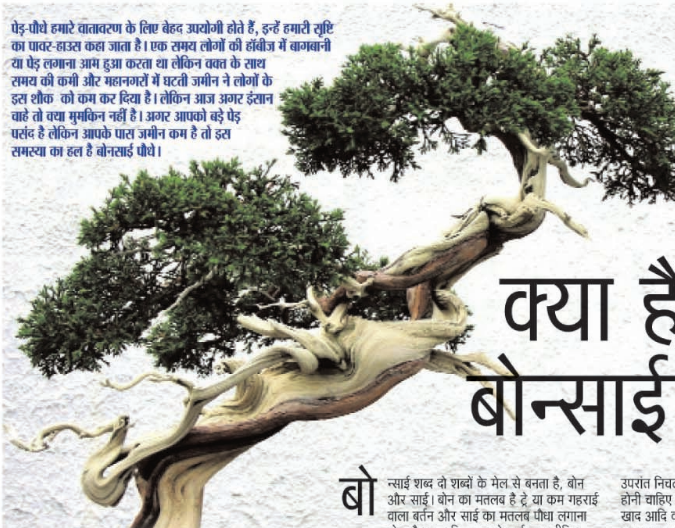

पेड़-पौधे हमारे वातावरण के लिए बेहद उपयोगी होते हैं, इन्हें हमारी सृष्टि का पावर-हाउस कहा जाता है। एक समय लोगों की हॉबीज में बागबानी या पेड़ लगाना आम हुआ करता था लेकिन वक्त के साथ समय की कमी और महानगरों में घटती जमीन ने लोगों के इस शौक को कम कर दिया है। लेकिन आज अगर इंसान चाहे तो क्या मुमकिन नहीं है। अगर आपको बड़े पेड़ पसंद है लेकिन आपके पास जमीन कम है तो इस समस्या का हल है बोनसाई पौधे।

बोनसाई का अर्थ बौना पेड़ होता है। जब हम एक सामान्य पेड़ को किसी गमले या छोटे स्थान पर उगाते है , जिससे उसके जड़ को ज्यादा फैलने की जगह नहीं मिलती है। तथा समय समय पर उस पेड़ की कटाई,छटाई की जाती है। जब पेड़ बढ़ नहीं पाता तो वह अपने ठिगने रूप में ही रह जाता है, तथा उसमें समय आने पर फल,फूल भी आने लगता है। अतः किसी पेड़ के प्राकृतिक वृद्धि को रोककर उसको कृत्रिम रूप से छोटा या बौना कर दिया जाता है तो उसे बोनसाई कहते हैं।

क्या है बोन्साई कला?

बोन्साई की कहानी

पेड़ों का बोन्साई रूप आजकल खास चलन में है। लोगों के बीच यह कौतूहल का विषय भी है कि आखिर बरगद, आम, नीम जैसे विशाल पेड़ों के बोन्साई बनते कैसे हैं। इनमें फल और बीज भी होंगे क्या? इसके पीछे का विज्ञान क्या है?

क्या होते हैं बोनसाई पौधे?

साधारण भाषा में समझा जाए तो बड़े पौधों को एक छोटे आकार में करने की कला को ही बोनसाई समझा जाता है। इस प्रकिया में पौधों को इस हिसाब से काटा-छांटा जाता है कि वह अपनी मूल विकास को प्राप्त ना कर एक छोटे आकार में ही रहते है लेकिन उनके अंदर खूबियां एक भरे पेड़ की तरह ही होती है। एक विकसीत फल देना वाला बोनसाई पेड़ पर आपको फल भी देखने को मिलेंगे और उसकी ऊंचाई महज कुछ सेंटीमीटर होगी।

बोनसाई पौधों के फायदे

बोनसाई पौधे ना सिर्फ कम जगह में एक भरे-पूरे पेड़ के होने का अहसास देते हैं बल्कि यह भी अन्य पेड़ों की तरह ऑक्सीजन को छोड़ते हैं और कम ही सही कुछ हद तक वातावरण की मदद करते हैं। बोनसाई पौधे को मेंटेन करना कई लोग मुश्किल का काम समझते हैं लेकिन यह अधिक जटिल प्रकिया नहीं है। अगर आपको कुछ हद तक पेड़-पौधों के रखवाली आती है तो आप आराम से इन पेडों से जुड़ सकते हैं।

देख-रेख है बेहद जरूरी

यह थोड़ी मेहनत, थोड़े प्रयास और ज्यादा धैर्य की माँग करता है। नए उगे पौधे को बोन्साई बनाने के लिए कोकोपिट 2, रेत, और गोबर की खाद मिलाकर खास भुरभुरी बनाई गई मिट्टी और उथले बर्तन की जरूरत होती है। बोन्साई पेड़ के आकार पर मत जाइएगा, इनको पौधे से पेड़ बनने में सामान्य पेड़ों से तो कम पर बरसों लग जाते हैं। पेड़ को सघन एवं मनचाहा विशेष आकार का बनाने के लिए उसकी शाखाओं को बढ़ते ही लगातार काटते जाना होगा। जितनी ऊँचाई का बोन्साई आप चाहते हैं वह प्राप्त कर लेने के बाद आप उस पर आने वाली नई कोपलों को काटते जाएँगे ताकि वह और ऊँचा न हो, बल्कि उसी ऊँचाई पर फैलता जाए और सघन दिखे। इस तरह पेड़ की लम्बाई में वृद्धि नहीं होती पर चौड़ाई में वह फैलता जाता है।

जड़ें और रिपॉटिंग

बोन्साईकरण की प्रक्रिया में पौधों को समय-समय पर नए बर्तन में स्थानान्तरित करना होता है जिसे रिपॉटिंग कहते हैं। यह रिपॉटिंग अलग-अलग पौधों के लिए 6 महीने से लेकर 1 साल, 2 साल, 3 साल या 4 साल तक में की जाती है। रिपॉटिंग की प्रक्रिया में पेड़ की जड़ों की कटाई भी की जाती है और उसे किसी बड़े पात्र में स्थानान्तरित किया जाता है। बड़े पात्र में जड़ें थोड़ा और वृद्धि कर पाएँगी। पेड़ के विकास में जड़ की महत्वपूर्ण भूमिका होती है क्योंकि भोज्य पदार्थ और पोषक तत्वों के लिए पत्तियों के साथ-साथ जड़ भी अहम भूमिका निभाती हैं। जड़ में ऐसे रासायनिक तत्व 'सायटोकिनिन' का निर्माण होता है जो काफी हद तक तने की लम्बाई को बढ़ाने को उत्तेजित करते हैं। इसलिए बोन्साईकरण में शाखाओं को नियंत्रित और व्यवस्थित करने के साथ लगातार जड़ों पर भी काम करना होता है। जब पेड़ बढ़ रहा होता है तो उसकी जड़ें भी बढ़ती हैं। ऐसे में उनके पात्र बदलने के दौरान जड़ों की भी छँटाई करते जाते हैं। इस तरह जड़ें लम्बी होने की बजाय घनी और मांसल होती जाती हैं। कई पेड़ों जैसे वट और पीपल में इन मांसल जड़ों का कुछ हिस्सा मिट्टी से बाहर उभार देते हैं जो पेड़ के प्राचीन होने का आभास देता है। दोनों सिरों, यानी जड़ और तने के शिखर को लगातार काटते रहने से तना लम्बा होने की बजाय चौड़ा और मांसल होता जाता है। अब तक में आप जड़ों को छाँट-छाँट कर इतना छोटा कर चुके होते हैं कि उसे एक छोटे और उथले पात्र में लगाया जा सके। उथला बर्तन इसलिए ताकि गहराई में वो मनमाने रूप से न बढ़ सकें।

बोन्साई शब्द दो शब्दों के मेल से बनता है, बोन और साई। बोन का मतलब है ट्रे या कम गहराई वाला बर्तन और साई का मतलब पौधा लगाना होता है। कुल मिलाकर बोन्साई एक जीवित शिल्पकला है, जिसका इतिहास और शुरूआत सदियों पुरानी है। कुछ लोगों का मानना तो यह है कि प्राचीन काल के दौरान वैद्य और ऋषि लोगों को रोगियों के इलाज के लिए जो औषधियां तैयार करने के लिए वृक्ष- पौधों के हिस्से चाहिए होते थे, उन्हें एकत्र करने के लिए जंगल में जाना पड़ता था और बार बार जंगर में भटकने से उन्हें आवश्यक पौधों के बीज और कलमें आदि गमलों में लगाना शुरू कर दिया था और धीरे-धीरे यह ढंग तरीका बोन्साई कला में परिवर्तित हो गया। इतिहासकारों का मानना है कि बोन्साई कला की शुरूआत पुरातन एशियाई सभ्याचार में से हुई। चीन देश में से इसकी उपज मानी जाती है और इसका विकास जापान में हुआ जो समय के चलते पूरे विश्व में मकबूल हो गया। इस कला की मकबूलियत में बुद्ध धर्म के लोगों और मंगोल जाति के लोगों ने भी अपना योगदान दिया। बोन्साई कला में तैयार किया विश्व का सबसे पुराना पौधा जापान के टोक्यो शहर में मौजूद है और उसकी उम्र तकरीबन 500 वर्ष से भी अधिक मानी जाती है और इसे जापानी लोगों के लिए राष्ट्रीय खजाना समझा जाता है। भारत में इंडियन बोन्साई सोसाइटी सन 1972 में बोम्बे यानि मुंबई शहर में स्थापित की गई। सन 1990 के दौरान भारत में पहला बोन्साई गार्डन कमला नेहरू पार्क, मुंबई में बनाया गया।

सरल शब्दों में यदि हम बात करें तो बोन्साई का मतलब बड़े-बड़े पीपल, बरगद, नीम, इमली आदि जैसे पौधों को छोटे गमलों में उगाया जाता है। पर यह सिर्फ कला तक सीमित ना होकर तकनीकी और वैज्ञानिक काम भी है। किसी भी पीपल, बरगद जैसे पौधे को कम गहराई वाले गमले में लगाने के लिए बोन्साई तैयार नहीं हो जाती। सबसे पहले तो यह बात साफ होनी चाहिए कि जो पौधा तैयार करना है, उसे आकार कौन सा देना है। यह काम एक-दो वर्ष तक सीमित नहीं होता। इस बेहतरीन बोन्साई तैयार करने के लिए वर्षों की मेहनत लगती है। इसलिए, हमें यह पता होना चाहिए कि वर्षों की मेहनत के उपरांत हमारे बनाए बोन्साई का आकार कैसा होगा।

गमलों का चयन

बोन्साई के लिए आम गमले नहीं प्रयोग किए जाते। विशेष कर उनकी गहराई बहुत ज्यादा नहीं होती, परंतु वे गोलाकार, अंडाकार, चौकन्ने, छकन्ने आदि किसी भी दिखावट वाले हो सकते हैं।

पौधों का चयन

बोन्साई तैयार करने के लिए पौधे का चयन सबसे अहम हिस्सा है क्योंकि हर पौधे का विकास और दिखावट अलग होती है और हर पौधे को बोन्साई रूप नहीं दिया जा सकता। हमारी वातावरण स्थितियों में जिन पौधों का प्रयोग किया जा सकता होता है, वह है - पीपल, बरगद, पिलकन,चिलकन, शहतूत, चील, आड़ू, अनार, नारंगी, चाईना रोज, विस्टीरिया, जूनीपरस, करौंदा, नीम, आम, बोगनविलीया, अडीनीयम, बोतलब्रश आदि मुख्य रूप में हैं।

पौधे लगाना

गमलों में सिर्फ मिट्टी ही नहीं डाली जाती बल्कि गमले में मौजूद छेद को ढकने के उपरांत निचली सतह बहुत बारीक कंकड़ पत्थर आदि की होनी चाहिए और उसके बाद मिट्टी गली हुई गोबर की खाद आदि का मिश्रण तैयार करने के उपरांत ही पौधा लगाया जाता है।

पौधे लगाने के बाद ही असली काम शुरू होता है कि उसकी कांट-छांट समय से सही ढंग से करनी चाहिए। कुछ समय बाद जड़ों का गुच्छा बन जाता है, फिर री-पोटिंग की जरूरत पड़ती है और भाव यह कि पौधे को गमले में से बाहर निकालकर उसकी अतिरिक्त जड़ों की कांट -छांट की जाती है। खाद का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए ताकि वृद्धि ठीक तरीके से हो। पौधे को खूबसूरत और विलक्षण दिखावट देने के लिए वायरिंग यानि तारों की लपेट की जाती है, जिसके लिए तांबे या एल्युमीनियम की तार का प्रयोग किया जाता है। सभी कामों को सही रूप में करने के लिए अनेकों तरह के औजारों की जरूरत पड़ती है, जो मार्केट में आसानी से मिल जाते हैं। गर्मी-शरद ऋतु के हिसाब को देखते ही पानी लगाया जाता है। सभी काम सही ढंग से करने के बाद यह बात भी बहुत अहम है कि पौधों को प्रदर्शित किस तरह किया जाए ताकि आपका और हर देखने वाले का मन मोह ले। बोन्साई बनाना बहुत कठिन काम नहीं है। पर सब्र और मेहनत इसकी मुख्य जरूरतें हैं या फिर आप मोटी रकम खर्च करके बने बनाए बोन्साई बाजार यानि बड़ी नर्सरियों में से खरीदकर अपनी इच्छा पूरी कर सकते हैं।

कला के रूप में खुद को प्रकृति से जोड़कर रखने का आकर्षक और आधुनिक माध्यम है बोन्साई

बोनसाई एक ऐसी कला है, जिसमे बड़े-बड़े वृक्षों को छोटे-छोटे गमलों में बिल्कुल उसी रूप में लगाया जा सकता है जैसे वे अपने प्राकृतिक रूप में दिखते हैं। बोनसाई पौधों को गमलों में इस तरह उगाया जाता है, जिससे उनका प्राकृतिक रूप तो बना रहता है मगर वे आकार में छोटे यानी बौने रह जाते हैं। अगर तुम भी घर में पेड़-पौधे लगाने के शौकीन हो मगर जगह की कमी से परेशान हो, तो इस तकनीक का उपयोग कर अपने घर में हरा भरा बगीचा बना सकते हो। इन पौधों को पूरे घर में कहीं भी रखा जा सकता है।

कहां उगाएं बोनसाई

बोनसाई बनाने से पहले मूल वृक्ष को जरूर देखना चाहिए. ताकि यह पता चल जाए कि एक पूर्ण विकसित वृक्ष किस आकृति का होता है। इससे पौधे को सही रूप देने में मदद मिलेगी। बोनसाई के लिए उथले गमलों का इस्तेमाल किया जाता है। इनकी जड़ों के आसपास मिट्टी कम होती है, अत: वर्गाकार, आयताकार, गोलाकार, अंडाकार और उथले गमले इन पौधों के लिए अच्छे रहते हैं। पेंदी में अनेक छोटे छेद होने चाहिए ताकि अतिरिक्त पानी उनसे निकल सके और जड़ों को हवा मिलती रहे। गमलों में मिट्टी, पत्ती की खाद और बालू रेत की बराबर मात्र मिला कर मिश्रण तैयार कर इसमें पौधे को लगाया जाता है।

क्या है धारणा

बोनसाई के संबंध में एक गलत धारणा यह है कि उसे कम मात्र में पोषक तत्व देने चाहिए जिससे उसका कम विकास हो। मगर असल में इसे भी किसी सामान्य पौधे के जितनी ही पोषक तत्वों की जरूरत होती है। अत: इसे खाद युक्त पानी बार-बार देते रहना चाहिए और साथ ही इसकी काट-छांट करते रहना चाहिए। कटाई-छंटाई का मुख्य उद्देश्य पौधे को आकार देना होता है। बोनसाई को लकड़ी आदि का सहारा नहीं देना चाहिए। पतली शाखाओं को सही दिशा देने के लिए तांबे या एल्यूमिनियम के तारों का इस्तेमाल किया जाता है। शाखाओं के मजबूत हो जाने के बाद इन तारों को हटा दिया जाता है। इसे ऐसी जगह रखना चाहिए जहां इसे पर्याप्त मात्र में धूप मिल सके। कुछ साल बाद गमले की मिट्टी बदलने की जरूरत पड़ती है क्योंकि उसमें जरूरी पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। इस समय जड़ों के अतिरिक्त फैलाव को भी काट कर कम कर देना चाहिए। बोनसाई के शौकीन इंडियन बोनसाई एसोसिएशन के सदस्य भी बन सकते हैं।

सभी पेड़ों के लिए है यह तकनीक

बोनसाई के लिए पेड़ों का चुनते समय उनकी फूलों की सुंदरता कलियों और पत्तियों का रंग-रूप आदि का विशेष ध्यान रखा जाता है। अनार, आम, अमलताश, अमरूद, नीम, आंवला, बरगद, संतरा, सेमल, गूलर, गुलमोहर, पीपल, जकरेंडा, लीची, चीड़, नीम, नींबू, केसिया प्रजाति के अलावा पतझड़ वृक्ष जैसे ओक, बेर, बर्च, देवदार, फर, नाशपती, सेमल, चमेली, बोगनवेलिया आदि सभी बोनसाई के लिए उपयुक्त हैं।

चालाक गधा

गधे ने कहा, "महाराज, आप जंगल के राजा हैं, दूर दूर के जंगलों में भी आपकी इतनी प्रतिष्ठा है। फिर भी आप पैदल चलते हैं, यह अच्छा नहीं लगता है। आपकी अपनी सवारी होनी चाहिए। आप ऐसा करें कि एक मुकुट पहन लें और मेरी पीठ पर बैठ जाएं। आपको जहां जाना होगा, मैं आपको लेकर चलूंगा।

चंदन जंगल में एक शेर रहता था। वह रोज किसी न किसी जानवर को मारकर खा जाता था। सभी जानवर उससे डरते थे।

एक बार जंगल के सभी जानवरों ने सभा की और यह तय किया कि एक जानवर रोज खुद ही शेर के पास चला जाए, ताकि शेर उसे खाकर अपना पेट भर सके और फिर अन्य जानवर बिना डरे जंगल में घूम-फिर सकें। जंगल के जानवरों ने जब अपनी यह योजना शेर को बताई, तो शेर ने सोचा कि जब एक जानवर खुद ही रोज उसके पास आ जाएगा, तो बड़े आराम से उसका पेट भरता रहेगा। वह चैन की नींद सोया करेगा।

जंगल में ईमानदारी से एक जानवर अपनी बारी के अनुसार शेर के पास जाता रहा और शेर उसे खाकर अपना पेट भरता रहा। एक बार शेर के पास जाने की बारी एक गधे की आई। वह उसे खाने ही वाला था कि गधे ने कहा, ''महाराज, अगर आप मुझे नहीं मारेंगे, तो मैं आपके बहुत काम आऊंगा।''

शेर बहुत जोर से हंसा और बोला, ''हा-हा! एक मूर्ख गधा भला मेरे क्या काम आएगा?''

गधे ने कहा, ''महाराज, आप जंगल के राजा हैं, दूर दूर के जंगलों में भी आपकी इतनी प्रतिष्ठा है। फिर भी आप पैदल चलते हैं, यह अच्छा नहीं लगता है। आपकी अपनी सवारी होनी चाहिए। आप ऐसा करें कि एक मुकुट पहन लें और मेरी पीठ पर बैठ जाएं। आपको जहां जाना होगा, मैं आपको लेकर चलूंगा। इससे आपकी प्रतिष्ठा बहुत बढ़ जाएगी और आसपास के जंगलों के जानवर भी आपकी इज्जत करने लगेंगे।

शेर ने सोचा, 'गधा बात तो सही कह रहा है। मैं इतना बड़ा राजा हूं और पैदल चलता हूं , क्यों न गधे की बात मान लूं।''

अब गधा उसके लिए लताओं और पत्तों से एक मुकुट बना लाया और वह शेर को पहना दिया। अब शेर को जहां भी जाना होता, तो वह मुकुट पहनकर गधे की पीठ पर अकड़कर बैठ जाता। शेर को खाने की कोई चिंता तो थी नहीं, रोज एक जानवर खुद ही उसका भोजन बनने के लिए चला आता था।

कई महीने ऐसे ही गुजर गए। एक दिन जंगल के बीचोबीच जहां अनेक जानवर इकट्ठे थे, गधे ने शेर को अपनी पीठ से गिरा दिया। शेर को बहुत गुस्सा आया।

शेर ने क्रोध में भरकर पूछा, ''अरे गधे! तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई कि तुमने मुझे गिरा दिया, मैं तुम्हें मारकर खा जाऊंगा।''

इस पर गधे ने शेर को एक दुलत्ती मारी और कहा, ''मुझे मारकर तो तब खाओगे मूर्ख शेर, जब तुम मुझे पकड़ पाओगे, मुझे पकड़कर तो दिखाओ।'' यह कहकर गधा वहां से भाग खड़ा हुआ।

और यह क्या, शेर गधे के पीछे भाग ही नहीं पाया। उसे अपने पैरों में शक्ति ही महसूस नहीं हो रही थी। उसके पैर अत्यंत कमजोर हो चुके थे। गधा उससे कुछ दूर खड़ा मुसकरा रहा था। अन्य जानवर शेर की हालत देखकर हंस रहे थे। धीरे-धीरे जंगल के सभी जानवरों को यह खबर हो गई कि शेर के पैर कमजोर हो चुके हैं। अब वह किसी भी जानवर का शिकार नहीं कर सकता है।

अब जंगल के जानवरों ने शेर के पास जाना भी छोड़ दिया। इस तरह शेर भूख से तड़पकर मर गया। जंगल में हर तरफ हंसी-खुशी का वातावरण हो गया।

संक्षिप्त समाचार

हूती विद्रोहियों पर अमेरिका का बड़ा एक्शन; हमले में सात रडार, दो जहाज और ड्रोन किया नष्ट

वॉशिंगटन , एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों के खिलाफ अमेरिकी सेना ने बड़ा एक्शन लिया है। यमन में पिछले 24 घंटे में अमेरिकी सेना ने हूती विद्रोहियों के सात रडार, एक ड्रोन और दो बिना चालक दल वाले जहाजों को नष्ट किया है। बता दें कि हूती विद्रोही लाल सागर में जहाजों को लगातार निशाना बना रहे हैं। दो दिन पहले ग्रीक के एक जहाज पर हूती विद्रोहियों ने हमला किया था। अमेरिका ने यह कदम इस हमले के बाद उठाया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक्स पर लिखा कि यह रडार हूती विद्रोहियों को समुद्री जहाजों को निशाना बनाने और वाणिज्यिक शिपिंग को खतरे में डालने में मदद पहुंचाते थे। हाल ही में हूती विद्रोहियों ने संयुक्त राष्ट्र के नौ कर्मियों को भी बंदी बना लिया था। ये सभी कर्मी यमन के ही रहने वाले हैं। बंदियों में एक विशेष दूत और महिला भी शामिल है। बता दें कि गाजा में इजरायली हमले के खिलाफ पिछले सात महीने से हूती विद्रोही लाल सागर से गुजरने वाले जहाजों को निशाना बना रहे हैं।

21 जून को भारत के दौरे पर आएंगी प्रधानमंत्री शेख हसीना

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना 21 जून को भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आएंगी। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करना है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि हसीना 22 जून को पीएम नरेंद्र मोदी के साथ व्यापक बातचीत करेंगी।

दलाई लामा से मिलने अगले सप्ताह भारत आएगा अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल

वाशिंगटन , एजेंसी। यूएस हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के अध्यक्ष माइकल मैककॉल और पूर्व हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी समेत अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल अगले सप्ताह तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा से मिलने के लिए धर्मशाला पहुंचेगा। अमेरिकी कांग्रेस ने इस महीने तिब्बत की स्थिति और शासन पर विवाद के शांतिपूर्ण समाधान के लिए एक कानून पारित किया है, जिसमें दलाई लामा के साथ बातचीत फिर से शुरू करने का बीजिंग से आह्वान किया है। प्रतिनिधिमंडल 18 और 19 जून को धर्मशाला में होगा।

रूस और मिस्र भूमध्य सागर में करेंगे संयुक्त नौसैनिक अभ्यास

मास्को, एजेंसी। रूस के पैसिफिक फ्लीट (प्रशांत महासागर में रूसी नौसेना का बेड़ा) के दो युद्धपोत भूमध्य सागर में मिस्र की नौसेना के साथ संयुक्त युद्धाभ्यास में भाग लेंगे। रूसी रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को इसकी घोषणा की।
समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने मंत्रालय के हवाले से बताया कि मिसाइल क्रूजर वर्याग और फ्रिगेट मार्शल शापोशनिकोव सहित पैसिफिक फ्लीट के लड़ाकू जहाजों का एक समूह मिस्र की नौसेना के साथ संयुक्त अभ्यास में भाग लेने के लिए मिस्र के बंदरगाह अलेक्जेंड्रिया के लिए रवाना हो गया है। मंत्रालय ने बताया कि अभ्यास के दौरान मिस्र की नौसेना का प्रतिनिधित्व फ्रिगेट ईएनएस अल-कादिर द्वारा किया जाएगा। अभ्यास पैसेक्स (पैसेज एक्सरसाइज) प्रारूप में आयोजित किया जाएगा, जो विभिन्न देशों के बेड़ों के बीच युद्ध समन्वय तकनीकों में महारत हासिल करने पर केंद्रित है। अभ्यास में संयुक्त युद्धाभ्यास, संचार प्रशिक्षण और निरीक्षण कार्रवाई जैसे तत्व शामिल होंगे।

अमेरिका के 'एम्यूजमेंट पार्क में अचानक झूला हो गया खराब, उल्टे लटके 30 लोग

पोर्टलैंड, एजेंसी। अमेरिका के ओरेगन राज्य के मनोरंजन पार्क में दर्जनों मेहमान उद्घाटन के दिन झूले में खराबी के कारण हवा उल्टे लटके रह गए। झूले में खराबी पार्क के गर्मियों के लिए खुलने के पहले दिन आई। अधिकारियों ने कहा कि मदद आने तक लगभग 30 लोग उल्टे लटके रहे। आपात सेवा के कर्मियों ने एक विशाल झूले में खराबी आने के कारण बीच हवा में करीब आधे घंटे तक लटके रहे 30 लोगों को सुरक्षित बचा लिया। यह झूला एक दशक पुराने 'एम्यूजमेंट पार्क में लगा हुआ था। अग्निशमन सेवा 'पोर्टलैंड फायर एंड रेस्क्यू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर कहा कि दमकल कर्मियों ने 'ओक्स पार्क के इंजीनियरों के साथ मिलकर झूले को नीचे उतारा और साथ ही जरूरत पड़ने पर रस्सी के सहारे लोगों को नीचे उतारने के भी इंतजाम किए गए थे। इसने कहा कि झूले पर सवार सभी लोगों को नीचे उतार लिया गया और सभी लोग सुरक्षित हैं। पास के अन्य झूले पर सवार लोगों ने घटना का वीडियो बनाया जिसमें 'एटमॉसफियर नामक झूला हवा में रुका हुआ दिखाई देता है।

शरीर के अंग हमेशा वहां नहीं होते जहां उन्हें होना चाहिए

लंदन, एजेंसी।
शरीर में अंग अमूमन एक निर्धारित क्रम और स्थिति में होते हैं। जब कुछ स्थितियों का निदान करने की बात आती है तो यह उपयोगी होता है। उदाहरण के लिए, एपेंडिसाइटिस या पित्ताशय की पथरी से पीड़ित कोई भी व्यक्ति आपको सटीक रूप से बता देगा कि उसे दर्द कहां हो रहा है। हालाँकि, कभी-कभी अंग गलत स्थान पर पहुँच जाते हैं। यह खुलासा किया है एडम टेलर, प्रोफेसर और निदेशक, क्लिनिकल एनाटॉमी लर्निंग सेंटर, लैंकेस्टर यूनिवर्सिटी ने। उन्होंने अपनी एक रिसर्च रिपोर्ट में बताया कि विकासात्मक रूप से, सबसे बड़ी एकल अंग असामान्यताओं में से एक डेक्सट्रोकार्डिया है जहां हृदय थोड़ा बाईं ओर (लेवोकार्डिया के रूप में जाना जाता है) होने के बजाय, दाईं ओर मुड़ जाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह काफी दुर्लभ घटना है, लगभग 12,000 लोगों में से एक का जन्म इसी तरह होता है। जहां किसी अन्य असामान्यता के अभाव में ऐसा होता है, वहां इस अवस्था वाले लोग सामान्य जीवन जीएंगे, बस एकमात्र लक्षण ईसीजी पर एक अलग रीडआउट होगा। कुछ लोगों में, पेट और वक्ष की सारी सामग्री विपरीत दिशा में पलट सकती है, इसे साइटस इनवर्सस टोटलिस के रूप में जाना जाता है। गायक डॉनी ओसमंड और एनरिक इग्लेसियस की भी यही स्थिति है, अभिनेत्री कैथरीन ओहारा की भी। ओसमंड की इस स्थिति का पता तब चला जब उनके एपेंडिसाइटिस को नजरअंदाज कर दिया गया क्योंकि उन्हें सामान्यत- दाईं तरफ महसूस होने वाला दर्द बाईं ओर अनुभव हुआ। कभी-कभी विकास संबंधी समस्या के बजाय संरचनात्मक समस्या के कारण शरीर के कुछ हिस्से गलत जगह पर होते हैं। हर्निया में पेट के अंगों को छाती में या उस गुहा के बाहर देखा जा सकता है जिसमें वे स्थित होने चाहिए।

हमारे डायाफ्राम में मांसपेशियों की एक शीट होती है, जो हमें सांस लेने में मदद करती है, रक्त वाहिकाओं और हमारे अन्नप्रणाली को अंदर जाने देती है। डायाफ्राम वक्षीय अंगों को छाती में और पेट के अंगों को पेट में भी रखता है। हालाँकि, कुछ परिस्थितियों में, ये छिद्र कमज़ोर हो सकते हैं, या दबाव में वृद्धि (खाँसी, छींकना या तनाव) इनके माध्यम से चीज़ें अपनी जगह से हिल सकती है। यकृत, छोटी आंत के हिस्से और बृहदान्त्र छाती में समा सकते हैं। आमतौर पर, पेट का हिस्सा अन्नप्रणाली की शुरूआत के माध्यम से हर्निया से प्रभावित होता है। यह हायटस हर्निया बहुत आम है, चार में से एक व्यक्ति को 40 वर्ष की आयु तक यह समस्या हो जाती है। 50 वर्ष से अधिक उम्र के 55 से 60त्न लोगों में यह होता है, लेकिन कई लोगों में कोई लक्षण नहीं होते हैं। 50 वर्ष से अधिक उम्र के आधे से अधिक लोगों को हायटस हर्निया होता है।

हायटस हर्निया महिलाओं और अधिक वजन वाले लोगों में अधिक आम है। इनमें से एक प्रकार का हर्निया खतरनाक हो सकता है- पैराओसोफेजियल हर्निया पेट में रक्त की आपूर्ति को बाधित कर सकता है। उन्हें आपातकालीन सर्जरी की आवश्यकता होती है। हर्निया का एक अन्य वर्ग वंक्षण हर्निया है। इस स्थिति में, आंत के टुकड़े सीधे पेट के निचले हिस्से में वंक्षण नलिका में इसके खुले भाग के माध्यम से प्रवेश कर सकते हैं और संभावित रूप से कमर में फैल सकते हैं। वंक्षण हर्निया पुरुषों में अधिक आम है, 3त्न महिलाओं की तुलना में 27त्न को अपने जीवनकाल में इसका अनुभव होने की संभावना होती है। कुछ मामलों में, विशाल हर्निया घुटनों के स्तर तक पहुंच सकता है। एक अलग प्रकार की वंक्षण हर्निया प्राकृतिक मार्ग के बजाय कैनाल की दीवार के माध्यम से फैल सकता है।यह दुर्लभ है और वृद्ध पुरुष रोगियों में अधिक आम है। अन्य अंग प्रोलैप्स के माध्यम से गलत स्थान पर पहुंच सकते हैं, विशेषकर महिलाओं में जहां गर्भाशय योनि में फैल सकता है। सबसे गंभीर स्थिति में, यह योनि से बाहर निकल सकता है। यह गर्भावस्था और प्रसव के दौरान हो सकता है और एक गहन जोखिम पैदा करता है। गर्भाशय के आगे बढ़ने के जोखिम कारकों में एकाधिक योनि प्रसव, अधिक वजन होना, पुरानी कब्ज और अधिक उम्र शामिल हैं। यद्यपि अंगों और संरचनाओं का गलत स्थान पर होना अप्रिय लग सकता है, लेकिन इनमें से कई स्थितियों का निदान और उपचार करने की हमारी क्षमता ने उनसे पीड़ित कई लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया है।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में बोले सचिन पायलट- बीजेपी को अहंकार ले डूबा

लंदन, एजेंसी। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीए सचिन पायलट ने इन दिनों इंग्लैंड दौरे पर हैं। उन्होंने शुक्रवार को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के ब्लावात्निक स्कूल ऑफ गवर्नमेंट के स्टूडेंट्स और टीचर्स से संवाद किया।सचिन पायलट ने भाजपा के अबकी बार 400 पार के नारे पर तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने जिस तरह अहंकार में आकर 400 सीट जीतने का नारा दिया, उसमें घमंड झलक रहा था। पायलट ने कहा कि बीते 10 साल में सरकार ने एकतरफा फैसले लेने की कोशिश की है। उन्होंने नोटबन्दी को बिना तैयारी के लिया गया निर्णय बताया और कहा कि जिस तरह बिना तैयारी के नोटबन्दी की गई, उसके खराब परिणाम आए. लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पायलट ने आरोप लगाया कि भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की छवि खराब करने के कई प्रयास किए. पायलट ने कहा- राहुल गांधी की छवि खराब करने के लिए भाजपा और उनके समर्थक मीडिया ने कई संसाधन झोंके। सोशल मीडिया समेत कई जगहों पर राहुल गांधी की छवि खराब करने के प्रयास हुए।

बीजेपी के खराब प्रदर्शन की वजह बताई

सचिन पायलट ने भाजपा के कमजोर प्रदर्शन के पीछे के कारण भी गिनाए. उन्होंने कहा भाजपा की नीतियों से जनता परेशान हो गई थी। बीते 10 साल के शासन में पार्टी ने एकतरफा फैसले किए थे। अग्निवीर योजना को लेकर युवाओं में भारी आक्रोश था। 400 पार का नारा देकर भाजपा ने अहंकार झलकाया। इसके अलावा, बिना तैयारी के ही नोटबंदी कर दी गई थी। इसके नतीजे काफी खराब आए। सचिन पायलट ने अयोध्या (फैजाबाद) में भाजपा की हार का भी जिक्र किया।

अब और नहीं होगा न्यायपालिका में सरकार का हस्तक्षेप

लाहौर हाई कोर्ट के सीजेआई ने कहा- बिना किसी डर से काम कर रहा देश का न्यायालय

इस्लामाबाद , एजेंसी।
लाहौर हाई कोर्ट में न्यायिक मामलों में सरकार के हस्तक्षेप को लेकर सुनवाई हुई। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मलिक शहजाद अहमद खान ने इस पर अपना फैसला सुनाया है। उन्होंने कहा कि न्यायिक मामलों में सरकार का हस्तक्षेप जल्द ही समाप्त हो जाएगा। न्यायपालिका में हस्तक्षेप से इस विश्वास के साथ लड़ना होगा कि यह जल्द ही समाप्त हो जाएगा।

लाहौर हाई कोर्ट के जज ने विचार व्यक्त किया और बताया कि न्यायपालिका बिना किसी डर या लालच के अपनी जिम्मेदारियों को पूरा कर रही है। न्यायाधीश ने सुनवाई करते हुए कहा कि न्यायपालिका में सरकार का हस्तक्षेप समाप्त हो जाएगा और मेरा अनुभव मुझे बताता है कि यह जल्द ही समाप्त हो जाएगा।

मुख्य न्यायाधीश की यह टिप्पणी इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) के छह न्यायाधीशों की तरफ से 25 मार्च को सुप्रीम कोर्ट को लिखे एक पत्र के बाद आई, जिसमें खुफिया एजेंसियों पर न्यायिक मामलों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया गया था।

इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा से न्यायिक जिम्मेदारियों में सरकार के हस्तक्षेप या न्यायाधीशों को इस तरह से डराने की जांच करने के लिए एक न्यायिक सम्मेलन बुलाने के लिए कहा था। बताया जा रहा है इसके बाद न्यायपालिका की स्वतंत्रता खतरे में पड़ गई थी।

हाल ही में पाकिस्तान हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने दावा किया था कि उन्हें देश के कुछ संस्थानों की ओर से न्यायपालिका में हस्तक्षेप के बारे में लिखित और मौखिक दोनों रूप से शिकायतें मिली हैं। मुख्य न्यायाधीश शहजाद अहमद ने कहा था हमें संस्थानों के खिलाफ शिकायत मिली हैं कि वो न्यायपालिका में हस्तक्षेप कर रहे हैं,

ताइवान की सीमा में घुसे 12 चीनी विमान

15 दिन में 125 बार लड़ाकों जहाजों को किया गया डिटेक्ट

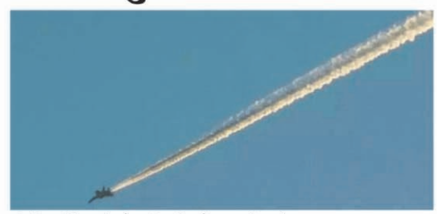

ताइपे , एजेंसी।
ताइवान और चीन के बीच युद्ध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। अब एक बार ताइवान ने अपनी सीमा के आसपास 12 चीनी सैन्य विमानों और आठ नौसैनिक जहाजों को डिटेक्ट किया। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने इस बात की जानकारी दी है। रक्षा मंत्रालय ने इस मामले को लेकर एक्स पर बयान शेयर किया है।

रक्षा मंत्रालय ने लिखा, 12 चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) विमानों में से सात ने ताइवान के एडीआईजेड एयर डिफेंसआइडेंटिफिकेशन जोन में एंटर किया। इसके बाद ताइवान ने पीएलए गतिविधि पर नजर रखने के लिए विमान और नौसैनिक जहाज भेजे। बता दें कि जून से अब तक ताइवान ने 152 बार चीनी सैन्य विमानों और 125 बार नौसैनिक या तट रक्षक जहाजों को डिटेक्ट किया है। वहीं सितंबर 2020 से, चीन ने ताइवान के क्षेत्र के पास संचालित होने वाले सैन्य विमानों और नौसैनिक जहाजों की संख्या में बढ़ोतरी करके ग्रे जोन रणनीति का इस्तेमाल तेज कर दिया है।

एक बयान में ताइवान के एमओएफए ने कहा था कि चीनी कानून का एकतरफा कार्यान्वयन क्षेत्रीय शांति और स्थिरता का उल्लंघन करता है। इसमें कहा गया है कि नया कानून न केवल क्षेत्रीय तनाव पैदा करेगा बल्कि कॉमर्शियल शिपिंग और मछली पकड़ने की गतिविधियों की सुरक्षा को भी प्रभावित करेगा।

ताइवान के रक्षा मंत्री ने की चीन की निंदा

ताइवान के एमओएफए ने कहा कि वह घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रखेंगे और प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय कानूनों और समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (यूएनसीएलओएस) के प्रति चीन के व्यवहार की निंदा की। बताया जा रहा है चीन, समुद्री व्यवस्था बनाए रखने की आड़ में, क्षेत्र में अन्य देशों के खिलाफ अपने सैन्य खतरों को बढ़ा रहा है।

वेस्ट बैंक में इजरायली रेड में 3 फिलिस्तीनियों की मौत

रामल्लाह, एजेंसी। उत्तरी वेस्ट बैंक के जेनिन में कबातिया शहर में इजरायली सेना ने रेड की जिसमें तीन फिलिस्तीनी मारे गए। इजरायल ने फिलिस्तीनी सुरक्षा समन्वय कार्यालय को बताया कि गुरुवार को एक घर के अंदर रेड डाली गई जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई। ये जानकारी फिर जेनिन के गवर्नर कमाल अबू अल-रब ने सिन्हुआ न्यूज एजेंसी को दी।

इजरायली सेना ने कई घंटों तक घर को घेरे रखा जहां तीनों युवक थे। उनकी पहचान उजागर नहीं की गई है। सोशल मीडिया पर डाले गए वीडियो में एक इजरायली बुलडोजर को घर में मारे गए लोगों में से एक के शव को बाहर निकालते और उसे जमीन पर पटकते हुए दिखाया गया है। तीनों युवक इस्लामिक जिहाद के जेनिन बटालियन से जुड़े थे और जेनिन में ही रहते थे। इजरायली सेना इनका कई महीनों से पीछा कर रही थी। सूत्रों ने बताया कि इजरायली सेना ने घर पर धावा बोला, तलाशी ली और पूरा ऑपरेशन चलाया। किसी को भी आसपास आने नहीं दिया गया। फिलिस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने एक प्रेस बयान में कहा कि इजरायली सेना ने तीनों युवक पर तब हमला किया जब वे एक घायल व्यक्ति को पड़ोस से अस्पताल ले जाने की तैयारी कर रहे थे। इजरायली सैनिकों ने एम्बुलेंस कर्मचारियों और पत्रकारों पर भी गोलियां चलाईं और उन्हें घर के अंदर जाने से रोका। गवर्नर ने कहा कि इजरायली सेना ने घर को बुलडोजर से ध्वस्त करने के बाद पानी और बिजली का कनेक्शन भी काट दिया। इजरायली सैन्य प्रवक्ता अविचाय एड्राई ने एक बयान में पुष्टि की कि एक सप्ताह में दूसरी बार, इजरायल रक्षा बलों, शिन बेट सुरक्षा एजेंसी और सीमा सुरक्षा बलों ने जेनिन में आतंकवादी गतिविधियों को विफल करने के लिए ऑपरेशन चलाया। एड्रेई ने कहा कि इजरायली बलों ने कई संदिग्धों को गिरफ्तार भी किया है और वहां कुछ के साथ मुठभेड़ भी हुई। आधिकारिक फिलिस्तीनी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2023 से लेकर अब तक वेस्ट बैंक और ईस्ट यरुशेलम में इजरायली सेना ने 500 से अधिक फिलिस्तीनियों को मार दिया है।

अमेरिका में जालंधर की लड़कियों पर फायरिंग

न्यूजर्सी , एजेंसी। पंजाब के जिला जालंधर की 2 चचेरी बहनों पर अमेरिका के न्यूजर्सी में फायरिंग की खबर सामने आई है। इस घटना में 1 की मौत जबकि दूसरी की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतका की पहचान नूरमहल निवासी जसवीर कौर (29) के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसकी पहचान जालंधर के नकोदर के रहने वाले गांव हुसैनपुर निवासी गौरव गिल के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार आरोपी गौरव कुछ साल पहले जालंधर से आइइएलटीएस करने के बाद स्टडी वीजा पर अमेरिका गया था। पिछले दिनों किसी विवाद को लेकर गौरव ने जसवीर कौर और उसकी चचेरी बहन पर गोली चला दी। इससे जसवीर कौर (29) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी चचेरी बहन (20) गंभीर रूप से घायल है, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतक जसवीर कौर शादीशुदा है, जब गोलीबारी हुई तब पति शहर से बाहर ट्रक ले जा रहा था। घायल लड़की और गौरव जालंधर में एक साथ आइइएलटीएस करते थे। वे एक दूसरे को पहले से जानते थे, गोली मारने की वजह अभी सामने नहीं आई है। पुलिस ने आरोपी को पहली बार मिडलसेक्स काउंटी कोर्ट में जज के सामने पेश किया। दोनों लड़कियां घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर रहती हैं। स्थानीय पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास और अवैध हथियार रखने का मामला दर्ज किया है। जसवीर कौर के मकान मालिक ने बताया कि जसवीर हफ्ते में 6 दिन काम करता थी और काम के अलावा कहीं नहीं जाती थी। आरोपी गौरव की गिरफ्तारी का सी.सी.टी.वी. फुटेज सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि आरोपी एक घर में छिपा हुआ है।

चीन के साथ अंतरराष्ट्रीय चंद्र अनुसंधान स्टेशन बनाएगा रूस, पुतिन ने योजना को दी मंजूरी

बीजिंग, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चीन के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय चंद्र अनुसंधान स्टेशन बनाने की योजना को मंजूरी दे दी है। यह एक महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष परियोजना है जिसकी घोषणा दोनों करीबी पड़ोसियों ने पहले की थी। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी 'स्पूतनिक' ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय चंद्र अनुसंधान स्टेशन (आईएलआरएस) से संबंधित दस्तावेज बुधवार को रूस के आधिकारिक कानूनी सूचना पोर्टल पर प्रकाशित किया गया। चीन के चंद्र अन्वेषण कार्यक्रम के मुख्य डिजाइनर वू वेइरेन ने इस साल अप्रैल में कहा था कि आईएलआरएस में चंद्र सतह पर खंड, चंद्र कक्षा पर खंड तथा पृथ्वी पर खंड शामिल होंगे तथा इसका निर्माण दो चरणों में किया जाएगा। वू के अनुसार, आईएलआरएस निर्माण परियोजना के पहले चरण में 2035 तक चंद्र दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में एक बुनियादी स्टेशन का निर्माण किया जाएगा। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने वू के हवाले से बताया कि दूसरे चरण में स्टेशन का विस्तार किया जाएगा।

गंगा दशहरा पर बन रहा है अद्भुत संयोग

हिन्दू धर्म में गंगा नदी को देवी के रूप में पूजा जाता है. शास्त्रों में उन्होंने मोक्षदायिनी कहा गया है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गंगा में डुबकी लगाने से व्यक्ति के सभी पाप दूर हो जाते हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है. हिन्दू धर्म में मां गंगा की उपासना के लिए गंगा दशहरा पर्व को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है. वैदिक पंचांग के अनुसार, यह पर्व ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के दिन गंगा दशहरा पर्व मनाया जाता है. बता दें कि इस वर्ष गंगा दशहरा के दिन कई शुभ योग का निर्माण हो रहा है. आइए जानते हैं गंगा दशहरा तिथि और शुभ मुहूर्त.

गंगा दशहरा 2024 तिथि

वैदिक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 16 जून रात्रि 02 बजकर 32 मिनट पर शुरू हो रही है और इस तिथि का समापन 17 जून सुबह 04 बजकर 40 मिनट पर होगा. उदया तिथि के अनुसार, गंगा दशहरा पर्व 16 जून 2024, रविवार के दिन मनाया जाएगा.

गंगा दशहरा 2024 शुभ योग

पंचांग में बताया गया है कि गंगा दशहरा के दिन हस्त नक्षत्र सुबह 11 बजकर 13 मिनट तक रहेगा और इसके बाद चित्रा नक्षत्र शुरू हो जाएगा. साथ ही इस विशेष दिन पर सर्वार्थ सिद्धि योग, रवि योग और अमृत सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है, जिन्हें पूजा-पाठ के लिए उत्तम माना जा रहा है. इस शुभ मुहूर्त में पूजा-पाठ करने से पूर्ण फल प्राप्त होता है.

धर्म शास्त्रों में मां गंगा को मोक्षदायिनी के रूप में वर्णित किया गया है. ऐसे में गंगा दशहरा के दिन पवित्र स्नान करने से रोग, दोष इत्यादि से छुटकारा मिल जाता है और जीवन में सुख समृद्धि आती है. धर्म-ग्रंथों में यह भी बताया गया है कि गंगा नदी भगवान शिव की जटाओं से निकलती हैं. ऐसे में इस विशेष दिन पर भगवान शिव की विधिवत उपासना करने से भी विशेष लाभ प्राप्त होता है और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है. इस विशेष दिन पर पितरों को तर्पण प्रदान करने से भी लाभ प्राप्त होता है.

कब है गंगा दशहरा शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

हिन्दू पंचांग के अनुसार, प्रति वर्ष ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गंगा दशहरा पर्व मनाया जाता है। इस बार यह तिथि 16 जून को मनाई जा रही है। आइए जानते हैं गंगा दशहरा क्यों खास हैं, जानिए इस पर्व का महत्व।

ज्येष्ठ माह में आने वाले सभी त्योहारों का विशेष महत्व है। इस माह में वट सावित्री व्रत, शनि जयंती, अपरा एकादशी जैसे बड़े पर्व आते हैं। इन्हीं में से एक है गंगा दशहरा! ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के दिन गंगा दशहरा मनाया जाता है। हिंदू धर्म में इस तिथि को बेहद ही शुभ माना जाता है। इस दिन गंगा नदी की विधि-विधान से पूजा अर्चना की जाती है। साथ ही दान जैसे पूण्य कार्य करते हुए गंगा में स्नान किया जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गंगा में डुबकी लगाने से व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते हैं। यही नहीं उसे सुख-समृद्धि का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। शास्त्रों में गंगा माता को मोक्षदायिनी भी कहा गया है। ये भी माना जाता है कि गंगा नदी शिव जी की जटाओं से निकलती हैं, इसलिए इस दिन शिव जी की भी पूजा करनी चाहिए। इससे विशेष लाभ की प्राप्ति होती है। इसी कड़ी में आइए जानते हैं कि इस साल गंगा दशहरा कब है ?

इस साल कब है गंगा दशहरा

इस साल 16 जून 2024 के दिन गंगा दशहरा मनाया जाएगा। इस दिन स्नान के लिए ब्रह्म मुहूर्त बेहद शुभ होता है। हालांकि, गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर सुबह 7 बजकर 8 मिनट से सुबह 10ः37 तक शुभ मुहूर्त रहने वाला है।

गंगा दशहरा की पूजा विधि

- गंगा दशहरा पर ब्रह्म मुहूर्त में गंगा स्नान करें।
- इसके बाद साफ वस्त्रों का धारण करके सूर्यदेव को अर्घ्य दें।
- इस शुभ दिन पर गंगा मां के साथ-साथ शिव जी की पूजा करने का भी विधान है।
- इस दौरान गंगा स्त्रोत का पाठ करने से व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति होती है।
- पूजा के बाद आप जरूरतमंद लोगों को दान कर सकते हैं।

गंगा स्नान से ये पाप होते हैं नष्ट

गंगा स्नान करने से सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। माना जाता है कि इस दिन गंगा स्नान करने से 10 पाप नष्ट हो जाते हैं। इनमें निषिद्ध हिंसा, परस्त्री गमन, बिना दी हुई वस्तु को लेना, कठोर वाणी, दूसरे के धन को लेने का विचार, दूसरों का बुरा करना, व्यर्थ की बातों में दुराग्रह, झूठ बोलना, चुगली करना, दूसरों का अहित करना शामिल है।

गंगा दशहरा का महत्व

धार्मिक मान्यता के अनुसार, गंगा मां की आराधना करने से व्यक्ति को दस प्रकार के पापों से मुक्ति मिलती है। गंगा ध्यान एवं स्नान से प्राणी काम, क्रोध, लोभ, मोह, मत्सर, ईर्ष्या, ब्रह्महत्या, छल, कपट, परनिंदा जैसे पापों से मुक्त हो जाता है। गंगा दशहरा के दिन भक्तों को मां गंगा की पूजा-अर्चना के साथ दान-पुण्य भी करना चाहिए। गंगा दशहरा के दिन सत्तू, मटका और हाथ का पंखा दान करने से दोगुना फल की प्राप्ति होती है।

- गंगा दशहरा पर्व सनातन संस्कृति का एक पवित्र त्योहार है।
- धार्मिक मान्यता के अनुसार कहा जाता है कि इस दिन मां गंगा का धरती पर अवतरण हुआ था।
- गंगा दशहरा के दिन पवित्र नदी गंगा में स्नान करने से मनुष्य अपने पापों से मुक्त हो जाता है।
- गंगा, नदी स्नान के साथ-साथ इस दिन दान-पुण्य करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दिन सत्तू, मटका और हाथ का पंखा दान करने की मान्यता है।
- मंत्र- नमो भगवते दशपापहराये गंगाये नारायण्ये रेवत्ये शिवाये दक्षाये अमृताये विश्वरुपिण्ये नंदिन्ये ते नमो नमः
- गंगा दशहरा के दिन अपने पितृ को याद करके उन्हें जल अर्पण करना चाहिए।
- शास्त्रों के अनुसार गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान के बाद सूर्यदेवता को जल अर्घ्य देना चाहिए, तत्पश्चात दान अवश्य करना चाहिए।
- देवी भागवत के अनुसार शतशः योजन दूर बैठा मनुष्य भी यदि गंगा के नाम का उच्चारण करता है, तो वह पापों से मुक्त होकर भगवान श्रीहरि के धाम को प्राप्त करता है।
- गंगा भगवान विष्णु का स्वरूप है। इसका प्रादुर्भाव भगवान के श्रीचरणों से ही हुआ है। तभी तो गंगा (मां) के दर्शनों से आत्मा प्रफुल्लित तथा विकासोन्मुखी होती है।
- यदि कोई भी श्रद्धालु स्नान से पहले गंगा का आवाहन करता है और नदी में डुबकी लगाने से पहले उसी में गंगा की उपस्थिति की अनुभूति करता है।

दशविध स्नान क्या है? गंगा दशहरे के दिन घर पर कैसे कर सकते हैं 10 तरह के स्नान

प्रतिवर्ष ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को 'गंगा दशहरा' का पर्व मनाया जाता है। इस बार यह तिथि 16 जून को आ रही है। इसलिए गंगा दशहरा 16 जून को मनाया जाएगा। शास्त्रानुसार इस दिन मां गंगा का स्वर्ग से धरती पर आगमन हुआ था।

गंगा-दशहरे के दिन जो व्यक्ति मां गंगा की आराधना करता है, उनकी धूप, दीप, नैवेद्य आदि से षोडशोपचार पूजन कर उपवास करता है, वह कायिक-वाचिक-मानसिक त्रिविध पापों से मुक्त हो जाता है। 'गंगा-दशहरे' के दिन 'दशविध-स्नान' का बहुत महत्व होता है। इस दिन 'दशविध-स्नान' करने वाले साधक को अश्वमेध यज्ञ का फल प्राप्त होता है। दशविध-स्नान से आशय शास्त्र द्वारा वर्णित दस प्रकार के स्नान से है। गंगा दशहरे के दिन करें यह दशविध स्नान-

1.गोमूत्र से स्नान 2.गोमय से स्नान
3.गौदुग्ध से स्नान 4.गौदधि से स्नान
5.गौघृत से स्नान 6.कुशोदक से स्नान
7.भस्म से स्नान 8.मृत्तिका (मिट्टी) से स्नान
9.मधु (शहद) से स्नान 10.पवित्र जल से स्नान

उपर्युक्त वर्णित वस्तुओं से अपनी सामर्थ्य के अनुसार लेपन व तिलक कर स्नान करने से 'दशविध-स्नान' की पूर्णता होती है।

महेश नवमी 15 जून को मनाई जाएगी पूजा मुहूर्त व महत्व

महेश नवमी का उत्सव माहेश्वरी समाज में माहेश्वरी वंशोत्पत्ति दिन के रुप में विशाल स्तर पर मनाया जाता है. भगवान शिव और माता पार्वती को माहेश्वरी समाज का संस्थापक माना जाता है.

हर साल ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को महेश नवमी मनाई जाती है. इस साल महेश नवमी 15 जून 2024 को मनाई जाएगी. इस दिन भक्त भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है, मान्यता हैं ऐसा करने से सुख, शांति, धन वृद्धि और सौभाग्य में बढ़ोत्तरी का वरदान प्राप्त होता है. महेश नवमी का उत्सव माहेश्वरी समाज में माहेश्वरी वंशोत्पत्ति दिन के रुप में विशाल स्तर पर मनाया जाता है. भगवान शिव और माता पार्वती को माहेश्वरी समाज का संस्थापक माना जाता है.

महेश नवमी 2024 मुहूर्त

महेश नवमी शनिवार, जून 15, 2024 को
नवमी तिथि प्रारम्भ - जून 15, 2024 को 12.03 ए एम बजे
नवमी तिथि समाप्त - जून 16, 2024 को 02.32 ए एम बजे

महेश नवमी क्यों मनाई जाती

भगवान महेश और आदिशक्ति माता पार्वती ने ऋषियों के श्राप के कारण पत्थर में परिवर्तित हो चुके 72 क्षत्रियों को शापमुक्त किया और पुनर्जीवन प्रदान करते हुए कहा कि, आज से तुम्हारे वंशपर हमारी छाप रहेगी, तुम माहेश्वरी कहलाओगे. भगवान महेश एवं माता पार्वती के अनुग्रह से उन क्षात्रियों को पुनर्जीवन मिला तथा माहेश्वरी समाज का उद्भव हुआ. शिव जी के भक्त इस दिन महेश वन्दना का गायन करते हैं तथा शिव मन्दिरों में भगवान महेशजी की महाआरती की जाती है.

- महेश नवमी के दिन के दिन सुबह जल्दी उठकर सबसे पहले स्नान कर लें.
- अब शिवलिंग और शिव परिवार का पूजन-अभिषेक करें.
- उन्हें धतूरा, बेल पत्र, चंदन, भस्म, पुष्प, गंगा जल, मौसमी फल चढ़ाकर पूजन करें.
- डमरू बजाकर शिव चालीसा, शिव मंत्र और शिव आरती का पाठ करें.
- विधि पूर्वक पूजा करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और मनोकामना को पूरा करते है.

महेश नवमी की कथा

महेश्वरी समाज के द्वारा महेश नवमी का पर्व बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस दिन भगवान शिव और मां पार्वती की विशेष आराधना की जाती है। आइए जानते हैं इस पर्व की कथा के बारे में।

महेश नवमी के दिन भगवान शिव का अभिषेक किया जाता है। उन्हें गंगाजल, पुष्प, बेल पत्र आदि चढ़ाया जाता है। इस दिन शिव लिंग की विशेष की जाती है। महेश नवमी के दिन भगवान शिव की आराधना में डमरू बजाया जाता है। उनके साथ मां पार्वती का भी स्मरण किया जाता है।

माहेश्वरी समाज से जुड़ी पौराणिक कथा

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार माहेश्वरी समाज के पूर्वज क्षत्रिय वंश के थे। शिकार के दौरान वे ऋषियों के शाप से ग्रसित हुए। तब इस दिन भगवान शिव ने उन्हें शाप से मुक्त कर उनके पूर्वजों की रक्षा की व उन्हें हिंसा छोड़कर अहिंसा का मार्ग बतलाया था। महादेव ने अपनी कृपा से इस समाज को अपना नाम भी दिया इसलिए यह समुदाय 'माहेश्वरी' नाम से प्रसिद्ध हुआ। भगवान शिव की आज्ञा से ही माहेश्वरी समाज के पूर्वजों ने क्षत्रिय कर्म छोड़कर वैश्य समाज को अपनाया, तब से ही माहेश्वरी समाज व्यापारिक समुदाय के रूप में पहचाना जाता है।

महेश नवमी पर कैसे करें पूजन

इस वर्ष महेश नवमी पर्व 15 जून को मनाया जाएगा। हिन्दू पंचांग के अनुसार हर साल ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को महेश नवमी मनाई जाती है। महेश नवमी के दिन भगवान शिव और माता पार्वती का पूजन करने से लेकर अपार सुख, धन संपदा, अखंड सौभाग्य और प्रसन्नता में वृद्धि होती है।

पूजन विधि और मंत्र

- महेश नवमी के दिन शिवलिंग तथा भगवान शिव परिवार का पूजन-अभिषेक किया जाता है।
- भगवान शिव को पुष्प, गंगा जल और बेल पत्र आदि चढ़ाकर पूजन किया जाता है।
- डमरू बजाकर भगवान शिव की आराधना की जाती है।
- मां पार्वती का पूजन एवं स्मरण करके विशेष आराधना की जाती है।

मंत्र

- इं क्षं मं औं अं।
- नमो नीलकण्ठाय।
- प्रौं ह्रीं ठः।
- ऊर्ध्व भू फट्।
- ऊँ नमः शिवाय।
- ऊँ पार्वतीपतये नमः।
- ऊँ ह्रीं ह्रौं नमः शिवाय।
- ऊँ नमो भगवते दक्षिणामूर्त्तये मह्यं मेधा प्रयच्छ स्वाहा।

महेश नवमी के दिन उपरोक्त किसी भी मंत्र का जाप पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके 108 बार करना चाहिए। जप के पूर्व शिव जी को बिल्वपत्र अर्पित करना चाहिए। उनके ऊपर जलधारा अर्पित करना चाहिए। इन मंत्रों का जाप कर आप शिव को प्रसन्न कर सकते हैं।

कथा : एक खडगलसेन राजा थे। प्रजा राजा से प्रसन्न थी। राजा व प्रजा धर्म के कार्यों में संलग्न थे, पर राजा को कोई संतान नहीं होने के कारण राजा दुःखी रहते थे। राजा ने पुत्र प्राप्ति की इच्छा से कामेष्टि यज्ञ करवाया। ऋषियों-मुनियों ने राजा को वीर व पराक्रमी पुत्र होने का आशीर्वाद दिया, लेकिन साथ में यह भी कहा 20 वर्ष तक उसे उत्तर दिशा में जाने से रोकना। नौवें माह प्रभु कृपा से पुत्र उत्पन्न हुआ। राजा ने धूमधाम से नामकरण संस्कार करवाया और उस पुत्र का नाम सुजान कंवर रखा। वह वीर, तेजस्वी व समस्त विद्याओं में शीघ्र ही निपुण हो गया। एक दिन एक जैन मुनि उस गांव में आए। उनके धर्मोपदेश से कुंवर सुजान बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने जैन धर्म की दीक्षा ग्रहण कर ली और प्रवास के माध्यम से जैन धर्म का प्रचार-प्रसार करने लगे। धीरे-धीरे लोगों की जैन धर्म में आस्था बढ़ने लगी। स्थान-स्थान पर जैन मंदिरों का निर्माण होने लगा।

एक दिन राजकुमार शिकार खेलने वन में गए और अचानक ही राजकुमार उत्तर दिशा की ओर जाने लगे। सैनिकों के मना करने पर भी वे नहीं माने। उत्तर दिशा में सूर्य कुंड के पास ऋषि यज्ञ कर रहे थे। वेद ध्वनि से वातावरण गुंजित हो रहा था। यह देख राजकुमार क्रोधित हुए और बोले- 'मुझे अंधरे में रखकर उत्तर दिशा में नहीं आने दिया' और उन्होंने सभी सैनिकों को भेजकर यज्ञ में विघ्न उत्पन्न किया। इस कारण ऋषियों ने क्रोधित होकर उनको श्राप दिया और वे सब पत्थरवत हो गए।

राजा ने यह सुनते ही प्राण त्याग दिए। उनकी रानियां सती हो गईं। राजकुमार सुजान की पत्नी चन्द्रावती सभी सैनिकों की पत्नियों को लेकर ऋषियों के पास गईं और क्षमा-याचना करने लगीं। ऋषियों ने कहा कि हमारा श्राप विफल नहीं हो सकता, पर भगवान भोलेनाथ व मां पार्वती की आराधना करो। सभी ने सच्चे मन से भगवान की प्रार्थना की और भगवान महेश व मां पार्वती ने अखंड सौभाग्यवती व पुत्रवती होने का आशीर्वाद दिया। चन्द्रावती ने सारा वृत्तांत बताया और सबने मिलकर 72 सैनिकों को जीवित करने की प्रार्थना की। महेश भगवान पत्नियों की पूजा से प्रसन्न हुए और सबको जीवनदान दिया। भगवान शंकर की आज्ञा से ही इस समाज के पूर्वजों ने क्षत्रिय कर्म छोड़कर वैश्य धर्म को अपनाया। इसलिए आज भी 'माहेश्वरी समाज' के नाम से इसे जाना जाता है। समस्त माहेश्वरी समाज इस दिन श्रद्धा व भक्ति से भगवान शिव व मां पार्वती की पूजा-अर्चना करते हैं।